RNI Reference No. 1328500

द रीव टाइम्स

The RIEV Times

हिमाचल,
वर्ष 1/ अंक 4/ पृष्ठ: 16
मूल्य: ₹ 25/-

01-15 सितम्बर, 2018

www.therievtimes.com

वर्टिकल खेती : समय, स्थान और संसाधन संरक्षण का अनुपम उदाहरण - डॉ० एलसी शर्मा

अन्दर के पृष्ठों में पढ़ें.....

- पृष्ठ 2...मिशन रीव: आवश्यकता आकलन
- पृष्ठ 3 से 6...ज़िलावार मिशन रीव गतिविधियां
- पृष्ठ 7...आपका स्वास्थ्य हमारा परामर्श व अन्य
- पृष्ठ 8...संपादकीय
- पृष्ठ 9...कल हो न हो
- पृष्ठ 10-11...प्रादेशिक हिमाचल
- पृष्ठ 12-13...राष्ट्रीय
- पृष्ठ 14-15...अंतर्राष्ट्रीय
- पृष्ठ 16... रीव कोआर्डिनेटर भर्तियां

मृदा जांच : खेत की मिट्टी के गुणों के हिसाब से उगाई जाएंगी फसलें

द रीव टाइम्स ब्यूरो: (हेम राज चौहान)
हिमाचल में अभी भी किसानों के पास अपने खेतों की मिट्टी के परीक्षण की कोई सुगम तकनीक न होने के कारण सभी खेतों की मिट्टी को जांच के दायरे में लाना मुश्किल सा कार्य है । इसके लिए आईआईआरडी ने बहुत ही उपयोगी तकनीक और सुगम प्रक्रिया से किसानों को राहत दी है । गांव-गांव में किसानों के खेतों से मिट्टी परीक्षण के लिए नमूने लिए जाते हैं तथा गांव में ही मृदा जांच मशीन की उपलब्धता के कारण उनके नमूनों की जांच कर उन्हें रिपोर्ट दी जाती है । अमूमन, मृदा जांच के लिए उपयोग होने वाली मशीन की लागत मंहगी होती है । साथ ही इसे एक ही स्थान पर स्थापित कर मृदा जांच की जाती है । इससे दूरदराज के किसान इससे अछूते रहते हैं और समय-समय पर अपने खेतों की मिट्टी को जांच

मंहगी मशीन की औपचारिकताओं से मुक्त होगें गांव-गांव सुगम रीव मृदा जांच मशीन से लाभान्वित होगे किसान

हेतु नहीं ले जा सकते हैं । आईआईआरडी ने किसानों की इस समस्या को अति सरल करते हुए सुगम मृदा जांच मशीन को प्रदेश के किसानों के लिए गांव में ही उपलब्ध करवाने को सराहनीय कार्य किया है । अब किसानों को मिट्टी की जांच हेतु न तो दूर जाने की आवश्यकता है और न ही यह बहुत मंहगा है । यह एक पोर्टेबल मशीन है । इसे गांव में ले जाकर वहीं खेतों से मिट्टी के नमूने लेकर जांच की जाती है और किसानों को रिपोर्ट के आधार पर रीव जैविक खाद दी जाती है ।

कैसे काम करती है यह सुगम मृदा जांच मशीन

यह एक छोटी मशीन है जिसे सुगमता से कहीं भी ले जाकर स्थापित किया जा सकता है । मुख्यतः यह 12 प्रकार के मृदा परीक्षण करती है जिनमें कुछ ये हैं :

- वृहद्/मैक्रो पौष्टिक तत्वों की जांच : नाईट्रोजन,फासफोरस एवं पोटाशियम
- सूक्ष्म/माइक्रो पौष्टिक तत्वों की जांचः आयरन, कॉपर, जिंक, मैगजीन आदि
- पी एच जांच प्रकिया
- ई सी जांच : इसमें मिट्टी में नमक की मात्रा की जांच होती है । मिट्टी में जितना कम नमक होगा, उसकी गुणवत्ता उतनी ही अधिक होगी । इसी के आधार पर बैक्टिरिया तैयार कर रीव खाद बनाई जाती है ताकि वांछित मृदा गुणवत्ता को बनाए रखा जा सके ।
- ऑक्सीजन स्तर की जांच

मृदा जांच क्यों ज़रुरी

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि लगातार कीटनाशकों के अतिउपयोग के कारण ज़मीन ने अपने पौष्टिक तत्वों को निचले स्तर पर ला दिया है । ऐसे में किसान पारंपरिक तौर-तरीकों से मिट्टी की जांच करते थे, क्योंकि वैज्ञानिक तकनीक न के बराबर ही थी। लेकिन अब ज़मीन की जांच को वैज्ञानिक तरीके से ही जांचने की प्राथमिक आवश्यकता है । मंहगा और दुर्गम जांच प्रक्रिया होने के कारण आज भी किसान नियमित जांच नहीं करवाते हैं। यदि जांच करवाने की विवशता आ ही जाती है तो केवल एक या दो खेतों से ही मिट्टी जांच करवाते हैं । जबकि सभी खेतों की गुणवत्ता एवं पौष्टिकता भिन्न होती है । जांच के लिए हर खेत से मिट्टी के नमूने के आधार पर ही उस खेत में मौजूद पौष्टिक तत्वों के आधार पर ही फसलों को उगाने की प्रकिया को आगे बढ़ाया जा सकता है ।

(मृदा जांच क्यों, कैसे और कहां हो...)

किसान और सेवाओं के बीच मिशन रीव बनेगा सेतु

मिशन रीव के पंचायत फेसिलिटेटर गांव में किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने जांच हेतु लेगें तथा जांच उपरांत आवश्यक पोषक तत्वों से तैयार रीव ऑर्गेनिक खाद को किसानों को घर पर ही उपलब्ध करवाऐगें। गांव के किसान इस बात से अनभिज्ञ होते हैं कि मिट्टी के पोषक तत्वों के आधार पर की गई खेती कितनी लाभप्रद होती है । और यह भी दीगर है कि प्रत्येक खेत की मिट्टी के गुण भिन्न होते हैं जिसके आधार पर खेती को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए अलग-अलग खेतों की मिट्टी की जांच करना आवश्यक है। इसी को आधार मानकर मिशन रीव के तहत इस लघु मृदा जांच मशीन से गांव में पृथक जांच की जाएगी ताकि खेतों के पौष्टिक तत्वों के आधार पर रीव जैविक खाद का निर्माण किया जा सके। जब खाद मृदा जांच के आधार पर तैयार की जाएगी तो फसलें भी खेतों में उसी हिसाब से उगाई जा सकेगी।

मिट्टी जांच के निष्कर्ष के आधार पर भूमि उर्वरता

उपलब्ध पोषक तत्त्व की मात्रा (कि./हे.)

पोषक तत्त्व	न्यून	मध्यम	अधिक
नाइट्रोजन	280 से कम	280 से 560	560 से अधिक
फॉस्फोरस	10 से कम	10 से 25	25 से अधिक
पोटाश	110 से कम	110 से 280	280 से अधिक
जैविक कार्बन	0.5% से कम	0.5 से 0.75%	0.75% से अधिक

जैविक खादों तथा रासायनिक खादों में पोषक तत्वों की मात्रा की तुलना:

जैविक खादों में पोषक तत्वों की प्रतिशत मात्रा

जैविक खाद का नाम	नाइट्रोजन	फॉस्फोरस	पोटाश
गोबर की खाद	0.5	0.3	0.4
कम्पोस्ट	0.4	0.4	1.0
अंडी की खली	4.2	1.9	1.4
नीम की खली	5.4	1.1	1.5
करंज की खली	4.0	0.9	1.3
सरसो की खली	4.8	2.0	1.3
तिल की खली	5.5	2.1	1.3
कुसुम की खली	7.9	2.1	1.3
बादाम की खली	7.0	2.1	1.5

रासायनिक खादों (उर्वरको) में पोषक तत्वों की प्रतिशत मात्रा

उर्वरक का नाम	नाइट्रोजन	फॉस्फोरस	पोटाश
यूरिया	46.0	–	–
अमोनियम सल्फेट	20.6	–	–
अमोनियम सल्फेट नाइट्रेट	26.0	–	–
अमोनियम नाइट्रेट	35.0	–	–
कैल्सियम अमोनियम नाइट्रेट	25.0	–	–
अमोनियम क्लोराइड	25.0	–	–
सोडियम नाइट्रेट	16.0	–	–
सिंगल सुपर फॉस्फेट	–	16.0	–
ट्रिपल सुपर फॉस्फेट	–	48.0	–
डाई कैल्सियम फॉस्फेट	–	38.0	–
पोटैशियम सल्फेट	–	–	48.0
म्यूरिएट ऑफ पौटाश	–	–	60.0
पोटैशियम नाइट्रेट	13.0	–	40.0
मोनो अमोनियम फॉस्फेट	11.0	48.0	–
डाई अमोनियम फॉस्फेट	18.0	46.0	–
सुफला (भूरा)	20.0	20.0	–
सुफला (गुलाबी)	15.0	15.0	15.0
सुफला (पीला)	18.0	18.0	9.0
ग्रोमोर	20.0	28.0	–
एन.पी.के	12.0	32.0	16.0

क्या कहते हैं किसान ?

हिमाचल प्रदेश में मृदा जांच के लिए महीनों प्रतीक्षा करने के बाद यदि एक खेत की मिट्टी जांच हो भी जाती है तो उसके परिणाम आने में भी महीनों लग जाते थे । इसका कोई भी लाभ समय रहते किसान नहीं उठा पाते थे । किंतु मिशन रीव के तहत मृदा जांच प्रतिदिन होगा और उसी समय उसका परिणाम यानि रिपोर्ट भी दे दी जाएगी । कृषक नंद लाल कहते हैं कि उन्होंने पंचायत में अक्सर मृदा जांच के लिए आवेदन किया । एक-दो बार सैंपल लिए भी गए जिसका परिणाम बहुत देरी से प्राप्त हुआ । इतनी देरी से परिणाम आने का क्या लाभ जबकि तब तक दूसरी फसल लगाने का समय आ जाता है । मिशन रीव के लोग मेरे घर पर आकर मृदा जांच हेतु सैंपल हर खेत से एकत्रित कर उसकी रिपोर्ट देने की बात कर गए हैं जो कि मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही ।

जांच के बाद क्या

- किसानों के लिए मिशन रीव में कृषि सूक्ष्म योजना तैयार कर कार्य होगा ।
- मृदा जांच के बाद मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी के आधार पर रीव जैविक खाद की गुणवत्ता बढ़ाई जाएगी और खाद में इस कमी को पूरा किया जाएगा ।
- जैविक कीटनाशकों को प्रोत्साहन मिलेगा जिसकी आज बेहद आवश्यकता है ।
- कम ज़मीन के टुकड़े पर भी अधिक फसलों को उगाने में मदद मिलेगी ।

आगे क्या ?

कृषि में एक नई पहल : वर्टिकल खेती को बढ़ावा देकर समय, स्थान और संसाधन संरक्षण कर प्रदेश में मिसाल कायम करने की ओर हुआ अग्रसर मिशन रीव ।

गुणवत्ता एवं पौष्टिकता को सुनिश्चित करेगा मिशन रीव का ये उत्पाद

हेम राज चौहान

एलगे (Algae) उर्वरक :

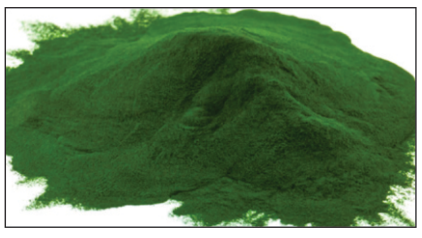

मृदा जांच के बाद रीव जैविक खाद का उपयोग को किसानों के लिए संभव बनाया जा रहा है । इसके साथ ही एक नए उत्पाद को भी मिशन रीव लॉच करने जा रहा है जिससे न केवल खाद की गुणवत्ता में इज़ाफ़ा होगा बल्कि इसके बहुद्देशिय उपयोग से लोगों को उपलब्धता हो पाएगी । शैवाल आधारित यह उत्पाद इस प्रकार से तैयार किया जाता है कि मिट्टी की वास्तविक गुण न केवल पहले जैसे बने रहे, बल्कि उसकी गुणवत्ता में निरंतर बढ़ौतरी होती रहे।

उपयोग के प्रकार

- रीव जैविक खाद के साथ मिश्रण करना
- एलगे को बिना मिश्रण किए उपयोग करना

एलगे उत्पाद को रीव जैविक खाद में मिलाकर उपयोग में लाया जाता है जिससे खाद की गुणवत्ता बढ़ जाती है । इससे फसलों की शुद्धता एवं गुणवत्ता के साथ-साथ फसलों की सुरक्षा भी सुनिश्चित बनाई जाएगी । इसकी एक सीमित मात्रा रीव जैविक खाद के साथ मिलाई जाती है ।

दूसरे इस उत्पाद को बिना खाद से मिश्रित किए भी उपयोग में लाया जा सकता है । इसके द्रव्य और ठोस दोनों ही प्रकार इसमें तैयार किए जा रहे हैं । किसान विनिर्दिष्ट/रीव के बताए फॉर्मूले के आधार पर इसका उपयोग कर पाऐंगे । इस उर्वरक को मिट्टी में मिलाकर और खड़ी फसलों पर छिड़काव कर भी उपयोग में लाया जा सकता है । इसकी रीव द्वारा तैयार विधि को किसानों को गांव-गांव में प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

शैवाल आधारित इस उर्वरक के निर्माण के बाद शेष व्यर्थ बचे उत्पाद को पेड़ों की जड़ों पर डाल दिया जाए तो जड़ों में लगने वाले हानिकारक कीड़ों को ख़त्म कर देता हैं । साथ ही पेड़-पौधों के लिए पौष्टिक खाद का काम करता है । खेती करने के दौरान इस उर्वरक को हल लगाते समय ही मिट्टी में मिश्रित किया जाता है तो मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ जाती है । इसी प्रकार छोटी-बड़ी पौध क्यारियों में भी इसे यदि मिट्टी के साथ ही मिश्रित कर दिया जाए तो पौधों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसके फलों की पौष्टिकता में भी बढ़ौतरी होती है ।

S.No	Test Parameter	Units	Results	Algae fertilizer Results
1	Nitrogen	%	1.69	11%
2	Phosphorus	%	0.75	0.65%
3	Pottasium	%	1.17	1.05%
4	Calcium	%	2.2	0.23%
5	Magnesium	%	1.03	0.45%
6	Sulpher	%	0.042	0.38%
7	Organic Carbon	%	7.36	48%
8	Iron	%	0.14	0.08%
9	Zinc	%	0.0053	0.03%
10	Menganese	%	0.0097	0.27%
11	Copper	%	0.0011	0.02%
12	Molybdenum	%	Not Deteced	
13	Boron	%	0.001 2	0.001%
14	Chlorine	%	BDL	
15	Cobalt	%	Not Deteced	0.0009%
16	Calorific Value	%	219.96	
17	pH Value	%	8.24	
18	Organic Amino Acid			18
19	Natural Vitamins			11
20	Organic Bio Water			6

एलगे उर्वरक की गुणवत्ता

एलगे आधारित अन्य उत्पादों में मिशन रीव मिशन रीव एलगे उर्वरक के अलावा भी घरेलु खाद्य एवं अन्य उत्पादों को लोगों के लिए लेकर आ रहा है ।

- एलगे आयुर्वेदिक बिस्किट : बच्चों एवं बड़ों को अलग-अलग
- एलगे आयुर्वेदिक स्वास्थ्यवर्धक प्रोटीन कैपसूल

- एलगे एवं एलोवेरा आधारित फेसवॉश एवं क्रीम

माननीय राज्यपाल हिमाचल प्रदेश द्वारा जीरो बजट एवं जैविक खेती पर सार्थक पहल की गई है। मिशन रीव इस पहल को विशुद्ध जैविक उत्पादों के साथ गति देने के प्रति कृतसंकल्प है। इसके लिए रीव मृदा जांच, रीव जैविक खाद और एलगे उर्वरक की प्रक्रिया किसानों के लिए वरदान से कम नहीं है।

आवश्यकता आकलन : सदस्यता के बाद सेवा क्षेत्र में अहम क़दम

टीम रीव, शिमला

मिशन रीव के तहत समस्त सेवाओं की लोगों तक उपलब्धता ही मिशन का ध्येय है । सदस्यता ग्रहण करने के बाद सबसे महत्वपूर्ण कार्य सदस्यों की आवश्यकताओं का आकलन करना है । इस आकलन के पीछे सदस्यों एवं उनके समस्त परिवारजनों की एक–एक व्यक्तिगत पारिवारिक, सामाजिक समस्याओं की पहचान करना एवं उनके समाधान के लिए प्रयास करना है । इसके लिए मिशन रीव ने तकनीकि रुप से भी इस आकलन प्रक्रिया को और अधिक सरल किया है । सदस्यों की आवश्यकता आकलन के लिए ऑनलाईन प्रक्रिया को रखा गया है । इस प्रक्रिया में लॉगइन करने के बाद सदस्यता फॉर्म भरना होगा और इसका दूसरा चरण आवश्यकता आकलन रहता है । इसके लिए सदस्य को बताए गए आवश्यकता आकलन के बटन पर क्लिक करना है । उसके बाद सदस्य और उसके परिवार की समस्याओं अथवा आवश्यकताओं की एक प्रश्नावली आरंभ होगी जिसे सदस्य को भरना होगा

आवश्यकता आकलन का भिन्न वर्गों में विभाजन

आवश्यकता आकलन को कुल 8 वर्गों में विभाजित किया गया है । इन वर्गों में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि हर क्षेत्र से संबन्धित समस्या अथवा आवश्यकता इसमें शामिल की जा सके । इतना ही नहीं अलग से सुझाव देने के लिए भी

- स्वास्थ्य सेवाऐं
- कृषि/जैविक खेती
- बैंकिंग एवं वित्तिय सेवाऐं
- संपत्ति प्रबंधन सेवाऐं
- उद्यमिता व्यवसाय प्रबंधन सेवाऐं
- ग्रामीण उत्पाद क्रय-विक्रय सेवाऐं
- शिक्षा एवं प्रशिक्षण सेवाऐं
- यूटिलिटी एवं ऑनलाइन सेवाऐं

विकल्प रखा गया है । ये विभिन्न वर्ग इस प्रकार है : सदस्य को ऑनलाईन फॉर्म भरते समय दो भागों में अपनी समस्याओं को चिन्हित करना है । परिवार के मुखिया को पारिवारिक यानि संयुक्त समस्या को बताना है जबकि सदस्य अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को चिन्हित करेंगें । इसके लिए विभिन्न प्रकार की प्रश्नावलियों से लोगों की आवश्यकताओं का आकलन होगा । ये प्रश्न सभी की दैनिक एवं मूलभूत समस्याओं को समाहित किए हुए हैं । किसान से संबन्धित प्रश्न किसान की समस्त समस्याओं को इंगित करेंगें वहीं विद्यार्थी अपनी समस्याओं को साझा कर सकते हैं । इसी प्रकार प्रत्येक वर्ग के लिए उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के साथ ही प्रश्नावली होगी जिससे यह जानना अति सुगम होगा कि मूलतः लोगों की आवश्यकताऐं हैं क्या–क्या ?

आवश्यकता आकलन आवश्यक क्यों

मिशन रीव की सेवाओं की समग्र रुप से लाभार्थी तक उपलब्धता को सुनिश्चित बनाने के लिए यह आवश्यक है कि समस्याओं की पहचान बारीकी से की जाए। इसके लिए ऑनलाईन प्रक्रिया में पारदर्शिता अपनाई गई है। यानि आमजन घर बैठे भी अपनी सभी आवश्यकताओं को आसानी से भर सकता है। अपनी व्यक्तिगत गोपनीय समस्याओं को भी साझा कर सकते हैं जिसके लिए मिशन रीव में भिन्न प्रारुपों द्वारा भी समस्या के समाधान हेतु कार्य होगा । यदि सटीक आवश्यकता आकलन किया जाए तो समस्याओं पर निदान हेतु मिशन रीव की सेवाओं का विस्तार भी उसी प्रकार होगा

आवश्यकता आकलन का आधार घर-द्वार की सेवाऐं

रीव के फेसिलिटेटर गांव में आवश्यकता आकलन को ही आधार बनाकर सेवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित बनाऐंगे । समस्या पंचायत स्तर की हो, खण्ड स्तर की हो, ज़िला अथवा सरकार के स्तर की हो.....प्रत्येक स्तर पर कार्य को गुणवत्ता के साथ मिशन रीव आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कृतसंकल्प है । हर छोटी–छोटी समस्या तक मिशन रीव का पहुंचना आकलन के बाद ही संभव हो पाएगा ।

> यह एक ऐतिहासिक क़दम है कि आज़ादी के बाद पहली बार जनता को कोई पूछ रहा है कि आप अपनी समस्याएं बताओ, हम उनका निराकरण करने का प्रयास करेंगे। यह एक साहसिक क़दम भी है, जब एक ओर हर व्यक्ति अपनी स्वयं की ही समस्याओं से बाहर नहीं आ पाता है । ऐसे में हज़ारों लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए काम करना एक चुनौती भी है तथा सुख का एहसास देने वाला भी ।
>
> **डा. एलसी शर्मा**
> **प्रधान संपादक**
> md@iirdshimla.org

आयुवर्ग विशेष में कुछ इस प्रकार के प्रश्नों से होगा आवश्यकता आकलन

Membership ▾ | Task Management | Daily Reporting | Attendance management | User Management | Manure

Need Assessment Form

Membership Id	Applicant Name	District	block	Panchayat
M-SM-MS-01-002	Sachin	Shimla	mashobra	Malyana

○ Family Details ○ Sachin ◉ def ○ abc

Service Categories

13-18 Age Group

1	क्या आपको लगता है कि बच्चा पढ़ाई में पूरा ध्यान नहीं दे रहा ?	yes no
2	क्या आपको लगता है कि उसे यादाश्त से संबंधित कोई समस्या है ?	yes no
3	क्या आपको बच्चे में स्वास्थ्य विकार संबंधि कोई संकेत दिखते हैं?	yes no
4	क्या आपको अपने बच्चे में कुपोषण (शरीर में आवश्यक तत्व की कमी) के संकेत दिखते हैं?	yes no
5	क्या आपको आपके बच्चे की संगति संदेहास्पद लगती है?	yes no
6	क्या आपको लगता है कि आपके बच्चे को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है, ताकि वह नशे और गलत संगति से दूर रहे।	yes no
7	क्या आपके बच्चे ने कभी सिगरेट, शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन किया है, आपकी जानकारी के मुताबिक?	yes no
8	क्या आपका बच्चा उम्र के अनुसार शरीर में आने वाले परिवर्तनों के प्रति जागरूक है?	yes no
9	क्या आपके बच्चे को यौन संचारित रोग व संक्रमण (एसटीडी, एसटीआई), एआईवी एड्स व आरटीआई की जानकारी है	yes no
10	क्या आपका बच्चा घर या स्कूल में किसी प्रकार की समस्या झेलता है ?	yes no
11	क्या आप अपने बच्चे में अनचाहे व्यवहारात्मक परिवर्तन देखते हैं?	yes no
12	क्या आपके बच्चे को अपने हमउम्र दोस्तों के रहन-सहन व्यवहार या किसी अन्य कारण से एक प्रकार का मानसिक दबाव महसूस होता है?	yes no
13	यदि आपकी बेटी स्कूल या कॉलेज जाती है तो क्या आपको लगता है कि आपकी बेटी की पढ़ाई का स्तर संतोषजनक नहीं है ?	yes no
14	क्याआपकी बच्चीको मानव प्रजनन प्रक्रिया और नियमित मासिक धर्म के बीच वैज्ञानिक संबंध की जानकारी है ?	yes no
15	क्या आपकी बच्ची मासिक धर्म की प्रक्रिया से गुजर रही है ?	yes no
16	क्या आपकी बच्ची को इससे संबंधित कोई समस्या है?	yes no
17	क्या आपने इस बारे में डाक्टर की सलाह ली? क्या आपकी बच्ची को मासिक धर्म के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों जैसे उचित सफाई व सही खानपान के विषय में पूरी जानकारी है?	yes no
18	क्या आपको किशोरियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी है?	yes no
19	क्या आपकी बेटी हमारे परामर्श दाता से व्यक्तिगत संपर्क रखना चाहती है ?	yes no

Go To Analysis

उपरोक्त वर्ग की तरह ही प्रत्येक आयु वर्ग में इस प्रकार की प्रश्नावली के माध्यम से सभी वर्गो की आवश्यकतों का आकलन होगा। ये आयु वर्ग हैं : 0–6, 7–12, 13–18, 19–25, 26–35, 36–50, 51–60, 61–70 तथा 71 वर्ष की आयु से उपर का वर्ग । सदस्यता लेने के बाद संबन्धित आयु वर्ग के सदस्य अपनी आवश्यकताओं का आकलन ऑनलाईन कर पाऐंगें ।

आवश्यकता आकलन के आधार पर ही बंधे अटूट बंधन में

टीम रीव, शिमला

एस गुलाटी जो कि निजि व्यवसायी है, ने मिशन रीव की सदस्यता ली और आवश्यकता आकलन में अपने कई महत्वपूर्ण कार्यों को इंगित किया जिसमें उनका विवाह करवाना भी शामिल था । मिशन रीव के अंतर्गत उनकी आवश्यकताओं का आकलन होने के बाद सर्वप्रथम उनके विवाह के लिए औपचारिकताओं को पूरा किया गया । वांछित दस्तावेज़ एकत्रित कर उप–मंडलाधिकारी कार्यालय से भी सभी औपचारिकताओं को पूरा कर मंदिर में विवाह की स्वीकृति लिखित रुप से प्राप्त की गई । उसके पश्चात वर–वधु को सरकारी पंजीकृत संकटमोचन हनुमान मंदिर में विधिवत रुप से विवाह बंधन में सात फेरे करवाए गए । इसका पंजीकृत प्रमाण पत्र भी इनको दिया गया । एस गुलाटी ने बताया कि मिशन रीव में उनकी आवश्यकता को समय रहते ही रीव के अंतर्गत पूरा कर लिया गया और उनके लिए यह जीवन भर एक यादगार लम्हा रहेगा । एस गुलाटी ने बताया कि एक न्यूनतम भुगतान पर उनका विवाह मिशन रीव द्वारा करवाया गया ।

ग्रामीणों के साथ मिलकर मनाया स्वतंत्रता दिवस

सरकारी योजनाओं के बारे में भी जागरूक कर रहे मिशन प्रतिनिधि

टीम रीव, शिमला

15 अगस्त के मौके पर मिशन रीव की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जहां पंचायत स्तर पर जाकर मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर तिरंगा फहराया वहीं गांव मे होने वाली ग्राम सभाओं में जाकर मिशन रीव के तहत दी जा रही विभिन्न सेवाओं की जानकारी भी दी।

ग्रामवासियों की आवाज प्रशासन तक पहुंचाने और गांव के लोगों को देश दुनिया के बारे में जानकारी देने के लिए शुरू किए गए द रीव टाइम्स समाचार पत्र को भी वितरित किया गया।

गांव के लोगों ने इस समाचार पत्र की जमकर प्रशंसा की और कहा कि आज भी नियमित तौर पर समाचार पत्र सभी गांव तक नहीं पहुंच रहे। ऐसे में द रीव टाइम्स ग्रामीणों की आवाज उठाने में बेहद अहम साबित होगा।

मिशन रीव की सेवाओं की जानकारी देने के साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी मिशन प्रतिनिधि लोगों की जरूरतों के मुताबिक उन तक पहुंचा रहे हैं।

दरअसल रीव सरकार और आम जनता के बीच खाई को पाटने में एक मजबूत कड़ी बनता जा रहा है। जिला शिमला में मिशन रीव के तहत ऐसे कई उदाहरण है। लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष तौर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में मिशन रीव के तहत दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में लोगों को जानकारी देने के साथ ही उन्हें अन्य सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी जा रही है जिनका फायदा उन्हें कृषि और अन्य व्यवसाय में हो सकता है।

इसके अलावा मिशन रीव के प्रतिनिधियों की ओर से लोगों की जरूरत के मुताबिक घर बनाने के लिए श्रमिक, निशुल्क स्वास्थ्य जांच, जीएसटी नंबर, जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, कार लेने, बीएसएनएल का क्नेक्शन दिलाने, बाइक, कार और घर का इंशोरेंस कराने जैसी सुविधाएं भी दी जा रही है।

दो माह में तीन हजार लोगों के स्वास्थ्य की जांच

70 से अधिक टेस्ट एक साथ कराने की है सुविधा

टीम रीव, शिमला

आईआईआरडी शिमला की ओर मिशन रीव के तहत प्रदेश के उन क्षेत्रों मे स्वास्थ्य सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है जहां आमतौर पर अन्य संस्थाएं नहीं पहुंच पाती। मिशन रीव के तहत हाल ही में घणाहट्टी, नेहरा, ठियोग में शिविर लगाए गए हैं। इससे पहले शिमला के चौपाल, कुपवी, रोहडू समेत अन्य दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा चुकी है।

पिछले महज दो माह के भीतर जिला शिमला में ही दो हजार से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उनके घरद्वार पर ही देने में मिशन रीव सफल रहा है। इस दौरान शिमला के विकासनगर, ऑकलैंड, आईआईआरडी शिमला, ठियोग, शोली, रामपुर, रोहडू, छवारा, मूलकोटी, जुब्बल, व आईआईआरडी के इस प्रयास की प्रशंसा भी ग्रामीण क्षेत्रों मे खूब की जा रही है। एचओडी आईआईआरडी मिशन रीव पैथ लैब डाक्टर केआर शांडिल ने बताया कि इस शिविर में मोबाइल बाइक लैब से एक हजार से अधिक लोगों के रक्त की जांच की जा चुकी है। इनमें मिशन रीव के सदस्यों को निशुल्क सेवाएं दी गई। इसके लिए आईआईआरडी शिमला कार्यालय में लैब तकनिकी सहायक को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। मिशन रीव पैथ लैब से ब्लॉक स्तर पर 70 से अधिक टेस्ट कराने की सुविधा उपलब्ध है।

शिमला में 20 हजार किलो खाद तैयार

मिशन रीव ने ग्रामीणों को दिया प्रशिक्षण

खाद की बिक्री के लिए बाजार भी कराया उपलब्ध

टीम रीव, शिमला

देश में हिमाचल प्रदेश ऐसा राज्य है जिसमे 89.96 प्रतिशत आबादी (Census 2011) ग्रामीण क्षेत्र में रहती है हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार के मुख्य साधन कृषि आधारित है । प्रदेश में पिछले काफी समय से जैविक खेती को लेकर योजनाएं बन रही है लेकिन अधिकतर किसानों को अभी जैविक खेती की पूरी जानकारी नहीं है। इस समस्या का समाधान करके प्रदेश को जैविक राज्य बनाने के लिए एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान शिमला (आईआईआरडी) मिशन रीव के तहत अपने स्तर पर प्रयास कर रहा है। मिशन रीव के तहत प्रदेश के गांवों में किसानों और बागवानों को जैविक खाद बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण दे रहा है। इतना ही नहीं किसानों को जैविक खाद बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जिला शिमला में ही किसानों ने मिशन रीव के सहयोग से 20 हजार किलो जैविक खाद तैयार कर ली है और अब वह मिशन रीव के माध्यम से इसकी बिक्री करके आय प्राप्त करने की तैयारी में है। यह पहली बार है कि कोई संस्था गांव के लोगों को उन्हीं के घरद्वार पर रोजगार के साथ साथ व्यवसाय शुरू करने का भी अवसर प्रदान कर रही है। इस काम को सिरे चढ़ाने के लिए आईआईआरडी की ओर से मिशन रीव के तहत पंचायतों में अपने प्रतिनिधियों की तैनाती की गई है। संस्था के ये प्रतिनिधि गांवों में ही किसानों और बागवानों जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। इन प्रतिनिधियों को आईआईआरडी शिमला में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। संस्था के इस प्रयास की ग्रामीण क्षेत्रों में काफी सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि खाद बनाना तो आसान है पर उसकी बिक्री अभी तक मुश्किल थी लेकिन मिशन रीव ने इसे आसान बना दिया है। आईआईआरडी के प्रबंधक निदेशक डाक्टर एलसी शर्मा का कहना है कि हिमाचल का विकास तभी संभव है जब गांव के लोगों के पास रोजगार और व्यवसाय के अवसर होंगे। जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण देकर गांव के लोगों को व्यवसाय का भी अवसर दिया जा रहा है।

कैसे बनती है जैविक खाद

आईआईआरडी ने एक ऐसे बैक्टिरिया का उपयोग किया जिसको गोबर अथवा अन्य अपशिष्ट पदार्थों मे मिलाकर जैविक खाद तैयार की जाती है ।

यह तकनीक National Centre for Organic Farming (NCOF) जो कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अंतर्गत है, द्वारा सामने लाई गई है जिसे किसानों तक गांव में मिशन रीव पहुंचाने का कार्य कर रहा है । सबसे बड़ी इसकी विशेषता यह है कि यह प्रचलित अन्य किसी भी प्रकार की खादों में सबसे कम समय में तैयार होती है । साथ ही गुणवत्ता के मापदंडों पर भी यह औरों से आगे हैं । इसे लगभग 30 से 40 दिनों के बीच तैयार कर लिया जाता है । इसका एक मुख्य गुण यह है कि यह ज़मीन के अंदर जाकर मिट्टी के पौष्टिक तत्वों की गुणवत्ता को बढ़ा देता हैं और ज़मीन को उपजाऊ बनाता है ।

फीड सप्लीमेंट से पशुधन में सुधार

टीम रीव, शिमला

मिशन रीव के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पशुधन को बढ़ावा देकर पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मिशन रीव के तहत पंचायतों में पशुपालकों को कैटल फीड सप्लीमेंट उपलब्ध कराई जा रही है। इस उत्पाद के बेहतरीन और सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

फीड खिलाने वाले कुछ पशुपालकों से मिशन रीव की ओर से बात की गई तो पशुपालकों ने बताया कि फीड से दुधारू पशुओं में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले हैं।

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह शिमला में भी पशुपालकों को रीव फीड सप्लीमेंट काफी पसंद आ रहा है।

शिमला में मशोबरा ब्लॉक में लोगों का कहना है कि फीड सप्लीमेंट से उनके पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

इसी तरह रोहडू निवासी दिनेश ने बताया कि उन्होंने इसी फीड को नियमनुसार अपनी दूध देने बाली भैंस को दिया चार–पांच दिन खिलाया। इसके बाद उन्होने मिशन रीव को बताया कि कुछ ही दिनों के भीतर दूध में फैट और मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई हुई है। रतीराम ने मिशन रीव की सहराना की और कहा कि मिशन रीव बेहतरीन प्रयास है क्योंकि इसमें लोगों को गाँव में लोगों को घर पर सुविधायें मिल रही है।

किन्नौर में जांचा दो सौ लोगों का स्वास्थ्य

मोबाइल लैब से गांव-गांव पहुची स्वास्थ्य सुविधाएं

किन्नौर/लाहौल स्पीति

प्रदेश के अन्य जिलों की तर्ज पर अब मिशन रीव के तहत रीव मोबाइल लैब से स्वास्थ्य जांच शिविर शुरू हो गए हैं। इसके माध्यम से किन्नौर के लोगों को उनके अपने गांव में ही स्वास्थ्य जांच कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ ही रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सीय परामर्श भी लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसी तरह के शिविर हाल ही में कटगांव, टापरी, खवांगी कल्पा, दुनी–पांगी, सपनीव थेमगरांग में आयोजित किए गए।

आशा कुमारी, गीता नेगी, दूनी पंचायत प्रधान उषा देवी, , खवांगो पंचायत प्रधान सत्या देवी, सापपी पंचायत प्रधान चैन राम नेगी व उपप्रधान सापनी ने शिविर में स्वास्थ्य जांच कराई और कहा कि पंचायतों में इस तरह के शिविर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

स्वास्थ्य स्लेट से घर पर जांच

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को उनके घर पर ही टेस्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य स्लेट दूर दराज के गांवों में लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है।

काजा ब्लॉक की किब्बर पंचायत में लोगों के घरों में जाकर स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से उनके स्वास्थ्य की जांच की गई। स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट करवाने के बाद लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो गए है।

स्वास्थ्य स्लेट के लाभ

स्वास्थ्य स्लेट से वह सभी टेस्ट किए जातो हैं जिनसे किसी भी व्यक्ति को होने वाले रोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। स्वास्थ्य स्लेट से एचबी, बीपी और शुगर समेत अन्य टेस्ट किए जाने की सुविधा है।

एक साथ मिलकर किया डांस, जमकर लगाए ठहाके

आईआईआरडी में स्टाफ के लिए विशेष कार्यक्रम

टीम रीव, शिमला

दिन भर काम के बाद की थकान को मिटाने और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए आईआईआरडी शिमला में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उन स्टाफ सदस्यों को जन्मदिन की भी शुभकामनांए दी गई जिन्होंने इस माह अपना जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम के दौरान एचआर अधिकारी राघव भारद्वाज और सारिका मरैना की ओर से स्टाफी सदस्यों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों को आयोजन किया गया। इसके साथ ही ग्रुप डांस और टास्क कंपलीशन भी आकर्षण का केंद्र रहे। एचआर अधिकारी राघव भारद्वाज ने बताया कि हर माह की अंतिम तारीख को इस तरह का आयोजन किया जाएगा। इससे जहां कर्मचारियों में तनाव को दूर करने में सहायता मिलती हैं वहीं सभी कर्मचारियों में सद्भावना और मिलकर काम करने की भावना भी विकसित होती है।

प्रदेश के दुर्गम और सीमान्त क्षेत्रों तक पहुंचा मिशन रीव

टीम रीव, सिरमौर

जानकारी और दस्तावेजी पेजिदगियों के चलते अक्सर सरकारी योजनाओं का लाभ उन लोगों को नहीं मिल पाता जिन लोगों के लिए ये योजनाएं बनाई जाती है। ऐसे में न तो सरकार अपने लक्ष्य को पूरी तरह प्राप्त कर पाती है और न ही लोगों को योजनाओं का लाभ मिल पाता है। समाज कल्याण की राह में रोड़ा बन रही इन समस्याओं का निवारण करने में आईआईआरडी का मिशन रीव अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल रीव सरकार और आम जनता के बीच खाई को पाटने में एक मजबूत कड़ी बनता जा रहा है। जिला सिरमौर में मिशन रीव के तहत ऐसे कई उदाहरण है।

सिरमौर के दूर दराज के गांव मिशन रीव लोगों के लिए ग्रामीण विकास का पयार्य बनता जा रहा है। मिशन रीव के तहत उन क्षेत्रों में भी लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है जहां एक टेस्ट कराने के लिए लोगों को कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। यहां पर मिशन रीव के प्रतिनिधि लोगों को घरों तक सुविधा पहुंचाने में सफल रहे हैं।

हिमाचल के आखिरी कोने तक शिलाई के दूरदराज के जौनसार बाबर तक मिशन रीव अपनी पहुंच बनाने में सफल रहा है और इन क्षेत्रों के लोग मिशन रीव की सेवाओं से अपने जीवन को आसान बना रहे हैं।

लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच, जीएसटी नंबर, जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, कार लेने, बीएसएनएल का क्नेक्शन दिलाने, बाइक, कार और घर का इशोरेंस करने और उनके व्यवसाय को आगे ले जाने में मिशन रीव काफी मददगार साबित हो रहा है।

लोगों को दी मिशन रीव की जानकारी

टीम रीव, सिरमौर

सिरमौर के दूरदराज के गांवों में लोगों को मिशन रीव के बारे में जानकारी देने के लिए विशेष अभियान चलाया गया हैं। इसके तहत मिशन के प्रतिनिधि लोगों के घर जाकर उनकी जरूरतों के बारे में पूछ रहे हैं और प्राथमिकता के आधार पर उन जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हाल ही में महीपुर पंचायत में एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस सभा के दौरान लोगों की जरूरतों को जानने के साथ ही द रीव टाइम समाचार पत्र भी लोगों को बांटा गया ताकि वह देष –दुनिया में होने वाली घटनाओं के बारे में अपडेट रह सके।

इसके बाद मिशन रीव के तहत गांवों में दी जा रही विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई। इस मौके पर ब्लॉक कोआर्डिनेटर वेद प्रकाश और सहायक ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ने बताया कि मिशन रीव लोगों को उनके घर पर ही स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से बेसिक टेस्ट कराने की सुविधा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को कोई दवा की जरूरत पड़ती है तो वह भी मिशन रीव के प्रतिनिधि लोगों को दे रहे हैं।

स्वास्थ्य के अलावा कृषि, पशुपालन व ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाओं पर भी मिशन रीव कार्य कर रहा है।

सोलन में किसानों ने तैयार की 75 हजार किलो जैविक खाद

मिशन रीव से निशुल्क प्राप्त किया प्रशिक्षण

टीम रीव, सोलन

मिशन रीव के तहत सोलन की विभिन्न पंचायतों में जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत दिया जा रहा है। इतना ही नहीं अगर कोई जैविक खाद बनाकर उसकी बिक्री करना चाहता है तो आईआईआरडी की ओर से उसे वह खाद खरीद कर मुनाफा कमाने का अवसर भी दिया जा रहा है। सोलन में सौ से अधिक किसानों को जैविक खाद बनाने का निशुल्क प्रशिक्षण मिशन रीव के तहत दिया गया है।

लोग मिशन रीव के इस प्रयास से काफी खुश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने अभी तक जैविक खाद बनाकर अपने खेतों में इस्तेमाल की। इसक काफी अच्छे परिणाम

सामने आ रहे हैं। अब लोग अपने खेतों के साथ–साथ बिक्री के लिए भी जैविक खाद तैयार करने में जुटे हैं।

अभी तक सोलन में विभिन्न किसानों द्वारा 75 हजार किलो खाद तैयार हो चुकी है। ये वो मात्रा है जो किसानों द्वारा खासतौर पर बाजार में बिक्री के लिए तैयार की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने गांव के लोगों को इसका निशुल्क प्रशिक्षण देकर बेहतरीन कार्य किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह है कि लोगों को प्रशिक्षण लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और न ही सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ेंगे। प्रशिक्षण के साथ–साथ खाद की बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

मिशन रीव ने किसानों तक पहुंचाए स्प्रे पंप

अब आसान हुई फसलों और बागीचों की देखभाल

टीम रीव, सोलन

सरकार ने किसानों के लिए सोलर सप्रे पंप की व्यवस्था तो कर दी लेकिन किसानों तक वह कैसे पहुंचे इसके लिए कोई स्टीक योजना धरातल पर नहीं है। ऐसे में आईआईआरडी का मिशन रीव किसानों के लिए मार्गदर्शक के तौर पर उभरा हैं। मिशन के सदस्य जहां किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं वहीं इन योजनाओं का लाभ किसानों तब पहुंचाने में भरपूर मदद कर रहे हैं। जिला सोलन में इसके कई जीवंत उदाहरण हैं।

इनमें से एक है सोलर स्प्रे पंप हिन्नर पंचायत के करोल गांव के शादी राम का का कहना है कि पहले ज्यों ही स्प्रे करने का सीजन आता था त्यों ही हम सोच में पड़ जाते थे कि साधारण पंप से सही स्प्रे कैसे करें। फिर सरकारी पंप के बारे में सुना लेकिन पंप कैसे और कहां से मिलेगा, इसकी कोई जानकारी नहीं थी। इसके बाद मिशन रीव के प्रतिनिधियों ने योजना की पूरी जानकारी दी। इतना ही नहीं पंप घर तक पहुंचा दिया गया। शादी राम की तरह है जिला सोलन की विभिन्न पंचायतों में कई किसान और बागवान है जो रीव सोल स्प्रे पंप से अपनी फसलों और बागीजों की देखभाल कर रहे हैं।

सोलन के निवासी दिनेश, राकेश और गीताराम का कहना है कि मिशन रीव ने उन्हें पंप दिलाकर उनका काम आसान कर दिया। पहले साधारण पंप से उन्हें स्प्रे करने के लिए काफी मुश्किल होती थी। इसको पहले कई घंटो तक बिजली से चार्ज करना पड़ता था और बिजली न होने की स्थिति में यह काम नहीं करता था ।

सैंकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच घर पर

टीम रीव, ऊना

स्वास्थ्य स्लेट से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे लोगों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में तय समय के भीतर सस्ता इलाज दिलाने के लिए मिशन रीव के तहत कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए जहां स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया जा रहा है वहीं स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के टेस्ट की सुविधा लोगों के घरों पर ही दी जा रही है।

ग्रामीणों को घरद्वार पर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से मिशन रीव के तहत जिला ऊना में अभी तक पांच सौ से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच उनके घर पर स्वास्थ्य स्लेट और मोबाइल लैब के माध्यम से की जा चुकी है। इसके अलावा स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन किया जा रहा है।

सहायक ब्लॉक कोऑर्डिनेटर साहिल उपमन्यु का कहना कि स्वास्थ्य स्लेट से टेस्ट की सुविधा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को काफी सुविधा हो रही है।

अभी तक करीब 20 से अधिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इनमें जहां सदस्यों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की जा रही है वहीं अन्य लोग भी इस सेवा का लाभ ले रहे है। गांव में ही टेस्ट की सुविधा मिलने से ग्रामिणों में भी खुशी की लहर है। गगरेट ब्लॉक के लोगों का कहना है कि पहले उन्हें ब्लड प्रेशर तक के लिए शहर जाना पड़ता था लेकिन अब गांव में ही विभिन्न तरह के टेस्ट की सुविधा है। इसके चलते स्वास्थ्य का ध्यान और समय समय पर ब्लड टेस्ट कराने में आसानी हो गई है।

आईआईआरडी के इस प्रयास की प्रशंसा भी ग्रामीण क्षेत्रों मे खूब की जा रही है। एचओडी आईआईआरडी मिशन रीव पैथ लैब डाक्टर केआर शांडिल ने बताया कि इस शिविर में से पांच सौ से अधिक लोगों के रक्त की जांच की जा चुकी है।

मिशन रीव ने महिलाओं के लिए शुरू किया सिलाई सेंटर

15 महिलाएं ले रही प्रशिक्षण

टीम रीव, सोलन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आईआईआरडी की ओर से मिशन रीव के तहत कई तरह के प्रयास किया जा रहा है। इसमें महिलाओं को कौशल विकास के लिए भी मिशन रीव के तहत काम किया जा रहा है।

हाल ही में स्थानीय महिलाओं की मांग पर सोलन ब्लॉक के नेरीकलां पंचायत में सिलाई सेंटर मिशन रीव के तहत खोला गया।

ब्लॉक कोआर्डिनेटर सोलन विजय ने बताया गांप में जब महिलाओं से उनकी जरूरतों के बारे में जानने के लिए उनसे बात की गई थी। महिलाओं ने मांग रखी कि गांव की कई महिलाएं सिलाई सीखने की इच्छुक हैं लेकिन आसपास कोई सिलाई सेंटर न होने के कारण महिलाओं की यह इच्छा पूरी नहीं हो पा रही है। महिलाओं की इसी मांग पर रीव ब्लॉक कार्यालय में मिशन रीव के तहत सिलाई केंद्र के लिए जगह उपलब्ध कराई गई।

इस सिलाई सेंटर का उद्घाटन विशेष तौर पर स्थानीय पंचायत प्रधान ने किया। इस मौके पर उन्होंने सिलाई सेंटर के लिए मशीन भी दी। तारा,मीना, ममता, फूलमती व अन्य महिलाओं ने बताया कि सिलाई सेंटर खुलने से गांव की महिलाओं में काफी खुषी है क्योंकि अब सिलाई सीखना आसान हो गया। सिलाई सेंटर पंचायत में ही खुलने से वह घर का कामकाज करने के साथ ही आसानी से सिलाई का प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही हैं। महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर काफी मददगार साबित हो रहा है। घर के पास प्रशिक्षण मिलने से काम सीखना आसान हो गया है।

ब्लाक मदनपुर जिला ऊना स्वतंत्रता दिवस पर मिशन रीव ने फहराया तिरंगा

एक हजार लोगों के पैन कार्ड बनाए

मिशन रीव से कम हुई लोगों की परेशानी

टीम रीव, कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा ज़िले में मिशन रीव विभिन्न माध्यमों से सेवाओं को आमजन तक पहुंचा रहा है। मिशन रीव से जुड़ने के बाद लोगों को जरूरी दस्तावेजों और प्रमाण पत्रों के निर्माण में होने वाली परेशानियों से निजात मिल गई है। पहले जिन दस्तावेजों के लिए लोगों को ख़ुद सरकारी दफ़्तरों के कई –कई चक्कर काटने पड़ते थे अब वह सारे काम मिशन रीव द्वारा किए जा रहे हैं।

ज़िला की अलग–अलग पंचायतों में परिवारों की आवश्यकताओं का आकलन किया जा रहा है तथा उनके अनुसार ही सेवाएं प्रदान की जा रही है । आईआईआरडी के दिशा निर्देशों में लोगों के जीवन को सरल एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से विगत 6 माह में रीव ने बेहतरीन कार्य करते हुए विभिन्न पंचायतों में सैंकड़ो, यूनिवर्सल हैल्थ कार्ड मुहैया करवाए। बीपीएल परिवारों को इंदिरा आवास योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में घर बनाने के लिए मिलने वाले अनुदान में सहायता की। पूरे ज़िला में 650 से अधिक लोगों के घर–द्वार पर ही पैन कार्ड बनाए गए । इसके अलावा 200 से अधिक लोगों के आधार कार्ड पंचायत स्तर पर ही संशोधित किए गए, वृद्धों एवं विधवाओं को पेंशन लगवाने में सहायता की गई ताकि सरकार की योजनाएं लोगों को सुलभ हो सकें। ज़िला कांगड़ा की विभिन्न पंचायतों में पंचायत फेसिलिटेटर अपनी सेवाऐं गांव के लोगों को दे रहे हैं।

लोगों के रोजमर्रा के जीवन में आने वाली सामान्य समस्याओं के समाधन के अतिरिक्त मिशन रीव के कार्यकर्त्ता उन दुर्गम क्षेत्रों में भी लोगों तक पहुंच रहे हैं, जहां पहुंच पाना बहुत ही कठिन है। मौजूदा समय में मिशन कार्यकर्त्ता स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को घर–द्वार पर ही उपलब्ध करवा रहे हैं । स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से विभिन्न तरह की स्वास्थ्य जांच घर–द्वार पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है । इसके अतिरिक्त जैविक खेती व जैविक खाद के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि आम आदमी को जैविक खादों की सही जानकारी व उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

घर पर ही लोगों के विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य –टेस्ट सुनिश्चित किए जा रहे हैं जिनके लिए पहले लोगों को दूर–दूर तक जाना पड़ता था। जो पंचायतें अभी रीव की सेवाओं से वंचित हैं उनको भविष्य में स्वावलंबी बनाने और सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से मिशन रीव पंचायत स्तर पर फेसिलिटेटर की भर्ती करेगा।

कांगड़ा में खुला तीसरा जैनेरिक औषधि केंद्र

जिला कांगड़ा मं मिशन रीव के तहत तीसरा जनऔषधि केंद्र पंचरूखी में खोला गया है। इसी के तहत पंचरूखी के लोगों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। पंचरूखी के स्थानीय निवासी मनोज शर्मा ने कहा कि वह डाक्टर की सलाह पर नियमित रूप से दवाईयां खाते हैं। पहले उन्हें बाजार से दवाईयां लेनी पड़ती थी। लेकिन अब पंचरूखी में ही जैनेरिक औषधि केंद्र खुलने से ब्लॉक में ही लोगों को सस्ती दवाईयां मिल रही है। इससे पहले कांगड़ा के नूरपुर, बनूरी में केंद्र खुल चुके हैं। इससे लोगों को काफी लाभ हुआ है। 55 वर्षीय शिवराम का कहना है कि वह अक्सर अस्वस्थ्य रहते हैं और उन्हें नियमित तौर पर दवाईयां खानी पड़ती है। हाल ये है कि उन्हें अपनी आय का करीब 40 फीसदी अपने स्वास्थ्य की देखभाल पर ही खर्च करना पड़ता है। लेकिन अब जैनेरिक केंद्र से दवाईयों खरीद रहा हूं तो दवाईयों पर होने वाला खर्च पहले के मुकाबले आधे से भी कम हो गया है। शिवराम का कहना है कि आईआईआरडी को इस तरह के जैनरिक स्टोर सभी गांवों में खोलने चाहिए ताकि गांव में सस्ती दवाईयां लोगों को मिल सके।

गांवो के लोगों को अक्सर थोड़ी से दवा के लिए भी कई कि.मी. का सफर तय करना पड़ता है। लेकिन अब जैनरिक स्टोर खुलने से आसानी से गांव में ही दवा मिलेगी।

दुधारू पशुओं के लिए वरदान साबित हो रहा फीड सप्लीमेंट

टीम रीव, बिलासपुर

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह बिलासपुर में भी पशुधन बहुत से ग्रामीणों की आय का मुख्य साधन है। इसे देखते हुए मिशन रीव के तहत इन पशुपालकों को बाजार से बेहद कम दाम पर एनीमल फीड सप्लीमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस फीड सप्लीमेंट का इस्तेमाल करने के बाद अधिकतर पशुपालक काफी संतुष्ट है। घुमारवीं की महिमा देवी का कहना है कि वह दुग्ध बिक्री का व्यवसाय करती है इसलिए भैंसों को अतिरिक्त पोषाहार देना अनिवार्य है। अभी तक वह बाजार से ही फीड लाती रही हैं लेकिन उसे औसत परिणाम ही मिलते हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने मिशन रीव के तहत मिलने वाले एनीमल फीड सप्लीमेंट को बतौर अतिरिक्त पोषाहार अपनी भैंसों को खिलाया। इसके एक सप्ताह बाद ही दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी और पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिल रहा है। महिमा की तरह ही कमला, देवीराम, मोहन सिंह, गीताराम और अन्य पशुपालक मिशन रीव के फीड सप्लीमेंट को इस्तेमाल अपने दुधारू पशुओं के आहार के तौर पर कर रहे हैं और काफी खुश हैं।

बिलासपुर के बेलीराम ने बताया कि पहले गाय एक समय में 3 किलो दूध देती थी जबकि फीड सप्लीमेंट खिलाने के बाद दूध की मात्रा बढ़ना आरम्भ हुई । दस दिनों के बाद 3 किलो दूध की मात्रा बढ़ कर साढे चार किलो एक समय में हो गई तथा गाय के दूध पर लगने वाली मलाई की मात्रा भी बढ़ गई । मलाई पहले से अधिक मोटी परत के साथ दूध पर आना शुरु हो गई । इतना ही नहीं दूध से घी बनाने पर घी की गुणवत्ता एवं मात्रा में भी इजाफा हो गया।

पशुपालकों ने बताया कि फीड सप्लीमेंट को नियमित रूप से दिशा निर्देशों के साथ दुधारु पशुओं को दिया जा रहा है तथा इस फीड के गुणों को देखते हुए इसकी मांग गांव भर में बढ़ गई हैं।

खेती की जरूरतों को पूरा कर रहा मिशन रीव

उन्नत किस्म के बीज और कृषि उपकरण लेना हुआ आसान

टीम रीव, बिलासपुर

बिलासपुर ज़िला में मिशन रीव लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतर रहा है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सेवाओं को प्रदान किया जा रहा है । मिशन रीव ने टीम के साथ घर–घर जाकर लोगों की आवश्यकताओं का आंकलन किया तथा सेवाओं के प्रति जागरुक भी किया ।

लोगों ने बेहतर गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने के लिए मांग की जिसे रीव के तहत हरसंभव पूरा करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध करवाए गए हैं तथा उत्तम किस्म के पौधे भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं जिनमें लीची, आम, अमरुद, सेब, मौसमी, नीम इत्यादि पौधे शामिल है ।

फेसिलिटेटर द्वारा विभिन्न पंचायतों में टीम रीव के साथ पेंशन फॉर्म भरने व अन्य औपचारिकताओं को पूरा करते हुए लाभार्थियों को पेंशन लगवाई भी गई । ग्रामीण लोगों को पैन कार्ड की सुविधाओं से अवगत करवा कर इसे बनवाने में सहायता की । साथ ही यह प्रकिया सदस्यता से लेकर सेवाओं तक जारी है । मिशन रीव ने लोगों को मीटर लगाने की भी सेवाएं प्रदान की ।

लोगों को स्टील के टब की उपलब्धता करवा कर इसे लोगों में वितरित किया गया। लोगों के घर–घर जाकर सभी लोगों से जानकारी लेकर उनकी मांग के मुताबिक सेवाएं प्रदान की जा रही है।

स्वास्थ्य स्लेट और फीड सप्लीमेंट की जानकारी दी

टीम रीव, हमीरपुर

पंचायत स्तर पर लोगों को मिशन रीव के बारे में जानकारी देने के लिए गांव में जाकर मिशन प्रतिनिधि जागरूकता शिविर लगा रहे हैं। इसी तरह के शिविर का आयोजन नादौन ब्लॉक के छोरू पंचायत में किया गया। इस शिविर में तीस से अधिक महिला व पुरूषों ने भाग लिया। इन सभी को मिशन रीव के प्रतिनिधियों की ओर से मिशन रीव के तहत गांव में दी जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई। मिशन रीव के तहत पशुओं के लिए दिए जाने वाले फीड सप्लीमेंट के साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से लोग अपने घर पर ही प्रारंभिक टेस्ट करा सकते हैं और इन टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर चिकित्सकों से स्वस्थ रहने के लिए परामर्श ले सकते हैं।

स्वास्थ्य की देखभाल के साथ रोजमर्रा की जरूरत भी पूरी कर रहा मिशन रीव

इसके अलावा अगर बाजार से किसी को कोई दवा लानी है तो इसमें भी मिशन रीव सहयोग करता है। साथ ही साथ रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी जरूरी सामान मिशन रीव के तहत लोगों के घरों तक पहुंचाया जा रहा है।

घर जाकर जांचा लोगों का स्वास्थ्य

टीम रीव, हमीरपुर

अन्य जिलों की तरह ही हमीरपुर में भी स्वास्थ्य स्लेट लोगों के स्वास्थ्य देखभाल में अहम साबित हो रही है। स्वास्थ्य स्लेट के माध्यम से लोगों के घरों पर ही उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। टेस्ट कराने के बाद अगर कोई चिकित्सकों से परामर्श लेना चाहते हैं तो वह सुविधा भी उन्हें दी जा रही है।

लोगों के घरों के अलावा अलग से जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में नादौन ब्लॉक की छोरू पंचायत मं स्वास्थ्य स्लेट कैंप का अयोजन किया गया। शिविर के दौरान लोगों के टेस्ट करने के साथ–साथ उन्हें मिशन रीव की ओर से दी जा रही सेवाओं की भी जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य स्लेट के लाभ

स्वास्थ्य स्लेट से वह सभी टेस्ट किए जाते हैं जिनसे किसी भी व्यक्ति को होने वाले रोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। स्वास्थ्य स्लेट से एचबी, बीपी और शुगर समेत अन्य टेस्ट किए जाने की सुविधा है।

हेमोग्लोबिन टेस्ट

इस टेस्ट से खून मे हेमोग्लोबिन नामक तत्व की प्रतिशतता की जांच की जाती है। खून मे हेमोग्लोबिन की कमी को अनीमिया कहा जाता है। इससे शारीरिक थकावट, सांस लेने मे दिक्कत, भूख न लगना जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शुगर टेस्ट मधुमेह (सामान्य शुगर 80–120) शुगर टेस्ट से मधुमेह नामक रोग की जांच होती है इस टेस्ट से रक्त मे ग्लूकोज़ तत्व के कम या अधिक मात्रा मे होने की जांच की जाती है।

शुगर टेस्ट

शुगर अधिक हाने पर व्यक्ति मधूमेह का शिकार हो जाता है। वजन घटना, बार–बार पेशाब आना, अधिक भूख लगना, प्यास लगना, जख्म भरने में देरी होना, हड़िडयों का कमजोर होना, किडनी फेल होने की समस्या

बढ़ जाना समेत अन्य कई तरह की स्वास्थ्य संबंधि परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए समय समय पर शुगर का टेस्ट करना जरूरी है और इसमें स्वास्थ्य स्लेट बेहद कारगर साबित हो रही है।

रक्तचाप बीपी

रक्तचाप अधिक होने से हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज और दूसरी गंभीर समस्याएं हो सकती है।

पल्स आक्सीमीटर

इस टेस्ट से खून में आक्सीजन की सही मात्रा का पता लगाया जा सकता है। आक्सीजन की मात्रा सही न होने से सांस संबंधि परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समय समय पर टेस्ट कराना जरूरी है।

टाइफाइड टेस्ट

यह रोग दूषित खाद्य पदार्थों और गन्दे पानी के सेवन से होता है । कई बार व्यक्ति को बुखार भी आता है। समय पर टेस्ट न होने पर स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

तीसा में भी लोगों को मिलेगी सस्ती दवाईयां

जनऔषधि केंद्र खुलने से इलाज हुआ सस्ता

टीम रीव, चम्बा

एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान, आईआईआरडी शिमला की एक नई पहल के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में लोगों को सस्ते दामों पर दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तीन सौ जनऔषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी के तहत चंबा के तीसा में हाल ही में जनऔषधि केंद्र खोला गया है। चम्बा के तीसा में यह पहला जनऔषधि केंद्र है। इसके खुलने से तीसा के लोगों को अब सस्ती दवाईयों के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा।

तीसा निवासी कमल का कहना है कि अभी तक उन्हें बाजार से मंहगे दामों पर दवाईयां खरीदनी पड़ती थी। कई बार तो ये दवाईयां जेब पर इतनी भारी पड़ जाती थी कि घर का पूरा बजट ही बिगड़ जाता था। लेकिन अब आईआईआरडी की ओर से प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना के तहत तीसा में सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। इससे स्थानीय लोगों को काफी राहत है। तीसा में ही जनऔषधि केंद्र खुलने से इलाज सस्ता हो गया और लोगों के समय की भी बचत हो रही है।

उल्लेखनीय है प्रदेश के लोगों को सस्ती दवाईयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पांच जनऔषधि केन्द्रों का लोकार्पण अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य, हिमाचल प्रदेश बीके अग्रवाल ने रीव सचिवालय शिमला से किया था। उन्होंने इस दौरान कहा था कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है और लोगों को इसकी रक्षा के लिए मंहगी दवाईयों के लिए अब नहीं तड़पना पड़ेगा तथा जनाऔषधि केन्द्रों से अब सभी को सस्ते दामों पर दवाईयों की उपलब्धता होगी ।

ये होगी सुविधा

आईआईआरडी की ओर से खोले गए जनऔषधि केंद्रो पर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सस्ते दामों पर बेहतर क्वालिटी की दवाईयां उपलब्ध होगी। इससे पहले लोगों को सस्ती दवाओं के लिए शहरों में भटकना पड़ता था।

आईआईआरडी के प्रबंध निदेशक डाक्टर एलसी शर्मा ने कहा कि आईआईआरडी स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में ब्यूरो ऑफ फार्मा पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स ऑफ इंडिया (बीपीपीआई) की ओर से आईआईआरडी को हिमाचल में तीन सौ जनऔषधि चलाने की अनुमति प्रदान की गई है।

चम्बा में जांचा लोगों का स्वास्थ्य

टीम रीव, चम्बा

चंबा के तीसा में लोगों का स्वास्थ्य जांचने के लिए मिशन रीव के तहत जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स भी प्रदान किए गए। यह कैंप पंचायत फेसिलिटेटर लाल सिंह और स्वास्थ्य सेवक गोपाल सिंह के सहयोग से आयोजित किए गए। शिविर के दौरान स्थानीय लोगों को नियमित टेस्ट कराने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई और साथ ही उन्हें स्वस्थ रहने के टिप्स भी दिए गए।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य स्लेट से लोगों को टेस्ट किए गए। मिशन रीव के तहत आयोजित इस शिविर की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। लोगों ने कहा कि अभी तक टेस्ट कराने के लिए उन्हें लंबी लाइनों में घंटों इंतजार करना पड़ता था। ऐसे में कई बार टेस्ट हो नही नहीं पाते थे। लेकिन अब मिशन रीव के तहत गांव में घर में ही टेस्ट की सुविधा दी जा रही है। इससे स्वास्थ्य की देखभाल आसान हो गई है।

इसी तरह के जांच शिविर का आयोजन जोकना वार्ड की ममनोला पंचायत में पंचायत फेसीलिटेटर प्रकाश और भारती के सहयोग से आयोजित किए गए। इसके अलावा अन्य पंचायतों में भी जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिससे स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल करना काफी आसान हो गया है।

बाजार जाने का झंझट खत्म

टीम रीव, कुल्लू

मिशन रीव के तहत लोगों को गांवों में ही उनके घर पर वह सामान पहुंचाया जा रहा है जिसके लिए पहले उन्हें कई किलोमीटर का सफर तय करके बाजार जाना पड़ता था। लेकिन अब गांव में उनके अपने घर में ही मिशन रीव के तहत जरूरत का सारा सामान पहुंचाया जा रहा है।

पहले लोगों की जरूरतों को जानने के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में लोगों से उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली गई और उनको मिशन रीव के तहत गांवों में दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

इसके अलावा लोगों के घरों पर जाकर भी मिशन रीव के प्रतिनिधि आवश्यकता आंकलन कर रहे हैं। इसके लिए अलग से आवश्यकता आंकलन फॉर्म बनाए गए हैं। इसके माध्यम से लोगों की जरूरतों को जानकर उन्हें मिशन रीव की सेवाएं प्रदान की जा रही है।

लोगों को उनकी जरूरत के हिसाब से सामान उनके घर पर ही उपलब्ध करवाया गया। इसमें क्रॉकरी, डिटर्जेंट, शैंपू समेत अन्य सामान लोगों को उनके घर पर ही उपलब्ध कराया गया।

स्वास्थ्य और कृषि संबंधि सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी अपने स्तर पर उपलब्ध करा रहा है। मिशन रीव के तहत लोगों को विभिन्न तरह के उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें इलेक्ट्रानिक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा क्रॉकरी व अन्य सामान भी लोगों को उनके घरों पर बाजार से बेहद कम दाम पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

घर पहुंच रहा जरूरत का सामान

मिशन रीव के तहत लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे विभिन्न तरह के सामान और सेवाओं से लोगों में भी काफी खुशी है। लोगों का कहना है कि पहले उन्हें छोटी छोटी चीजों को खरीदने के लिए बाजार जाना पड़ रहा था लेकिन अब मिशन रीव के तहत उन्हें हर तरह की सुविधाएं घर पर ही मिल रही है। इससे उनके समय और पैसे दोनों की ही बचत हो रही है।

ग्राम सभा में लोगों को किया जागरूक

टीम रीव, कुल्लू

कुल्लू के जगातसुख में मिशन रीव और अन्य विकासात्मक योजनाओं के बारे में लोगों को ग्रामसभा के दौरान जागरूक किया गया। ग्राम सभा के दौरान लोगों को बताया गया कि कैसे मिशन रीव के तहत विभिन्न तरह की सेवाएं गांव में लोगों को दी जा रही है। मिशन रीव के तहत ग्रामीणों के रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति भी घर पर की जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य जांच और बेहतर कृशि पैदावार के लिए जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसके तहत जिला कुल्लू में अभी तक सैंकड़ो किसानों को जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। प्रशिक्षण के अलावा किसानों का खाद की बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इन सेवाओं के अलावा अन्य योजनाओं की जानकारी भी ग्रामसभा के दौरान लोगों को दी गई।

अब नहीं रही बाजार जाने की टेंशन

टीम रीव, मंडी

पहले बिल जमा कराने के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ता था। अन्य काम रह जाते थे। सिलेंडर बुक कराने और लाने की भी परेशानी रहती थी। लेकिन जब से मिशन रीव क सदस्य बने तब से मिशन रीव के प्रतिनिधि ही हमारे सारे काम कर देते हैं। कुछ ऐसा ही कहना है मंडी के मनोहर का।

मनोहर के मुताबिक पहले छोटे छोटे घरेलु काम जैसे बिजली का बिल जमा करना, बीज खरीदना, गैस सिलेंडर बुक कराना, ये काम खुद की करने पड़ते थे लेकिन अब मिशन रीव ही यह सारे काम कर देता है। रीव प्रतिनिधि जरूरतों के अनुसार सभी काम समय पर पूरा करके देते हैं। इससे परेशानी कम हो गई है और समय की बचत भी हो गई है।

महिलाओं को दी मिशन रीव की जानकारी

टीम रीव, चंबा

किसी भी क्षेत्र के विकास में महिलाओं का विशेष योगदान रहता है। ऐसे में जरूरी है कि विकास को लेकर नई योजनाओं के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया जाए। इसी उद्देश्य से मिशन रीव की ओर से चंबा की थल्ली पंचायत में महिला मंडल के साथ एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान पंचायत फेसिलिटेटर लाल देई की ओर से महिलाओं को मिशन रीव के तहत ग्रामीण विकास के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। लाल देई ने महिलाओं का बताया कि वह कैसे घर का कामकाज करने के साथ स्वरोजगार से जुड़ सकती हैं और कैसे अपनी आर्थिकी स्थिति को मजबूत कर सकती है। महिला मंडल की सदस्यों की ओर से मिशन रीव की भरसक प्रशंसा की गई। महिलाओं ने कहा कि योजनाओं के बारे में बात तो सब करते हैं लेकिन इन योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त करना है यह कोई नहीं बताता। लेकिन अब मिशन रीव के तहत यह सभी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे उन महिलाओं को भी लाभ मिल रहा है जो घरेलु काम काज के कारण कहीं बाहर नहीं जा पाती। मिशन रीव के तहत पंचायत में, यहां तक की घर में ही सभी जानकारी प्रदान की जा रही है।

स्वास्थ्य स्लेट से घर पर जांच

टीम रीव, कुल्लू

स्वास्थ्य स्लेट ग्रामीण क्षेत्रों मे लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल करने में काफी मददगार साबित हो रही है। इस स्टेल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवक आसानी से लोगों के घर पर उनके टेस्ट कर रहे हैं।

इससे गांव में रहने वाले बुजुर्गों को काफी राहत मिली है। घरों में टेस्ट कराने के साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविरो का भी आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में टेस्ट सुविधा देने के साथ ही लोगों को स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जा रहा है।

अगर किसी व्यक्ति को अस्पताल से दवाईयां लिखी गई हैं और वह बाजार से दवाईयां नहीं ले पा रहा तो मिशन रीव के तहत मिशन प्रतिनिधि लोगों को यह दवाईयां भी उनके घर तक पहुंचा रहे हैं।

कुल्लू के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य स्लेट से लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी काफी सराहना की जा रही है।

रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना हुआ आसान

मनोहर की तरह ही जिला मंडी में तीन सौ से अधिक लोग मिशन रीव के तहत सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

मिशन रीव के तहत स्वास्थ्य, कृषि, बागवानी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न तरह के उत्पाद भी लोगों को घरों तक पहुंचाए जा रहे है। इनके लिए पहले लोगों को शहरों की दौड़ लगानी पड़ती थी।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्थानों पर किसानों को आईआईआरडी की ओर से मिशन रीव के तहत निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत कलोह, बसोली पंचायत तथा अन्य कई स्थानों प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसके अलावा कृषि विभाग की उन सेवाओं के बारे में भी इन किसानों को अवगत कराया जा रहा है जिसका लाभ वे सरकारी तौर पर उठा सकते हैं।

इन योजनाओं का लाभ लेने में भी मिशन रीव के सदस्य गांवों के लोगों का भरपूर सहयोग कर रहे हैं ।

कौशल विकास

शादियों का दौर चल रहा था, लग्न तेज था। संबंध तो निभाने ही पड़ते है, इसलिए मैंने भी हामी भर दी, जाना था खंड़ाला मैं दिल्ली–मुंबई राजधानी से मुंबई पहुँच गया और एक लम्बी कार से चार लोग खंड़ाला के लिए चल पड़े। कार के मालिक मनोज, एक ऑटोमोबाइल इंजिनियर थे और उसी शहर में वाईस प्रेसिडेंट के पद पर एक कार बनाने वाली कम्पनी में कार्यरत थे। पीछे बैठी दो महिलाओं का परिचय पत्नी और छोटी बहन के रूप में मनोज ने कराया। संगीत की रहरियों में डूबी कार फरॉटे से खंडाला की तरफ जा रही थी और हम चार बातों मे संगीत में और खुद में डूबे आंनदित थे, अचानक...

आगे की बात बताने से पहले मैं आप सबको कौशल विकास से परिचित करवाना चाहुंगा। साधारण शब्दों में कौशल को हम skill या हुनर के नाम से जानते हैं। कहते है कि गर आप हुनरमंद हो तो आप पुरे समाज व स्वयं के लिए न सिर्फ प्रेरणा का स्त्रोत हो, बल्कि दूसरो के जीवन को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हो। उदाहरण के तौर पर मेरे ऑफिस में काम करने वाला चपरासी इंगलिश में एमए था और सामने अपनी मधुबती पेंटिगं बेच रही औरत अंगूठा छाप। चपरासी महीने में आठ हजार कमाता और हर काम बेमन से करता, जैसे की जिन्दगी बोझ हो। और फुटपाथ पर बैठ कर पेंटिंग बेच रही औरत हर महीनें लाख के उपर कमाती हर क्षण मुसकुराती और ईश्वर का धन्यवाद करती। फर्क बस हुनर का था। एक के पास महज कागज़ी डिग्री थी और दूसरे के पास हुनर।

शायद अब तक आप समझ गये होंगे कि मैं कहना क्या चाह रहा हूँ। हमारी संस्था (IIRD) ने इसी खाई को पाटने के लिए एक ऐसे पुल का निर्माण का उत्तरदायित्व लिया जो हमारे युवा वर्ग को ना सिर्फ शिक्षित करें। बल्कि उसे समय की मांग के अनुसार हुनरमंद (skilled) कर दे, ताकि वह कमाई के लिए नौकरी का मोहताज न रह जाए। भारत सरकार की एक संस्था NSDC (National Skill Development Corporation) से हमने अनुबंध की और हिमाचली युवाओ को मानवीय (Human) तकनीकि (Technical) और वैचारिक (Conceptual) हुनरमंद बनाने की ठानी। इस योजना को धरातल पर लाने के लिए हिमाचल के हर जिले में हम अपने केंन्द्र स्थापित करेंगें और आप सब से आह्वान करेंगे कि हर युवा जो आपका बेटा, बेटी भाई बहन या मित्र हो उसे इस कार्यक्रम से जुड़ने में सहयोग दें। आरंभ में (Retail) फुटकर व्यापार तथा (IT) सूचना प्रौद्योगिकी से इस पावन कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। हां यहां यह अवगत करना नितांत आवश्यक है कि इस ट्रेनिगं के बाद एक अच्छी नौकरी की व्यवस्था करना हमारा संकल्प है।

मैं पुनः अपनी खंडाला यात्रा पर वापस आता हूं, ऑटोमोबाइल इजिनियर साहब बन्द कार, से बाहर आकर बहुत देर तक बॉनट खोलकर देखते रहे, फिर बोले मैं एक मैकेनिक बुलाकर लाया। चन्द मिनट बाद ही गंदे कपड़ों में एक आदमी आया, अपने हाथो से दो मिनट इंजन को टटोला, फिर बोला–सर केवल फ्यूज उड़ गया था। फ्यूज बदला और कार पुनः फर्राटे से चल पड़ी। उस छोटे से आदमी का बस एक बोल Sir, I am Certified automobile technician from NSDC मेरे कान में पूरे रास्ते गुंजता रहा।

Dr. R.K. Singh
Head Skill Development
IIRD, Shimla 8368707716

पाठकों से अपील

प्रिय पाठक वर्ग

पाक्षिक विकासात्मक समाचार पत्र 'द रीव टाइम्स' का चौथा अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आशा करता हूं कि पिछला अंक आपकी उम्मीदों पर खरा उतरा होगा। द रीव टाइम्स लोगों को जीवन में प्रगतिशील बनने में कारगर सिद्ध हो, इसी उद्देश्य से आप की प्रतिक्रियाओं, आलोचनाओं, सुझावों तथा परामर्श को सादर आमंत्रित करते हैं ताकि विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने संबन्धि सभी पहलुओं का क्रमबद्ध समावेश किया जा सके।

आनन्द नायर प्रबन्ध संपादक

आपका स्वास्थ्य हमारा परामर्श

ब्रेस्ट कैंसर क्या एवं उसका उपचार

ब्रेस्ट कैंसर के नाम से आज भी महिलाओं को डर लग जाता है। दरअसल ये बीमारी है ही इस प्रकार की। लेकि़न आरंभ में ही हम यदि इसकी पहचान कर इसके उपचार हेतु सजग हो जाऐ तो इसका उपचार संभव है।

लक्षण :

- महिलाओं को ब्रेस्ट में आरंभ में हल्की पीड़ा का अनुभव होता है
- बाद में ब्रेस्ट (स्तन) में एक छोटी गुटली/गांठ सी हो जाती है।
- इसमें कई बार तो अधिक पीड़ा होती है और कई बार हल्की सी

उपचार :

- प्रारंभिक उपचार में ही यदि इस समस्या का पता चल जाए तो इसे समाप्त किया जा सकता है।
- गांठ/गुटली का निरिक्षण किया जाता है कि नरम है या सख़्त?
- दूसरी स्टेज में यदि समस्या बढ़ गई है तो अमूमन शल्य चिकित्सा का सहारा लेना पड़ता है यानि ऑपरेशन करना पड़ता है।
- उसके बाद यदि अंतिम स्टेज में समस्या पहुंच जाए तो अक्सर ब्रेस्ट ही शरीर से अलग करनी पड़ती है। इस स्थिति में ऑपरेशन के बाद बीमारी की वास्तविक स्थिति को जानने के लिए कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक हो जाता है

परामर्श :

- डॉक्टर के आर शांडिल के अनुसार युवतियों विशेष रुप से 40 वर्ष से अधिक की आयु की महिलाओं को इस ओर समय–समय पर ध्यान देने की आवश्यकता रहती है। यदि गांठ या पीड़ा की शिकायत हो तो महिलाऐं स्वयं भी धीमी मसाज करें और थोड़ी भी कोई इस प्रकार की समस्या हो तो तुरंत अपने डॉक्टर को सूचित कर चेकअप करवाऐं।
- महिलाओं में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उन्हें कभी भी ब्रेस्ट को ढीला (हैंगिंग) नहीं छोड़ना चाहिए। ब्रेस्ट को सपोर्ट की स्थिति में रखें क्योंकि यदि सपोर्ट नहीं होगा तो नसें स्तनाग्र की ओर झुक जाती है तथा इससे स्तनाग्र में रिसाव होना आरम्भ हो जाता है जिससे बाद में गांठ बन जाती है। यही गांठ गंभीर बीमारी का कारण बन जाती है। इसलिए महिलाओं एवं लड़कियों के लिए ब्रेस्ट को सपोर्ट की स्थिति में रखना आवश्यक है।
- मां को अपने नवजात को दूध पिलाना बेहद ज़रुरी होता है। दूध न पिलाने या निकालने की स्थिति में दूध नसों में ही स्तनाग्र में आकर जमा होता है और फिर रिसाव के कारण बीमारी बनने की संभावनाऐं बढ़ जाती है।
- नियमिति रुप से ब्रेस्ट का स्वयं निरिक्षण करती रहें यदि कोई परिवर्तन दिखे तो डॉक्टर से सलाह लें।

डॉ0 के आर शांडिल
आईआईआरडी, शिमला

अधिक जानकारी के लिए लिखें:
therievtime@iirdshimla.org

Right – First-Time

Individuals are conditioned throughtout their lives to accept the fact that they are not perfect and will, therefore , make mistakes. By the time they begin to work for some company or office or self venture, this belief becomes firmly rooted in their minds and they find the normal expression in the statement "Individuals are human beings and all human beings make mistakes". But the time has come to challenge this work belief.

Right – First-Time (RFT) or Zero Defects as a core of total quality management can challenge each individual "to establish a personal goal of superior performance and to strive conscientiously for personal excellence in every thing he does". The main point of the challenge is to achieve results by preventing and elimination defects. The most significant feature of RFT is the opportunity it provides to every employee in organisation from lower level to top management level to practise it for self – improvement and to achieve overall organization improvement.

The results of RFT can enhance employees job satisfaction and personal reputation as well as add to the overall performance and reputation of their organization. The effort is a joy in itself for this he has to prevent mistakes and eliminate defects or errors in the work. The causes of defects in work are:

- Lack of Knowledge   Lack of Skill   Lack of Attitude

Lack of knowledge about job and lack of skills required for the job can be measured and shortcomings can be corrected through continues training and re-training. But lack of attitude has to corrected by person himself. Some attempts to correct some attitudinal problems are :

(I) Lack of Attention (ii) Lack of Enthusiasm (iii) Lack of Discipline (iv) Lack of Involvement
(v) Lack of Integrity (vi) Habit of Procrastination

Gandhiji said "In order to make progress we have often to go beyond the limits of common experience. Great discoveries have been possible on as a result of challenging the common experiences of common held belief". Therefore " To err is an human" is old belief. Now one should challenge this belief by doing things "Right-First-Time" to make progress.

Pravin Misra
Head (EDP & SD)

ज़िंदगी जियें नशे को नहीं

सुंदर, स्वस्थ हिमाचल सबका, नशामुक्त हो आंचल इसका

आईआईआरडी का प्रेदशव्यापी नशामुक्त अभियान : क़दम बढ़ाऐं.....ज़िदगी की ओर....

मादक/नशीले पदार्थो के सेवन से क्या होगा

- हंसता–खेलता जीवन गंभीर बीमारी की चपेट में आ जाता है
- लाइलाज़ बीमारी होने पर इंसान असमय ही मृत्यु का ग्रास बन जाता है
- परिवार टूट कर बिखर जाते हैं और आर्थिक अकाल की स्थिति आ जाती है।
- नशे का आदी अपराध के रास्ते पर चलकर भटक जाता है।
- जिन युवाओं ने राष्ट्रनिर्माण की नींव रखनी है वही राष्ट्र पर बोझ बन जाते हैं।
- इंसान का सामाजिक, नैतिक एवं आर्थिक पतन हो जाता है।
- ऊर्जावान युवा घोर निराशा और कुंठा में आत्महत्या तक कर लेता है।
- मादक पदार्थों के सेवन से संक्रमित रोग हो जाते हैं जिससे पूरा परिवार इसकी चपेट में आ जाता है

कहां और कैसे पनपता है ये दानव

- सबसे पहले ये स्कूल के विद्यार्थियों को निशाना बनाते हैं।
- कॉलेज में युवाओं को नशा और पैसों का प्रलोभन देकर इस दलदल में डाला जाता है।
- गांव में बेरोजगार युवा खेतों में भांग मलने से नशा शुरु करता है, धीरे–धीरे अन्य घातक नशों के सेवन में संलिप्त होकर बर्बाद हो जाता है।
- पहले स्वाद के लिए मुफ्त परोसा जाता है फिर बाद में मज़बूरी में खरीदना पड़ता है।

कैसे और क्यों करे बचाव

- विद्यार्थियों और युवाओं को खाली समय में व्यायाम और खेल गतिविधियों में अधिक समय व्यतीत करना चाहिए।
- बच्चों को अजनबी से किसी भी प्रकार के खाद्य पदार्थ को लेने व खाने न दें।
- बच्चों के स्कूल में उसकी संगत पर विशेष ध्यान रखें, उसकी गतिविधियों का निरिक्षण करते रहें, उसके व्यवहार में परिवर्तन कहीं न कहीं खतरे की घंटी है।
- बच्चों के व्यवहार में यदि थोड़ा भी संदेहजनक परिवर्तन दिखाई दे तो उसकी संगत, व्यवहार और दैनिक गतिविधियों का निरिक्षण करते रहें।
- मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी, ग़ैर कानूनी रुप से दुकानों में बेचने व खरीदने आदि पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।
- अपने निवास स्थान एवं आसपास भांग आदि की खेती को न करने दें और न ही उसे पनपने दें।

आईआईआरडी 5 सितंबर से संपूर्ण हिमाचल प्रदेश में नशे के विरुद्ध जन सहयोग से जनांदोलन कर रही है। आप सभी इसमें समाजहित में भागीदार बनें। विद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य **'ज़िंदगी जियें....नशे को नहीं'** विषय के साथ विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित करेगी। साथ ही गांव–गांव, शहर–शहर युवा मंडलों, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण विकास संस्थाओं, ग़ैर सरकारी संगठनों एवं सरकार के नुमाईंदों व अधिकारियों के सहयोग से नशामुक्त हिमाचल की ओर संस्था सार्थक व व्यवहारिक पहल कर रही है।

आईआईआरडी इसमें क्या करने वाला है

- नशामुक्त अभियान से जुड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित लिंक पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।
- पंजीकृत व्यक्तियों को एसएमएस सेवा द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों बारे सूचित करने की व्यवस्था है।
- पंजीकृत इच्छुक को विभिन्न संस्थानों में नशा मुक्ति से संबन्धित कार्यक्रम करवाने तथा स्वैच्छिक भागीदारी के अवसर प्रदान करने का भी प्रावधान है।
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवियों को संस्था द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाऐगें।
- स्वयंसेवियों को नशामुक्ति से संबद्ध बिहेवियर चेंज कम्युनिकेशन पर ई–लर्निंग के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
- प्रतिभागियों को नशामुक्ति से संबन्धित ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश लेने का भी अवसर प्राप्त होगा।
- प्रशिक्षित तथा अनुभवी स्वयंसेवियों को नई पीढ़ी के मेंटरशिप के अवसर मिलने की संभावनाऐं भी होंगी।

हमसे जुड़ें:- www.missionriev.in/sambhal.aspx

नशे को न कहो.......क्या पता कल हो न हो

स्वयं की जागरुता में ही राष्ट्र की जागरूकता समाहित है।

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर
Institute for Integrated Rural Development
एकीकृत ग्रामीण विकास संस्थान
कि दुनिया देखती रह जाए

सियासी ग़लतियों का ख़ामियाज़ा आख़िर कब तक

घर के बड़े लोग अक्सर बच्चों को कहते हुए सुने जाते हैं कि हमें पिछली ग़लतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। यह बात सही है कि यदि हम बार–बार वैसा करते रहें जैसा करने से पहले भी कोई विवाद हुआ हो, तो स्पष्ट है कि हम विवादों के आमंत्रण की पुनर्रावृति कर रहे हैं। इतिहास इस बात का गवाह है कि मुगलों से पहले हम बहुत छोटी–छोटी रियासतों में बंटे थे और राजा आपस में लड़ते रहते थे जिसका परिणाम हमें यह भुगतना पड़ा कि मुगल आकर हम पर राज कर लेंगे। यह एक सीख थी कि हमें आपस में लड़ना नहीं बल्कि परस्पर सहयोग से अपने आप को मज़बूत बनाना है। लेकि़न न ही इस बात से मुगल सीख पाए और न ही उस समय के बाकी राजा । 16वीं शताब्दी में इसी विखंडित मानसिकता के कारण हमने अंग्रेजों को आमंत्रण दिया कि आओ हम पर राज करो। इसकी त्रासदी हम 350 वर्षों तक झेलते रहे। इससे छुटकारा पाने के लिए हमें लहुलुहान होना पड़ा। क्योंकि हमने इतिहास से नहीं सीखा, इसलिए यह स्थिति पैदा हुई। स्वतंत्रता के बाद हमने एक बहुत बड़ी सियासी ग़लती की...कश्मीर के विशेष दर्ज़े को लेकर। आज कश्मीर में शांति बहाल करने और सीमा सुरक्षा के लिए हम जितना धन व जन गवां रहे हैं, उसका अंदाज़ा लगाना भी कठिन है । इतिहास के इस ग़लत निर्णय के कारण हरे–भरे कश्मीर में आज लालगी के अतिरिक्त कुछ नहीं। यह एक ऐसी ग़लती है जो तब तक मानवता को लहुलुहान करती रहेगी जब तक राष्ट्रों का अस्तित्व रहेगा। ऐसा अधिकांश हम तब करते हैं जब 'सामान्य भलाई' के सिद्धांत को हम अपने अहम या किसी अन्य व्यक्तिगत या सामूहिक स्वार्थपरक कारणों पर तिलांजली देते हैं। देश को जातिवाद या वर्गवाद में विभाजन करने वाला हाल की का सियासी निर्णय कश्मीर जैसी एतिहासिक ग़लती की पुनार्रावृति करने वाला है जिसे किसी भी कसौटी पर औचित्यपूर्ण नहीं ठहराया जा सकता है। किसी भी कल्याणकारी राज्य की चिंता उन वर्गों के प्रति होना आवश्यक है जिनको उपर उठाने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता रहती है। लेकि़न यहां यह परिभाषित करना ज़रुरी है कि ज़रुरतमंद हम किसे कहें ? किसी जाति विशेष में पैदा हुए व्यक्ति को या रोटी–कपड़ा–मकान के लिए तरस रहे व्यक्ति को । 21वीं सदी में प्रवेश के बाद भी अगर हम इस प्रकार की कुंठित मानसिकता का परिचय देते हैं तो ऐसा लगता है कि क्या हम आज तक विवेकहीन शिक्षा अर्जित करते रहें ? यह एक पहेली सी लगती है कि विगत लगभग 7000 वर्षों में भी हम यह नहीं सीख पाए कि सही क्या है .....ग़लत क्या है ? और स्वार्थ से उपर उठकर कैसे जिया जाए ? एक भयावह सियासी ग़लती होने का अंदेशा देश को आसाम में चल रहे राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण की अंत की स्थिति से हो रहा है। कंही हम बांग्लादेश के घुसपैठियों को धीरे–धीरे भारत के नागरिक होने का दर्जा तो नहीं दे रहे हैं ? यदि ऐसा हुआ तो यह प्रक्रिया बाकि राज्यों में भी धीरे–धीरे अपने पैर पसारेगी तथा न्यायपालिका के पास घुसपैठियों की अपीलों को मानने के लिए आसाम के आधार वाली दलीलें काफी होंगी।

यदि ऐसा होता है तो एक भयानक समस्या का बीजारोपण होगा जिसमें अगले 50 वर्षों में स्थानीय लोग कंही अल्प श्रेणी में आ जाऐंगे और अपनी स्वतंत्रता खो देंगे। यह समस्या कश्मीर की समस्या से भी कंही अधिक ख़तरनाक और व्यापक प्रभाव वाली साबित होगी। लेकि़न किसी नागरिक की चिंता करने या आवाज़ उठाने से क्या प्रयोजन, जब सत्ता में बैठे निर्णय करने वाले राजनैतिक प्राणियों को अपनी पार्टियों के सत्ता में काबिज़ होने के अतिरिक्त कुछ दिखाई नहीं पड़ता। आख़िर कब राष्ट्र सियासी ग़लतियों से टूटता व बिखरता जाऐगा ?

डॉ0 एल सी शर्मा
प्रधान संपादक
md@iirdshimla.org

Atal Bihari Vajpayee:
A Man who combined governance with development

Late Shri. Atal Bihari Vajpayee, former PM of India is often compared with Nehru, and has been frequently described as the right man in the wrong party by his opponents. After Jawaharlal Nehru, he is the only Indian political leader under whose direction a party won three general elections in a row.

At a time when caste, religion and political instability were the key players in Indian politics, Vajpayee's six years in government - from 1998 to 2004 - saw governance and development enter political agenda. It was Vajpayee who set the wheels in motion for development and governance to become a primary issue in Indian politics as we see today. As Prime Minister, he demonstrated that it was not strong government that India needed but good governance — governance by the rules of democracy. Although India faced catastrophic events during his tenure, including earthquake (2001), two cyclones (1999 and 2000), a horrible drought (2002-2003), oil crises (2003), the Kargil conflict (1999), and a Parliament attack, yet he maintained a stable economy.

Vajpayee's most memorable achievement was the ambitious roads projects — the Golden Quadrilateral and the Pradhanmantri Gramin Sadak Yojna. The Golden Quadrilateral connected Chennai, Kolkata, Delhi and Mumbai through a network of highways with an average of 15-km road being laid each day. Over the years, more than 5,400 km of new highways were built across the country, while the Pradhanmantri Gramin Sadak Yojna was planned as a network of all-weather roads for unconnected villages across India with the city roads. Both the projects proved to be immense success and contributed to India's economy and help in putting economy on growth track.

Another contribution to the nation was 'Sarva Shiksha Abhiyan', a social scheme to provide universal access to free elementary education for children aged 6-14 years. Within four years of its launch in 2001, the number of out-of-school children dropped by 60 per cent. At present, there is 19.67 crore children enrolled in 14.5 lakh elementary schools in the country with 66.27 lakh teachers at the elementary level, as per SSA official website.

He propagated the idea of 'Interlinking of Rivers of India'. The idea behind interlinking of rivers was to deal with the problem of drought and floods afflicting different parts of the country, while decreasing farmers' dependency on uncertain monsoon rains. It is said that the overall implementation of Interlinking of Rivers programme under National Perspective Plan would give benefits of 35 million hectares of irrigation, raising the ultimate irrigation potential from 140 million hectare to 175 million hectare and generation of 34000 megawatt of power, apart from the incidental benefits of flood control, navigation, water supply, fisheries, salinity and pollution control etc. Only a real visionary could have thought of such marvellous idea!

Observing his commitment to governance and development, the central government has decided to celebrate his birthday 25 December, as Good Governance Day. Besides being a man of masses, an author, journalist and thinker, Atalji also was a great administrator and statesman. He set the new standard of politics - one of governance and development - inspiring millions who contribute to the country's social and political life.

He had an inimitable style of winning hearts. He has several friends with views diametrically opposite his, but that has never come between him and them when it comes to frank sharing of ideas and feelings. Rarely does one find a leader with such a fine blend of toughness and tenderness.

We salute the departed soul and promise to take his ideology and agenda of development forward!

RIP Son of India!!

Anand Nair, Managing Editor
anand@iirdshimla.org

Popularise Zero budget Natural Farming

Niti Aayog Vice Chairman Shri Rajiv Kumar recently came up with a strong case for promoting zero based natural farming for doubling farmers' income. At a time when doubling of farmers' income is a key thrust area of the present government, Niti Aayog's view on this subject is indeed a timely call to revolutionise the agriculture sector.

National Cooperative Union of India had invited Shri Subhash Palekar, noted Agriculture Scientist known for popularizing the concept of zero budget natural farming during the celebration of International Day of Cooperatives in 2016. At that time explaining the benefits of zero budget natural farming, he said that cooperatives should capitalize on their wide network and reach to come up strongly in the field of zero budget natural farming. Since then since the last few years there has been a strong call from various quarters for popularizing zero budget natural farming.

Recently, Hon'ble Vice President of India Shri M. Venkaiah Naidu called for promoting zero budget natural farming in agriculture to make farming viable and sustainable during a meeting on Agriculture held in Pune recently. Some of the states like Himachal Pradesh, AP, etc have very actively promoted zero budget natural farming. AP Government is now popularizing this farming with an initial investment worth 16,134 crores which promises to bring all farmers under the fold of zero budget natural farming by 2024. At present 50 lakh farmers are working on zero budget natural farming in different states, but full potential of this remains yet to be explored.

Under ZBNF, neither fertilizer nor pesticide is used and only 10% of water is used for irrigation as compared to traditional farming techniques. Farmers use only local seeds and produce their own seeds. The side-effects of use of chemicals and fertilizers in crops is eliminated through this farming. It is self-sustaining as there is no need to purchase anything from outside ie fertilizers and pesticides, which can be prepared from naturally available materials. The main need for zero budget natural farming is Desi cow. A single cow is enough for at least 15 acres of land.

Zero budget natural farming can best be popularized by primary agriculture cooperatives in the rural areas. The PACs need to be provided all support and expertise for this work so that they can take up this challenge. .

Our Hon'ble PM Narendra Modi has emphasized that cooperatives can play a significant role in doubling farmers' income. For this PACs must be empowered to play a leading role in popularizing zero budget natural farming which will lead to good income generation thus creating livelihood opportunities for the poor farmers. At this opportune time, Institute for Integrated Rural Development must think of making appropriate interventions in this field with the help of primary agriculture cooperatives in the State of Himachal Pradesh. A pilot project under the aegis of IIRD in Himachal Pradesh can be conceptualized in which primary agriculture cooperatives can be the implementing agencies. The success of this project will provide effective guidelines for other states. Ways can also be visualized in which MISSION RIEV can be associated with this project.

Sanjay Verma
Dy Director, National Cooperative Union of India

आपकी प्रतिक्रियाएं

द रीव टाइम्स पाक्षिक समाचार पत्र बेहद आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक लगा । समाचार पत्र में 15 दिनों के संपूर्ण घटनाक्रमों को पढ़कर अच्छा लगा । सारी ख़बरों और घटनाओं की जानकारी इस अंक में थी जिससे ज्ञानवर्धन तो हुआ ही साथ ही इसमें प्रकाशित लेख भी बहुत अच्छे लगे । –सुरेन्द्र ठाकुर , गांव बघल्ली, तह॰ व ज़िला शिमला

द रीव टाइम्स के माध्यम से सामान्य ज्ञान के साथ–साथ गांवों के लिए विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी मिल रही है।यह गांव के विकास में सहायक है। –गीता, हमीरपुर, बीजड़ी

किन्नौर के दूर–दराज के इलाकों में आमतौर पर दैनिक समाचार नहीं पहुंचते है। लेकिन द रीव टाइम्स पंचायतों तक पहुच रहा है और इससे देश दुनिया की जानकारी मिल रही है। –उषा नेगी किन्नौर

पाक्षिक समाचार पत्र द रीव टाइम्स को जितना खूबसूरत बनाया गया है उसमें विषयवस्तु भी उतनी ही अच्छी लगी । मैं प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी कर रही हूं तथा इस समाचार पत्र में 15 दिनों की संपूर्ण जानकारी काफी उपयोगी साबित हो रही है । मैं इसे शुभकामनाऐं देती हूं । –तनुजा शर्मा , भट्टाकुफर, शिमला

समाचार पत्र द रीव टाइम्स पाक्षिक है और 15 दिनों के समाचारों एवं लेखों के साथ पाठकों के पास पहुंच रही है । मंडी में भी इसे पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ । मंडी के लिए अलग से पृष्ठ दिया गया है तथा मिशन रीव की गतिविधियों की जानकारी भी उसमें पढ़ने को मिली । इसे साप्ताहिक कर दिया जाना चाहिए और हिमाचल के सभी ज़िलों के घर–घर तक पंहुचाया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए । भविष्य के लिए शुभकामनाऐं देते हैं । –नीरज गुप्ता,मंडी, हिमाचल प्रदेश

द रीव टाइम्स समाचार पत्र को यदि पाक्षिक के स्थान पर दैनिक कर दिया जाए तो यह पाठकों के लिए बहुत ही उपयोगी होगा । इस समाचार पत्र की गुणवत्ता उत्तम है । सबसे बढ़िया इसमें इसके संपादकीय एवं अन्य लेख लगे जिनमें विषय के गूढ़ को शोध कर लिखा गया है । एक लेखक होने के नाते मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इस समाचार पत्र क लेखों एवं समाचारों की सराहना करता हूं । –विनाद कुमार शोघी, शिमला

द रीव टाइम्स समाचार पत्र गुणवत्ता की दृष्टि से श्रेष्ठ है। इसमें कृषि, स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ–साथ हिमाचल, देश–विदेश की समसामयिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी होती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पंचायत स्तर पर उपलब्ध है। इससे ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने में काफी मदद मिल रही है। एक सुझाव यह है कि इसमें गांव से जुड़ी समस्याओं को भी उठाना चाहिए।
–राकेश ,चम्बा

नशे को न कहो......क्या पता कल हो न हो

मेरे गांव में एक आम्रवृक्ष होता था। हमारा बचपन उसी विशालकाय आम्रवृक्ष के नीचे, उसके उपर, आस–पास खेलते, अटखेलियों में बीता। पूरे दोपहरी की धूप को भी वो अपने उपर सहकर हमें घनी छांव देता था । लेकिन असमय ही उसके कोटर में लाइलाज़ बीमारी लग गई थी जिससे पेड़ पर आम के फल तो उसी संख्या में भरपूर लगते थे किंतु पूरा वृक्ष धीरे–धीरे सूखने लग गया था । बिल्कुल ऐसे लगता था कि एक गाय दूध तो दे रही है परन्तु उसे चर्म रोग हो गया हो । फल भी छोटे होते गए । हम अपनी आंखों के सामने ही उस विशालकाय आम्रवृक्ष को तिल–तिल मरते हुए देखते रहे । और फिर एक दिन वो भी आया जब ज़डों के खोखलेपन ने तना, टहनियों ओर पत्तों से एक–एक रसबूंद सोख ली ....और वृक्ष सूख कर खड़े रहने का अपना भार तक नहीं उठा पाया.......हमारे समाज की जड़ें भी नशे की चपेट में आकर उसे खोखला करती जा रही हैं और वो समाज जो मान–सम्मान, यश, हमारी आवश्यकताऐं, हमारे जीवन का आधार है, धीरे–धीरे कमज़ोर होता जा रहा है.......सांसे फूलती जा रही है ।

रीढ़ में ही कैंसर....

किसी भी समाज की रीढ़ उस समाज के युवा होते हैं । युवा..... जिन पर राष्ट्र के विकास और उत्थान का उत्तरदायित्व है । युवा...जिनके कांधे देश का भार लेकर चलते हैं । युवा.....जो भविष्य का सपना है और वर्तमान की मज़बूत कड़ी भी । नशे का सबसे अधिक प्रभाव इसी युवा पर पड़ा है और इसका ख़ामियाज़ा पूरा समाज, राष्ट्र और मानवता भुगत रही है । नशे का कैंसर तीव्रता से आज युवाओं को अपने पाश में बांध रही है । इससे पारंपरिक सामाजिक ढ़ांचा भी तहस–नहस होने के कगार पर है । उड़ता पंजाब ही नहीं ....देश के हर राज्य इस नशीली कैंसर की आंधी में उड़ रहा है । यदि युवा ही लड़खड़ाने लगा तो देश को दिशा देने की जिम्मेवारी किसकी होगी ? शरीर की रीढ़ ही हमें स्थाईत्व और शक्ति प्रदान करती है । समाज के लिए वो रीढ़ युवा ही है । ऐसे में रीढ़ का ये कैंसर हमारे सामाजिक तानेबाने को नष्ट करने पर आतुर है ।

हिमाचल में नशे का दंश

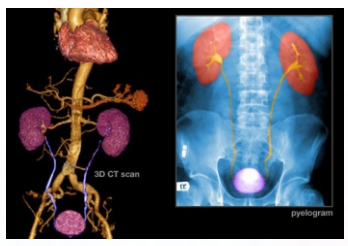

हिमाचल को शांतप्रिय, देवभूमि कहा जाता है । इसकी शांति भी अब नशे के दंश से अछूती नहीं रही है । पड़ोसी राज्यों से बहती नशीली हवाओं ने यहां के वातावरण को भी ज़हरीला बना दिया है । इसके भयानक दुष्परिणाम भी सामने आ ही रहे हैं । एक सर्वे के अनुसार हिमाचल में नशे को लेकर स्थितियां बद्तर होती जा रही है । तीन ज़िलों में करवाए गए इस सर्वे में भी चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए है । नेशनल फेमिली हैल्थ सर्वे (2016–2017) के अनुसार

- हिमाचल में शराब का सेवन 39.7 प्रतिशत है जो कि पंजाब 34 प्रतिशत और चंडीगढ़ 39.3 प्रतिशत से भी अधिक है ।
- तंबाकु सेवन में भी हिमाचल बढ़त बनाए हुए हैं और 40.5 प्रतिशत लोग इसके आदी हो चुके हैं । जबकि चंडीगढ़ में ये प्रतिशत 22.5 प्रतिशत, हरियाणा में 35.8 प्रतिशत है ।
- इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज के एक स्वतंत्र सर्वे में हिमाचल के 40 प्रतिशत से अधिक युवा इस नशे के खतरे के शिकार को पार कर चुके हैं ।
- राजधानी शिमला में तो स्थितियां काबू से बाहर होती जा रही है । शिमला के 54 प्रतिशत युवा लड़के तथा 24 प्रतिशत युवा लड़कियां किसी न किसी प्रकार के नशे में संलिप्त है ।
- शिमला में 29.3 प्रतिशत विद्यार्थी सिगरेट और खैनी आदि के आदी हो चुके हैं । वहीं मदिरा सेवन में 24.45 प्रतिशत, भांग सेवन में 20.87 प्रतिशत, क़फ सिरप का नशे के रूप में सेवन 4.4 प्रतिशत और अफ़ीम के 3.4 प्रतिशत आदी हैं ।

पुलिस ने कम समय में ही नशे की खेप की पकड़ की तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए :

चरस	229.43 कि.ग्रा.	हेरोईन	983.96 ग्राम
अफीम	4.4 कि.ग्रा.	ब्राउन शुगर	3 कि.ग्र.
पोस्तादाना	263.07 कि.ग्रा.	कोकीन	68.83 ग्रा.
स्मैक	243 ग्राम	इंजेक्शन	910

नशे के प्रकार

हिमाचल को सुन्न करती जा रही नशे की लत ने अपने अनेक रूप दिखाए हैं । समय के साथ–साथ नशे के प्रकार भी बदलते रहते हैं और युवा इसे अपना सामाजिक स्टेटस मानने लगे हैं । हाथ में सिगरेट का कश, गुटका, खैनी आदि को जीवन का हिस्सा बना चुके युवा अपने विनाश की नींव रख चुकें हैं । नशे के ये प्रकार हैं :

शराब	सिगरेट, बीड़ी आदि	गुटका
खैनी आदि	तंबाकु के कई प्रकार	अफीम
गांजा	हेरोईन	चिट्टा
अफीम, बूट पॉलिश, कफ सिरप, बाम एवं अन्य खतरनाक उत्पाद आज प्रचलन में हैं।		

धुंधला होता वर्तमान और गर्त में भविष्य

बाहरी राज्यों से हिमाचल में भारी नशे की खेप अलग–अलग तरीकों से पहुंचती है और इसकी आपूर्ति स्कूल के बच्चों और युवाओं तक यहां के नशा माफिया के लोग आसानी से करते हैं । यह बेहद दु:खद है कि इस प्रक्रिया को चलाने के तौर–तरीक़े स्कूलों के विद्यार्थियों से आरम्भ होते हैं और धीरे–धीरे प्रारंभिक स्वाद को लत में बदला जाता है । एक इंसान की पहचान उसकी संगत से ही होती है ....इसके चलते ही एक नशैड़ी विद्यार्थी अपने दोस्त, संगी साथी को भी इसमें शामिल करने लगता है । ऐसा करते–करते स्कूली बच्चे अपने संभलते पैरों में नशे की बेड़ियां बांध लड़खड़ाने लगते हैं । गांव में स्कूलों के बच्चों को स्थानीय माफिया के लोग ये लत लगाते हैं । एक कश या एक पैग के साथ हुई इस विनाश की यात्रा फिर आहिस्ता–आहिस्ता दर्दनाक अंत के समीप आ जाती है । हमने ऐसे बहुत बच्चों से बात की जिन्होंने माना कि हमें नशे के लिए उकसाया जाता रहा है । जो इसकी गिरफ़्त में आ गए वो फिर समाज, परिवार और दोस्तों के लिए अभिषाप से कम नहीं होते । क्योंकि फिर वो व्यक्ति नहीं बोलता...बोलता है उसके भीतर का राक्षसी नशा ।

अपराध का मूल नशा

हम कैसे भूल सकते हैं कि जितनी भी कुरीतियां या जघन्य अपराध सामने घटित हो रहे हैं ..... उनका मूल यही नशा है । दिल्ली का गुड़िया कांड हो या कोटखाई का मासूम के साथ जघन्यता की हदें पार करना, शिमला के मासूम युग मर्डर की भयावकता हो या बलात्कार की अन्य बढ़ती घटनाऐं.....नशे के दानव ने मानवता को शर्मसार किया है । एक मासूम जो स्कूल से घर जा रही थी, उसे कितनी बेदर्दी, पीड़ा के साथ बलात्कार करके मार दिया गया.....क्या प्रदेश इसे भूल गया है ? इसके पीछे भी नशा ही मुख्य कारण रहा था । जिस प्रकार से तोड़–मरोड़ कर उस मासूम की हत्या की गई उसकी बर्बरता ने प्रदेश ही नहीं पूरा देश हिला दिया ।

शिमला का मासूम युग.........एक नन्हा सा बच्चा... अपने माता–पिता की आंखों का तारा शिमला के ही युवकों द्वारा जिस प्रकार अपहरण कर यातनाऐं दी गई और बाद में जिस प्रकार उसकी निर्मम हत्या की गई... उसका आधार यही नशा था । मासूम युग को कई दिनों तक इन नशैड़ियों ने एक सुनसान जगह पर घर पर बांधे रखा और जब अपहरणकर्ता घर से बाहर जाते थे तो उस मासूम को नशा करवाकर पलंग के बॉक्स में बंद कर देते थे । अंत में इन नशेड़ियों ने उस मासूम को शराब पिला कर पत्थर से बांध एक पौश इलाके के बड़े टैंक में ज़िंदा ही डूबो कर मार दिया । इतना ही नहीं, उस मासूम की गली–सड़ी लाश का पानी उस टैंक से वहां के निवासियों को महीनों तक पिलाया गया । देश में युवा पीढ़ी की एक बड़ी प्रतिशतता आज इतनी गिर चुकी हैं कि नशे में वो घर, परिवार, महिला, बच्चें, समाज और संस्कारों की तिलांजली देकर अपराध में संलिप्त है । बलात्कार, हत्याऐं, आगजनी, टूटते परिवार आदि सभी समस्याओं में नशा भी एक मूल कारण है ।

युवाओं को चपेट में ले रहा है चिट्टा

वर्तमान संदर्भ में हिमाचल प्रदेश चिट्टा की चपेट में आ चुका है । चिट्टा की लत इंसान को मौत के मुहाने पर ले आती है और फिर उससे बाहर आने के रास्ते बंद हो जाते हैं । इंसान तड़प उठता है इसे पाने के लिए । न मिल पाने की स्थिति में उसके प्राण खतरे में आ जाते हैं । चिट्टा से प्रदेश में कितनी ही मौतें हो चुकी हैं और कितनी ही घटनाऐं दिनोंदिन सुनने में आ रही है । यह एक अति मंहगा नशा है ।

ग्रामीण परिवेश में हालात बहुत ख़राब है । ये वो परिस्थियां हैं जंहा सर्वे में भी वास्तविकता सामने नहीं आ पाती है । गांव के बेरोजगार युवा दिन भर भांग मलकर बीड़ी–सिगरेट पीते हैं और हर छोटे–बड़े अपराध को जन्म देने के लिए वहीं से स्वयं को तैयार करते हैं । इतना ही नहीं नशे के कारोबार में कुछ आमदनी के लिए इस धंधे के प्रचारक और विस्तारक बन जाते हैं और गांव के युवाओं के साथ–साथ विद्यालयों में कमज़ोर कड़ी की पहचान कर स्कूली बच्चों को धीरे–धीरे निशाना बनाते हैं । दुकानों पर गुटखा, खैनी बंद होने के बावजूद उपलब्ध होती हैं तथा 3 से 4 गुना दाम पर बेचे जाते हैं । प्रतिबंध के बाद भी किस प्रकार दुकानों में इसकी गोपनीय तरीके से बिक्री कानून और सरकार की नाक के नीचे हो रही है...यह यक्ष प्रश्न है । दूसरा यक्ष प्रश्न तो ये भी गंभीर हो गया है कि नशे में लड़कियों की संलिप्तता में बेतहाशा वृद्धि हमें किस ओर ले जाएगी ?

सरकार मुनाफे को तरहीज़ देकर शांत क्यों

विगत कुछ दिनों पूर्व पूरे प्रदेश में गांव में या संस्थानों के समीप खुल रहे शराब के ठेकों पर लोगों ने विशेषकर महिलाओं ने कड़ा विरोध किया......लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया । मुझे स्वयं भी इस मुहिम का हिस्सा बनने का अवसर मिला जब एक धार्मिक संस्था के सामने मुख्य द्वार पर ही शराब का ठेका खोल दिया गया । इसका बहुत विरोध हुआ.....किंतु सरकार के अधिकारियों ने इसे राजस्व के लिए आवश्यक मानते हुए कोई भी कार्यवाही नहीं की । यहां तक कि राज्यपाल महोदय द्वारा पूर्ण आश्वासन के बाद भी ठेके को नहीं उठाया गया । एक ही नहीं ऐसे सैंकड़ों उदाहरण है जहां सरकार के लिए गांव में खुलने वाले शराब के ठेकों से बर्बादी का मंज़र नहीं दिखता ...... दिखता है तो मुनाफा.... और उस मुनाफे से प्रदेश की तरक्की । तो क्या राजस्व कोष इंसानी ज़िंदगी से अधिक महत्वपूर्ण है ? विश्लेषण करना आवश्यक है ।

नाकाफी प्रयास

नशे के खिलाफ हिमाचल समेत सात राज्यों का एलान-ए-जंग
सूबे को नशामुक्त करने का अब दलाईलामा ने उठाया बीड़ा
नशे पर सात राज्यों ने किया है एलान-ए-जंग
नशामुक्त कद्र स 130 प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद, आरोपी गिरफ्तार
चिट्टे-चरस संग दो धरे
चिट्टा सप्लायरों पर रामपुर पुलिस की नज़र, मध्य रात्रि ज्योरी प्वाइंट में किए गिरफ्तार
असल सप्लायर अभी भी पुलिस गिरफ्त से दूर

नशा अखबारों की सूर्खियां बन गया है

सरकार समय–समय पर एक निश्चित बजट के साथ लोगों के बीच विज्ञापनों की आंधी और लज़ीज व्यंजनों से परोसे कार्यक्रम का हिस्सा तो बन जाती है परन्तु धरातल पर इसको अमलीजामा पहनाना अभी शेष है । लोगों के जीवन को इस नशे से दूर रखने के लिए मूल बिन्दुओं पर सक्रियता के साथ सफल कोशिश करने की प्रबल आवश्यकता है । वहीं सामाजिक संस्थाओं के प्रयास भी अभी नाकाफी है । इसे कार्यक्रमों तक सीमित कर आजीविका का साधन न मानकर इसके लिए धरातल पर समाधान की ओर लाना होगा ।

जागरुकता के बाद प्रभावितों की पहचान और उसके बाद उनकी समस्या का संपूर्ण निदान कर इस प्रक्रिया को अपनाकर ही हम इसकी जड़ तक पहुंच कर उपचार की ओर बढ़ सकते हैं ।

आईआईआरडी का प्रदेशव्यापी नशामुक्त जन अभियान

आईआईआरडी ने इस समस्या को अति गंभीर मानते हुए स्वैच्छिकता के साथ इसके निदान और जागरुकता के लिए प्रदेशव्यापी जनअभियान चलाया है । **'ज़िंदगी जियें-नशे को नहीं'** इस उद्घोष के साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों, युवा मंडलों, महिला मंडलों, स्वैच्छिक संस्थाओं, नारकोटिक्स विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस, प्रशासन और जन भागीदारी को साथ लेकर नशा मुक्त हिमाचल का जन–अभियान आरंभ किया है । इसके तहत पूरे प्रदेश में एक साथ 5 सितंबर को विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में नशा मुक्त हिमाचल के लिए विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिताऐं आयोजित करवाई जा रही है । ये प्रतियोगिता विभिन्न वर्गों में होगी तथा खण्डस्तर से ज़िला और फिर राज्य स्तर पर आयोजित होगी । द रीव टाइम्स विजेताओं और उत्कृष्ट सेवाकर्मियों को समाचार पत्र की सूर्खियों में स्थान देगा ।

इससे पहले कि यहां घर-बार बिक जाए
इससे पहले कि मौत सिर पर टिक जाए
इससे पहले कि बर्बाद चमन दिख जाए
आओ इबादत नशामुक्त समाज की लिख जाए

हेम राज चौहान
सहायक संपादक, द रीव टाइम्स
Chauhan.hemraj09@gmail.com
9418404334

हम बदलेंगें तस्वीर...
(नशा निवारण पर)

आज़ाद भारत के आज़ाद परिंदों
आज़ादी का क्या मोल बताओ
इस विरासत की रक्षा में सक्षम
ग़र हो तो ज़मीर का तोल बताओ

फांसी चढ़े फिर रक्त बहाकर
तूफान से कश्ती वापिस लाकर
चटटान की मानिंद डटे रहे वो
सीना ताने सिर को उठाकर

वो छोड़ गए वतन इन हाथों में
ये हाथ थर–थर–थर–थर कांप रहे
युवा भारत के ये जोशिले नौजवान
नशे की गिरफ़्त में हांफ रहे

तपोभूमि में ऋषिमुनियों का तप
विश्वगुरु के हम प्रहरी हैं
धीरे–धीरे सुलग रहें हम
ये पीड़ बड़ी ही गहरी है

विश्वपटल पर केवल भारत
युवा दिलों का सरताज है
ये सच तो है पर ज़रा कड़वा है,क्योंकि
हम भांग,अफीम,चरस के मोहताज़ है

वो वृक्ष जिसका तनव्यास बड़ा हो
भीतर से खोखला, दीमक लगा हो
वो पंथी को क्या कैसे छाया देगा
जो निर्जर,असहाय,बामुश्किल खड़ा हो

लौहपुरुष को ये कैसे नशे का
क्षण–क्षण खुरचता जंग लगा है
दिन–दिन पल–पल मरते–जीते
नशे का चस्का अंग–अंग लगा है

नशे का व्यापार जो कर रहे
वो जयचंदों से कम नहीं
गद्दार वो नशे के ज़ल्लाद हैं
नाकाम कोशिशों में दम नहीं

स्कूल जाते बच्चे को कैसे
ये अपना निशाना बनाते हैं
पहले बीड़ी फिर भंगी बीड़ी
मस्ती का बहाना बनाते हैं

पत्थर तोड़ते पिता के रक्त पर
बेअदब बच्चे टहल रहे हैं
बच्चे स्कूल से बंक मार कर
भंग की डालियां मल रहें हैं

इसी नशे ने इन नौजवानों का
दागी किया चरित्र और संस्कार
दिल्ली की दामिनी शिमला का युग
इसी नशे के कारण बना शिकार

जहां उग सकती हैं मक्का,बाजरा
वृक्षों की हरियाली फलों की बहार
वहां भांग,अफीम की खेती करके
उजाड़ दिया घर का सुख संसार

घर में अम्मी, काका और मुन्नी
उम्मीद भरी आंखों से करे इन्तज़ार
सारे सपने फिर टूट के बिखरे
जब पिता आते धुत नशे पे सवार

स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल और जंगल
इन पर बढ़ती नशे की हुकुमत
राष्ट्रक्त बन रहा है पानी
आप सभी भी होंगे इससे सहमत

सड़गल कर पल–पल घुटता दम
दमा, कैंसर, और किडनियां फेल
वैसाखियों पर किसने जंग जीती है
अक्षम राष्ट् की नींव है ये नशे का खेल

सुनो ! देश पर युद्ध का ख़तरा
फिर से आज मंडराया है
संकट युद्ध का नहीं उस नशे का है
जो कांपते हाथों से लड़ने आया है

कैसे और क्यों जोड़े खुद को हम
गांधी, पटेल की विरासत से
वो गर्व तभी हम पर कर पाऐंगें
जब छूटेंगें नशे की हिरासत से

युवा चेहरा झूरियों,काली धुंध से भरा हो
क़दम लड़खड़ाते, तन कंपन हो मुरझाया
या मां के दूध का मस्तक पर कर तिलक
स्वच्छ,सुंदर,स्वस्थ भारत का ध्वज फहराया

नशामुक्त हिमाचल का ये आगाज़ है
बच्चा,युवा,महिला,वृद्ध की एक आवाज़ है
न छुऐंगें न करेंगें न करने देंगें नशा
कंधे से कंधा मिलाकर अब खड़ा ये समाज है

उठो ! भारत के भावी भविष्य
हेम करबद्ध करता ये पुकार
हम बदलेंगें दुनिया की तस्वीर
आशाओं से हमको देख रहा ये पूरा संसार

कोहबाग में होगा नशामुक्त हिमाचल का भव्य आयोजन

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

आईआईआरडी के राज्य स्तरीय नशामुक्त अभियान (ज़िंदगी जियें...नशे को नहीं) के अंतर्गत 5 सितंबर 2018 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहबाग में भव्य कार्यक्रम की तैयारी हेतु स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर अभियान की समीक्षा की गई । बैठक की अध्यक्षता स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान हरिदास गर्ग द्वारा की गई । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र चौहान और उनका अध्यपाक एवं कर्मचारी वर्ग भी बैठक में उपस्थित रहा । हरिदास गर्ग ने बताया कि 5 सितंबर को आईआईआरडी के इस प्रदेशव्यापी अभियान को बच्चों के माध्यम से घर–घर तक पहुंचाया जाएगा । इसमें तीन वर्गों मे प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा । 6 से 8, 9 से 10, 11 से 12, कक्षा वर्ग में भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है । उत्कृष्ठ प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले विजेता विद्यार्थियों को संस्था द्वारा राज्य स्तरीय प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा । विजेताओं को ज़िला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए चयन भी किया जाएगा । इसके अलावा बच्चों के माध्यम से दो पंचायतों में घर तक लोगों को नशे के खिलाफ पंपलैट्स बांटे जाऐंगे ।

मरणोपरांत शैल बाला और गुलाब सिंह को हिमाचल गौरव पुरस्कार

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

इस बार 15 अगस्त के मौके पर कांगड़ा जिले के इंदौरा में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोलन गोलीकांड में जान गंवाने वाली शैल बाला तथा गुलाब सिंह को मरणोपरांत हिमाचल गौरव पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार शैलबाला के परिजनों ने लिया।

इसके अलावा चौधरी सरवण कुमार कृषि विवि पालमपुर के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार को कृषि क्षेत्र, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को शिक्षा क्षेत्र, हिमालय अनुसंधान समूह के निदेशक डॉ. लाल सिंह, पुलिस महानिदेशक (जेल) को सामाजिक कल्याण तथा रोजगार के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य नवाचार पुरस्कार प्रदान किए।

सम्मान कार्ड पर निगम की बसों में अब तीस फीसदी छूट

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

निगम की बसों में सफर करने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगो को अब 'सम्मान कार्ड' से किराये में 20 की बजाए 30 फीसदी छूट मिलने लगी हैं। प्रदेश के सभी बस अड्डों और एडवांस बुकिंग काउंटरों पर महज 50रू में एक साल के लिए कार्ड बनेगा। इसके लिए कोई भी वैध प्रमाण पत्र लगेगा। एचआरटीसी ने स्पेशल बसें बंद होने से 20 फीसदी छूट वाली सिल्वर कार्ड योजना और डिमांड न आने पर 10 फीसदी छूट वाली ग्रुप डिस्काउंट योजना को बंद कर दिया है। निगम सामान्य यात्रियों के लिए 50 किमी के दायरे में ग्रीन कार्ड पर 25 फीसदी लंबी दूरी के लिए स्मार्ट कार्ड पर 10 फीसदी छूट दे रहा है। महिलाओं के लिए किराये में 25 फीसदी डिस्काउंट की सुविधा भी जारी रहेगी।

आनंदपुर साहिब और नैना देवी रोपवे समझौता ज्ञापन बहाल करने पर बनी सहमति

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

श्री आनंदपुर साहिब व श्री नयनादेवी जी के बीच रोप–वे बनाया जाएगा। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच रोप–वे स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन को बहाल करने पर सहमति बन गई है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बीते 26 फरवरी को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ इस मुद्दे को उठाया था और इसके बाद सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी इस संबंध में पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव (संस्कृति एवं पर्यटन) राम सुभग सिंह ने पंजाब सरकार के पर्यटन और संस्कृति मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू से मुलाकात की और दोनों राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन को जल्द बहाल करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना पर लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत आएगी तथा यह रोप–वे 3.5 किलोमीटर का होगा।

हिमाचल के अटल

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन हिमाचल की वादियों में वह हमेशा जीवित रहेंगे। देश दुनिया के लिए अटल भारत के प्रधानमंत्री थे लेकिन हिमाचल से उनका नाता इससे कहीं ज्यादा था। घर प्रीणि में था लेकिन वह पूरे हिमाचल को अपना घर मानते थे। शायद यही वजह है कि जब बात विकास की आती थी तो अटल जी की फेहरिस्त में हिमाचल सबसे ऊपर रहता था। ऐसे कई उदाहरण है जब बतौर प्रधानमंत्री अटल ने हिमाचल को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विशेष तवज्जो दी।

द रीव टाइम्स में इस बार अटल जी द्वारा हिमाचल के लिए किये गए उन कार्यों को याद करने का प्रयास किया गया है जिनसे हिमाचल के विकास को नई दिशा मिली।

900 करोड़ की विशेष आर्थिक सहायता

हिमाचल प्रदेश में रोजगार की नींव रखने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य को विशेष औद्योगिक पैकेज का सबसे बड़ा तोहफा दिया है। रोहतांग टनल हिमाचल के लिए उनकी सबसे बड़ी देन है। प्रदेश को 900 करोड़ की विशेष आर्थिक सहायता देकर हिमाचल के प्रति उनकी उदार छवि जगजाहिर है। अटल बिहारी वाजपेयी ने 19 मार्च 1998 को देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उसके बाद हिमाचल आए अटल ने सबसे पहले राज्य को 200 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। इसके आठ माह बाद आए प्रधानमंत्री ने हिमाचल को 300 करोड़ दिए थे। अपने दूसरे कार्यकाल में अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य के लिए दोबारा 400 करोड़ की विशेष आर्थिक सहायता जारी की थी। उन्होंने प्रदेश के लाखों युवाओं को विशेष औद्योगिक पैकेज का तोहफा देकर रोजगार के दरवाजे खोले थे। इस पैकेज के बाद हिमाचल प्रदेश में सरकारी तथा निजी क्षेत्र में नौकरियों के अंबार लग गए थे।

एशिया की सबसे बड़ी पार्वती विद्युत परियोजना हिमाचल में

एशिया की सबसे बड़ी पार्वती विद्युत परियोजना की नींव अटल बिहारी वाजपेयी ने 9 दिसंबर 1999 को रखी थी। वर्ष 1982 में आधारशिला के बाद निर्माण कार्य को तरस रहे चंबा के चमेरा प्रोजेक्ट के कार्य को अटल सरकार में गति मिली। चंबा में यह महत्त्वाकांक्षी विद्युत परियोजना 1999 से 2002 के बीच बनकर तैयार हो गई। इसी तरह 5 जून 2000 को कोल डैम परियोजना का तोहफा प्रदेश को देने के लिए अटल खुद हिमाचल आए। राज्य में हाईड्रो पावर सेक्टर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सबसे बड़ी देन है। हिमाचल की कई लटकी परियोजनाओं के वित्तीय संकटों का निवारण में उनका अहम योगदान रहा। इसके अलावा केंद्रीय मंजूरियों के लिए भी उन्होंने विशेष योगदान दिया। नतीजतन हाईड्रो सेक्टर में हिमाचल की देशभर में अलग पहचान बन गई।

रोहतांग टनल

अटल बिहारी वाजपेयी का ड्रीम प्रोजेक्ट रोहतांग टनल अगले साल पूरा हो रहा है। दीगर है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की नींव वर्ष 2002 में खुद अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी थी। इस टनल के निर्माण के बाद हिमाचल की तकदीर व तस्वीर बदल जाएगी।

अटल के नाम से प्रदेश में शुरू हुई थी ये योजनाएं

अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से वर्ष 1998 और 2002 के बीच पहली बार हिमाचल में सरकारी योजनाएं आरंभ हुई थी। दूसरी बार 2007 से 2012 के बीच पूर्व प्रधानमंत्री के नाम से नई स्कीम लॉंच की गई। इसके तहत प्रदेश में गवर्नमेंट इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी प्रगतिनगर, अटल कुंज बरोटीवाला, अटल बिजली बचत योजना, अटल स्वास्थ्य सेवा योजना, अटल छात्रवृत्ति योजना, अटल आदर्श ग्राम पंचायत पुरस्कार योजना, अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण केंद्र मनाली, अटल स्कूल वर्दी योजना और अटल आवास योजना शुरू की गई थी।

नशे के खिलाफ हिमाचल समेत सात राज्यों का एलान-ए-जंग

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

हिमाचल समेत सात उत्तरी राज्यों ने नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

इन सभी राज्यों ने डाटा और सूचनाओं के आदान–प्रदान को पंचकूला में साझा केंद्रीय सचिवालय स्थापित करने पर सहमति जताई है। 'नशा– चुनौतियां और रणनीति' विषय पर हरियाणा भवन में आयोजित क्षेत्रीय कांफ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्रियों ने यह भी फैसला लिया कि परस्पर आंकड़े और सूचनाएं साझा करने के लिए प्रत्येक राज्य द्वारा एक–एक नोडल अफसर तैनात किया जाएगा।

इस कांफ्रेंस में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री टीएस रावत ने हिस्सा लिया। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर इस कांफ्रेंस में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए क्योंकि वह मौसम खराब होने के कारण चंडीगढ़ नहीं पहुंच सके।

उत्तर भारतीय राज्यों के सीमावर्ती जिलों में नशों की आवाजाही पर शिकंजा कसने के लिए हर महीने संबंधित जिलों के डीसी और एसपी की बैठक बुलाने का निर्णय लिया।

इसमें यह अधिकारी साथ लगते जिलों के अधिकारियों के साथ सूचनाएं साझा करेंगे।

किरण रिजिजू ने किया किन्नौर का दौरा

द रीव टाइम्स ब्यूरो :

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू अगस्त के दूसरे सप्ताह में बटालियन आईटीबीपी रिकांगपिओ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने किन्नर कैलाश में करीब 600 श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए आईटीबीपी जवानों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि किन्नौर सीमावर्ती क्षेत्रों में होने के नाते यहां की गतिविधियों पर नजर रखना उनकी ड्यूटी है। किन्नौर में केंद्र सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम अच्छी तरह से चल रहे हैं।

दो सत्र के बाद अग्निहोत्री को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

13वीं विधानसभा के गठन के बाद विवाद का मुद्दा बने नेता प्रतिपक्ष के पद की मान्यता देने के मामले में सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से मंत्रणा के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने नई विधानसभा के दो सत्र बीतने के बाद आखिरकार कांग्रेस विधायक दल के नेता मुकेश अग्निहोत्री को नेता प्रतिपक्ष की मान्यता प्रदान कर दी।

यहां था पेंच

कांग्रेस के पास अभी 68 सीटों के सदन में 21 विधायक हैं, जबकि दो निर्दलीय और एक विधायक माकपा से हैं। इस नियम के अनुसार 23 विधायक होने चाहिए।

ये कहता है एक्ट

पार्लियामेंट एक्ट 1977 के अनुसार कुल सदन के 10 फीसदी से अधिक विधायक होने पर नेता प्रतिपक्ष का चुनाव संभव है। यानी हिमाचल में 7 विधायक होने चाहिए। लेकिन विधानसभा के नियम इससे जुदा हैं।

हिमाचल में 326 यूनिट लगाएगा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड

2018-19 के लिए लक्ष्य, 2606 लोगों को मिलेगा रोजगार

द रीव टाइम्स ब्यूरो

हिमाचल प्रदेश में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड इस साल 2018–19 में 326 नए यूनिटस लगाएगा। इन यूनिट्स के लगने से 2606 लोगों को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। अकेले बिलासपुर जिला में 26 नए यूनिट्स लगाकर 208 लोगों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। यूनिट लगाने को सामान्य वर्ग के पुरुषों के लिए 25 फीसदी, जबकि अन्य सभी वर्गों के लिए 35 फीसदी सब्सिडी तय की गई है।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम गुलेरिया ने बिलासपुर में बीते दिनों आयोजित एक प्रेसवार्ता में बताया कि लाभार्थी को 25 लाख की लागत के यूनिट पर मशीनरी पर पांच फीसदी सब्सिडी अलग से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मंडी शहर में एक बहुत बड़ा खादी का कांप्लेक्स स्थापित किया जाएगा, जिसमें एक बड़ा खादी बाजार विकसित कर पात्र लोगों को लाभावंित किया जाएगा। यही नहीं, ग्रामीण इलाकों में तैयार किए जाने वाले प्रोडक्ट्स को एक उचित मार्केट उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके साथ ही सुंदरनगर में खादी बोर्ड एक ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट स्थापना पर विचार कर रहा है, जिसके लिए जल्द ही योजना का खाका तैयार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि हर जिला मुख्यालय पर खादी बोर्ड एक एक सेल शॉप खोलेगा, जिसकी शुरूआत सोलन जिला से की जाएगी, जबकि अगले एक से डेढ़ सालों में बिलासपुर में भी सेल शॉप खोल दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कुल्लू में एक मल्टीपर्पज खादी बाजार विकसित किया जाएगा, जबकि हेडऑफिस शिमला में रि–कंस्ट्रक्शन करने के लिए जल्द ही एक प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को प्रेषित किया जाएगा।

तीन हिमाचली बेटियों से सजी भारतीय महिला कबड्डी टीम

द रीव टाइम्स ब्यूरो

तीन हिमाचली बेटियों से सजी भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाड में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। हिमाचल की प्रियंका नेगी, रितु नेगी और कविता ठाकुर की शानदार तिकड़ी के दम पर भारतीय टीम गोल्ड मेडल जीतने की प्रबल दावेदार थी, लेकिन खराब अंपायरिंग के चलते टीम को फाइनल में हार मिली। हालांकि भारत के लिए एशियन गेम्स काफी शानदार रहा। भारत ने प्रतियोगिता के छठे दिन दो गोल्ड मेडल, एक सिल्वर और चार ब्रांज समेत कुल सात पदक अपने नाम किए।

प्रो मकरंद बने आईआईएएस के नए निदेशक

द रीव टाइम्स ब्यूरो

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी के नए निदेशक जेएनयू के प्रोफेसर मकरंद आर परांजपे होंगे। ये जेएनयू में अंग्रेजी के प्रोफेसर हैं। वह बिशप कॉटन स्कूल बेंगुलुरू, सेंट स्टीफन कॉलेज नई दिल्ली से पढ़े हैं। इलिनोइस विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में पीएचडी की डिग्री हासिल की हैं। प्रोफेसर परांजपे एक आलोचक, कवि, उपन्यासकार, लघु कथा लेखक, साहित्यिक स्तंभकार और समीक्षक भी हैं।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (आईआईएएस) शिमला में स्थित एक प्रतिष्ठित शोध संस्थान है। इसे 1964 में भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा स्थापित और 20 अक्टूबर 1965 से काम करना शुरू कर दिया था।

ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में कांगड़ा की बेटी ने जीता गोल्ड मेडल

द रीव टाइम्स ब्यूरो

11वीं नेशनल ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में राजा का तालाब के दाहव गांव की रीना ने शानदार प्रदर्शन किया है। पहलवान काला की बेटी ने नेशनल ग्रैपलिंग अंडर–17 जूनियर महिला कुश्ती 60 किलोग्राम प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

भारतीय ग्रैपलिंग संघ ने 18 और 19 अगस्त को महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक में नेशनल ग्रैपलिंग प्रतियोगिता करवाई। इसमें 21 राज्यों के 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने के बाद अब रीना कजाकिस्तान में छह से नौ सितंबर को होने वाली विश्व चौंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इससे पहले रीना ने ज्वाली में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर 18–19 अगस्त को रोहतक में हुई प्रतियोगिता की पात्रता हासिल की थी। हिमाचल ग्रैपलिंग संघ के महासचिव अमित कुमार चौधरी ने रीना को बधाई दी है। रीना दयानंद पब्लिक स्कूल राजा का तालाब में 12वीं की छात्रा हैं। उनके पिता मजदूरी कर परिवार का खर्च चलाते हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। रीना का लक्ष्य विश्व चौंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करना है, लेकिन परिवार की माली हालत उनके लक्ष्य हासिल करने के सपने में बाधक बनी हुई है।

मेडल विजेताओं की ईनाम राशि बढ़ी

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जयराम सरकार ने प्रदेश में खिलाड़ियों को विशेष तोहफा दिया है। विधानसभा प्रश्नकाल में जानकारी के देते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि ओलिंपिक और राष्ट्र मंडल प्रतियोगिताओं में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की ईनाम राशि बढ़ाई गई है और अब सरकार जल्द ही खिलाड़ियों को परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाएगी।

इस संदर्भ में जयराम ठाकुर ने शिक्षा विभाग और खेल विभाग को आपसी तालमेल स्थापित कर समाधान करने की निर्देश भी दिए हैं।

ये मिलेगी मेडल विजेताओं को राशि

स्वर्ण पदक जीतने वाले की राशि 1 करोड रूपए से बढ़ाकर 2 करोड रूपए, रजत पदक जीतने वाले की राशि 75 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ और कांस्य पदक विजेता की राशि को 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया है। राष्टमंडल खेलों में अब स्वर्ण पदक जीतने पर अब 20 लाख, रजत पदक जीतने पर 10 लाख और कांस्य पदक जीते पर 6 लाख रूपए देने की घोषणा की है।

2 साल में बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

जुब्बल–कोटखाई विधानसभा क्षेत्र के सरस्वती नगर में 2 साल के भीतर सिन्थेटिक टेक बनकर तैयार होगा। इसके लिए 1 करोड की राशि उपलब्ध करवा दी गई है, जबकि 7 करोड रूपए केंद्र सरकार से मांगे हैं।

शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम में कलाकारों ने बांधा समा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान कर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य संगीत संकल्प संस्था की ओर से कालीबाड़ी हॉल मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आगाज दी दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इस मौके पर सचिव भाषा एवं संस्कृति विभाग डाक्टर पूर्णिमा चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने संस्था के कार्यों की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं की ओर से सरस्वति वंदना पेश की गई। हार्मोनियम पर डाक्टर गोपाल भारद्वाज और तबले पर राजेश भट्टी ने संगत की।

डाक्टर मनोरमा शर्मा ने संगीत संकल्प गीत से समा बांधा। इसके बाद उन्ही के निर्देशन में जयंत, रीतिका, और आरूषि ने बेहतरीन प्रस्तुति दी। डाक्टर पवन जोशी ने राग अहीर से समां बांधा। जोगिंद्रनगर से पधारे डाक्टर हेमराज चंदेल इस संध्या का मुख्य आकर्षण रहे। उन्होंने राग चमन में, सुमिरन करूं में तोरा, मैं साहेब तेरा, सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद श्रोताओं के विशेष अनुरोध पर रागदेश में लक्षणगीत भी पेश किया गया। संगीत संध्या की समाप्ति पर डाक्टर चंदेल ने एक एक भजन राजा जी मैं तो बिक गई गिरधर घाट, मनमोहक स्वर में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष डाक्टर आरएस शांडिल ने सभी अतिथियों और सदस्यों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम संचालन डाक्टर कल्पना शर्मा ने किया।

मंत्रीमंडल के फैसले

द रीव टाइम्स ब्यूरो

विधानसभा के मानसून सत्र के बीच ही मंत्रिमंडल की बैठक भी विधानसभा सचिवालय में हुई। सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही के समाप्त होने के बाद शुरू हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने कई अहम फैसले लिए।

स्कूल-कॉलेजों के लिए राज्य योजना

जयराम मंत्रिमंडल ने प्रदेश के स्कूल और कॉलेजों के लिए राज्य योजना बनाने का फैसला लिया है। इस योजना के तहत स्कूल–कॉलेजों में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाया जाएगा।

वन संवर्धन योजना पर मुहर

सामुदायिक वन संवर्धन योजना को भी मंजूरी प्रदान की गई। इस योजना के तहत संयुक्त वन समितियों को 50 हेक्टेयर भूमि दी जाएगी। इस भूमि पर समितियां पौधों को रोपित करेंगी और उनको बेचकर आय अर्जित करेंगी।

इस आय में से दस प्रतिशत हिस्सा समितियों को दिया जाएगा जबकि शेष 90 फीसदी समिति के तहत पौधे रोपने वाले लोगों को दिया जाएगा। समितियों को पौधे विभाग मुहैया कराएगा। फेंसिंग भी विभाग ही करेगा। अगर कोई व्यक्ति नर्सरी लगाना चाहेगा तो सरकार उसे एक लाख रुपये तक की आर्थिक मदद भी मुहैया कराएगी।

पुरानी राहों से योजना भी मंजूर

मंत्रिमंडल ने बजट घोषणा में शामिल आज पुरानी राहों से योजना को भी मंजूरी दी। इस योजना के तहत प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की स्मृतियों, एतिहासिक घटनाओं व विलुप्त या अनछुई सांस्कृतिक धरोहरों को सांस्कृतिक गाइड के माध्यम से बताया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने नालागढ़ में प्राइवेट आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज खोलने को मंजूरी दी है। इस कालेज में बीएएमएस की 60 सीटें चलाने को अनुमति दी गई है।

आयुर्वेद अस्पताल का दर्जा बढ़ाया

कैबिनेट ने चंबा जिले के आयुर्वेद अस्पताल का दर्जा बढ़ाकर इसे 50 बिस्तर किए जाने की मंजूरी दी है। इसके अलावा गगल में आईटी पार्क खोलने की भी मंजूरी दी गई। इसके निर्माण में 29.29 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

नाहन विधानसभा क्षेत्र के तहत कोलर और सुरला में पीएचसी खोलने, रोनहाट में पुलिस चौकी खोलने, हमीरपुर के बेला में स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने, रुलदू राम गर्ग स्नातक धर्म कॉलेज नैना देवी को नैना देवी डिग्री कॉलेज में स्टाफ सहित मर्ज करने की अनुमति दी है। बैठक में एनजीटी के आदेशों के मुताबिक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सचिव की नियुक्ति के लिए नियम बनाने पर भी चर्चा हुई।

सौर ऊर्जा संयंत्र लगा सकेंगे बोनोफाइड हिमाचली

बोनोफाइड हिमाचलियों को स्वरोजगार देने के लिए प्रदेश मंत्रिमंडल ने बड़ा फैसला लिया है। बैठक में 250 किलोवाट से 500 किलोवाट क्षमता तक के सौर ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से 20 मेगावाट सौर ऊर्जा दोहन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत खाली भूमि पर प्रोजेक्ट लगाने वालों से बिजली बोर्ड बिजली खरीदेगा। प्रोजेक्ट शुरू होने के समय चल रहे टैरिफ के आधार पर बोर्ड बिजली खरीदेगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में टैक्सी का किराया बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। विभाग की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में तर्क दिया गया कि वर्ष 2011 के बाद मीटर टैक्सी, प्रीपेड टैक्सी का किराया नहीं बढ़ा था। बैठक में किराये में 5 से 10 फीसदी किराया बढ़ाने पर चर्चा हुई।

हिमाचल सार

प्रिय पाठकों, द रीव टाइम्स को आप सभी का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इस समाचार पत्र को और अधिक ज्ञानवर्धक बनाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगात्मक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आप सभी पाठकों के लिए प्रस्तुत है बिते 15 दिनों की घटनाओं पर आधारित प्रश्नावली :

संभावित प्रश्न

1. एशिया की सबसे बड़ी विद्युत परियोजना कहां पर है और इसकी नींव कब रखी गई ?	1. कुल्लू में, 9 दिसबर 1999 को रखी गई थी नींव
2. चमेरा प्रोजेक्ट कहां पर है और इसकी आधारशिला रखी गई ?	2. चंबा में, 1982 में
3. रोहतांग टनल कब की नींब कब रखी गई ?	3. 2002 में
4. किस पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर इस टनल का नामकरण किया जाएगा ?	4. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर
5. नशे के खिलाफ कहां पर हाल ही में बैठक का आयोजन किया गया है ?	5. हरियाणा में
6. इस बारे में आंकड़े और अन्य सूचनाएं साझा करने के लिए कहां पर संयुक्त सचिवालय स्थापित किया जाएगा ?	6. पंचकूला में
7. किस राज्य के साथ रोपवे बनाने पर सहमति बनी है ?	7. आनंदपुर साहेब –श्रीनैनादवी को लेकर पंजाब के साथ।
8. सम्मान कार्ड पर अब कितने फीसदी छूट देने की बात की जा रही है ?	8. 30 फीसदी छूट
9. किसे हिमाचल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा दिया गया है ?	9. मुकेश अग्निहोत्री
10. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के लिए कितनी सीट विपक्ष के पास होनी चाहिए ?	10. एक तीहाई
11. पार्लियामेंट एक्ट 1977 के मुताबिक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए कितनी सीटें होनी चाहिए ?	11. 10 फीसदी
12. हाल ही में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू ने किस जिले का दौरा किया ?	12. किन्नौर का
13. हिमाचल में खादी ग्रामोद्योग कितनी युनिट लगाएगा ?	13. 326
14. खादी कांपलैक्स प्रदेश के किस जिले में विकसित किया जाना प्रस्तावित है ?	14. मंडी में
15. हाल ही में किसने 11वीं ग्रैपलिंग प्रतियोगिता अंडर 17 में गोल्ड मेडल जीता ?	15. रीना ने
16. हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने हाल ही में ओलंपिक और राष्ट्र मंडल खेलों में पदक जीतने वालों को कितनी राशी देने की घोषणा की है ?	16. ऑलंपिक खेलों में –स्वर्ण पदक– 1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़, रजत पदक–75 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़, कांस्य पदक– 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख राष्ट्रमंडल खेलों में– स्वर्ण पदक– 20 लाख, रजत पदक–10 लाख, कांस्य पदक– 6 लाख
17. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज का नया निदेशक किसे बनाया गया है ?	17. प्रो. मकरंद आर परांजपय
18. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज की स्थापना कब की गई थी ?	18. 1964 में
19. हिमाचल कब्डडी टीम ने एशिया मे कौन सा मेडल हासिल किया है ?	19. रजत पदक
20. हिमाचल से किन खिलाड़ियों ने इसमें भाग लियाा है ?	20. प्रियंका नेगी, रितु नेगी, और कविता ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर की गई प्रमुख घोषणाएं

द रीव टाइम्स ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 72वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2018 को लाल किले से देश को संबोधित करते हुए तीन प्रमुख राष्ट्रव्यापी घोषणाएं की गईं। यह घोषणाएं स्वास्थ्य, अन्तरिक्ष एवं महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित हैं ।

प्रधानमंत्री द्वारा 82 मिनट के भाषण में जो तीन घोषणाएं की गईं उनमें शामिल हैं: पहली, वर्ष 2022 में आजादी के 75 साल पूरे होने से पहले भारत अंतरिक्ष में मानव मिशन के साथ गगनयान भेजेगा और वह ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा. दूसरी, सशस्त्र बलों में महिलाओं को पुरुषों के समान स्थायी कमीशन दिया जाएगा. तीसरी, 10 करोड़ गरीब परिवारों को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त हेल्थ कवर देने के लिए 25 सितंबर से आयुष्मान भारत योजना शुरू होगी

अंतरिक्ष में भारत का मानवयान - गगनयान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से दिए गए अपने संबोधन में घोषणा की कि वर्ष 2022 तक गगनयान लेकर कोई हिंदुस्तानी अंतरिक्ष में जाएगा । प्रधानमंत्री की इस घोषणा पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी प्रतिबद्धता जताई है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा, "हमने सपना देखा है कि 2022 में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर या उससे पहले भारत की कोई संतान, चाहे बेटा हो या बेटी, वह अंतरिक्ष में जाएगा । जब हम मानव सहित गगनयान लेकर जाएंगे और यह गगनयान जब अंतरिक्ष में जाएगा और कोई हिंदुस्तानी इसे लेकर जाएगा, तब अंतरिक्ष में मानव को पहुंचाने वाले हम विश्व के चौथे देश बन जाएंगे । सशस्त्र बलों में महिलाओं को स्थायी कमीशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिलाओं के लिए विशेष घोषणा करते हुए उन्हें सेना में स्थायी कमीशन देने की घोषणा की. प्रधानमंत्री के अनुसार अब भारतीय सशस्त्रद सेना में शॉर्ट सर्विस कमिशन के माध्यमम से नियुक्तन महिला अधिकारियों को पुरुष समकक्ष अधिकारियों की तरह ही परीक्षा देकर स्थाई रोजगार मिल सकेगा ।

अब तक केवल वायुसेना में ही महिलाओं को युद्धक मोर्चे पर तैनाती के रूप में लड़ाकू विमान उड़ाने की अनुमति दी गई है । सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को केवल गैर–युद्धक शाखाओं में ही स्थायी कमीशन दिया जाता है ।

जन आरोग्य योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से संबोधित करते हुए देश के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी घोषणा की । प्रधानमंत्री ने जन आरोग्य योजना की घोषणा करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर को इस योजना को लागू कर दिया जाएगा । प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना से देश के 10 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिल सकेगा जिसके तहत पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा दी जाएगी ।

माय सिटी माय प्राइड: तिरुपति देश के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक

इस साल सबसे ज्यादा कश्मीरी बने आतंकी, युवाओं के बीच हीरो बना जाकिर मूसा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

कश्मीर में स्थानीय युवाओं का आतंकी संगठनों से जुड़ने का आंकड़ा इस साल तेजी से बढ़ा है । 2010 के बाद इस साल सबसे ज्यादा युवाओं के विभिन्न आतंकी संगठनों से जुड़ने के मामले सामने आए हैं। गृह मंत्रालय ने इस साल 31 जुलाई तक के आंकड़े जारी किये हैं। जिसके मुताबिक, 2010 के बाद इस साल सबसे ज्यादा करीब 131 युवाओं ने आतंकी संगठनों का दामन थामा है।

- **समुद्र की निगरानी वाले उपग्रहों पर साथ कार्य करेंगे भारत और फ्रांस**
- **देश में पहली बार जैव ईंधन से उड़ान भरी विमान ने**

भारत के विमानन उद्योग के लिए 28 अगस्त दिन काफी खास रहा । देश में पहली बार जैव ईंधन से चलने वाले विमान नें उड़ान भरी। विमान का यह सफर देहरादून से दिल्ली तक रहा। इसके लिए विमानन कंपनी स्पाइस जेट ने टर्बोपोर्प, क्यू 400 विमान तैयार किया है।

- **अहमदाबादः चार मंजिला इमारत ढही, मलबे में 10 लोगों के फंसे होने की आशंका**
- **अमेरिकाः टूर्नामेंट हारने के बाद शख्स ने की अंधाधुंध फायरिंग, चार की मौत**

अमेरिका के फ्लोरिडा शहर के जैक्सनविल में हुई मास फायरिंग में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 11 लोग घायल हो गए हैं।

- **महिलाओं ने खड़ा कर दिया सौ साल का रोजगार, तैयार किया 20 एकड़ में चाय बगान**

महिला स्वयं सहायता समूह के प्रयासों से अस्तित्व में आए इस चाय बागान से निकली पत्तियों की ब्रांडिंग स्वयं शासन करेगा । जशपुर में सारूडीह गांव के एक महिला स्वयं सहायता समूह ने अपनी कड़ी मेहनत से 20 एकड़ में चाय का शानदार बागान खड़ा कर दिया है। इसके लिए वन विभाग ने इन्हें प्रोत्साहित किया। करीब 1.50 करोड़ रुपये खर्च किए।

जब अशिक्षित महिला ने बदली गांव की तकदीर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

महाराष्ट्र में बीड़ जिले की परभणी तहसील के एक छोटे से गांव डुकरे के उत्थान की कहानी जरा हट के है। विगत 15 वर्षों से यहां की ग्राम पंचायत महिला पंचों के द्वारा संचालित की जा रही है। राजनीति से दूर समाज के लिए ही काम का संकल्प लेने वाले मानव अधिकार अभियान के एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एकनाथ की अशिक्षित धर्मपत्नी जीजीबाई उर्फ गयाबाई एकनाथ आव्हाड़ ही पिछले पंद्रह वर्षों से इस गांव की सरपंच है।

एकनाथ के सरपंच न बनने के संकल्प की वजह से ही गांववालों ने उनकी पत्नी को गांव का सरपंच चुना। तीन बच्चों की अशिक्षित मां ने परिवार नियोजन के ऑपरेशन के बाद ही पढ़ने का दृढ़ संकल्प लिया और शिक्षित होने के बाद दूसरों को शिक्षित बनाने का फैसला किया। गयाबाई की सरपंची वाले इस गांव में आदर्श शाला भवन, सामान्य सुविधावाला हॉस्पिटल, पक्की सड़कें, जल के लिए घरों में नल की व्यवस्था और बिजली की व्यवस्था है। इस गांव की एक विशेषता यह भी है कि आरक्षण न होने के बावजूद यहां पर सभी महिला पंच समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती है।

मोदी के दो बड़े ऐलान - सेना में महिलाओं को मिलेगा बराबरी का दर्जा, अंतरिक्ष में जाएगा भारतीय

द रीव टाइम्स ब्यूरो

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दो बड़ी खुशखबरियों का ऐलान किया। प्रधानमंत्री ने सेना में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार देना का ऐलान किया। साथ ही कहा, 2022 जब आजादी के 75 साल होंगे, तब या उससे पहले देश का कोई भी बेटा या बेटी अतंरिक्ष में हाथ में तिरंगा लेकर जाएंगे। चाहे चांद हो या मंगल अब हम मानवसहित गगनयान लेकर जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने ऐलान किया कि शॉर्ट सर्विस कमिशन में अब महिलाओं की स्थाई रूप से एंट्री मिलेगी। पहले ये लाभ सिर्फ पुरुषों को ही मिलता था।बकौल पीएम मोदी, आज मेरा सौभाग्य है कि इस पावन अवसर पर मुझे देश को एक और खुशखबरी देने का अवसर मिला है। साल 2022, यानि आजादी के 75वें वर्ष में और संभव हुआ तो उससे पहले ही, भारत अंतरिक्ष में तिरंगा लेकर जा रहा है।

हैजा से 100 से ज्यादा लोगों की मौत

द रीव टाइम्स ब्यूरो

कनान्गा (डीआर कांगो) डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में हैजा की महामारी से फरवरी से अब तक 127 लोगों की मौत हो गई है । वहीं नाइजर में इस महामारी से अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है ।

पूर्वी कासाई क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्री हिप्पोलाइट मुटोम्बो मबाब्बे ने बताया कि मौजूदा समय में 2,100 मरीजों का इलाज हो रहा है जबकि फरवरी से अब तक 125 लोगों की मौत हो चुकी है । वहीं संयुक्त राष्ट्र ने कल बताया कि नाइजर के मरादी प्रांत में हैजा से 22 लोगों की मौत हो गई है ।

फोन लोकेशन ऑफ होने के बावजूद गूगल को आपके हर कदम की होगी जानकारी

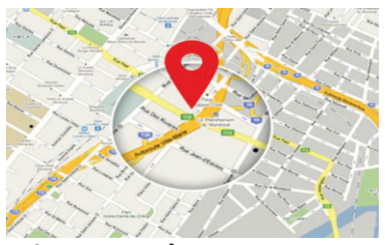

द रीव टाइम्स ब्यूरो

गूगल ने कई काम आसान किये हैं, अगर फोन ने आपको ढेर सारी सुविधाएं दी है तो आपकी कई जानकारियां भी अपने अंदर रखता है जो आपके लिए बेहद निजी है । अगर आपको लगता है कि आप गूगल का लोकेशन ऑफ करके फोन को यह जानकारी देने से बच जायेंगे कि आप कहां है, किस तरफ जा रहे हैं तो आप गलत सोच रहे हैं । आप भले ही लोकेशन ऑफ कर दें लेकिन गूगल के पास आपके हर एक मुवमेंट की सारी जानकारी होती है ।

आप चाहें या ना चाहें गूगल के पास आपकी हर एक गतिविधियों की जानकारी है । इस पूरे मामले में एक न्यूज एजेंसी ने पड़ताल की इस जांच में यह बात सामने आयी है । ऐंड्रॉयड और आईफोन में गूगल कई सुविधाएं देता है । इन सुविधाओ को चलाने के लिए गूगल लोकेशन का इस्तेमाल जरूरी है । अगर आप पर्सनल सेटिंग्स का इस्तेमाल करके इसे ऑफ भी कर दें तो यह काम करता रहता है। इसे सीधे और स्पष्ट शब्दों में कहें तो आपकी लोकेशन की सेटिंग बंद होने के बाद भी गूगल की नजर आप पर रहती है ।

रेल मंत्रालय ने 22 स्टेशनों पर 'डिजिटल स्क्रीन' लॉंच किया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

रेल मंत्रालय ने 15 अगस्त 2018 को भारतीय रेल की विरासत के प्रति लोगों को जागरूकता बनाने के लिए 'डिजिटल स्क्रीन लॉंच किया । रेलवे स्टेशनों पर क्विक रेसपांस (क्यूआर) कोड आधारित डिजिटल संग्रहालय बनाए जाने के प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हैं ।

उद्देश्यः

प्रायोगिक स्तर पर शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य लोगों को एक से दो मिनट अवधि की लघु फिल्मों के जरिए भारतीय रेल की समृद्ध विरासत की जानकारी देना है ।

मुख्य तथ्यः

स्वतंत्रता दिवस के दिन से देश के 22 रेल स्टेशनों पर क्यूआर कोड आधारित डिजिटल स्क्रीन का संचालन शुरू कर दिया गया है ।

लघु फिल्में रेलवे स्टेशनों के प्रवेश द्वारों और यात्रियों के बैठने के स्थानों पर लगाए गए डिजिटल एलईडी स्क्रिन पर दिखाई जाएंगी

इस तरह के डिजिटल स्क्रीन फिलहाल नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, हावड़ा, सियाल्दाह, जयपुर, आगरा छावनी, कोयंबत्तूर, लखनऊ, वाराणसी और अन्य रेलवे स्टेशनों पर लगाए गए हैं ।

इसके अलावा रेलवे की विरासत को दर्शाने वाले क्यूआर कोड आधारित पोस्टर भी इन रेलवे स्टेशनों पर लगाए गए हैं ।

आत्मकथा में कुलदीप नैयर का दावा उनकी खबर ने शास्त्री को बनवाया था पीएम

द रीव टाइम्स ब्यूरो

देश के जाने–माने पत्रकार कुलदीप नैयर का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया । उनकी जन्मभूमि भले पाकिस्तान रही मगर कर्मभूमि हिंदुस्तान । देश की अहम राजनीतिक घटनाओं के गवाह रहे नैयर अपनी आत्मकथा (Beyond the Lines) में कई खुलासे कर चुके हैं । इसमें उन्होंने पाकिस्तान के बंटवारे से लेकर भारत में पत्रकारिता और राजनीतिक उथल–पुथल की घटनाओं का रोचक वर्णन किया है । इंदिरा गांधी ने जब आपातकाल लगाया था तो नैय्यर ने कड़ा विरोध किया था । 1975 से 1977 के बीच करीब 21 महीने तक विरोध प्रदर्शनों में शरीक हुए थे । इस दौरान मीसा के तहत जेल भी गए। नेहरू के निधन के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए जोड़–तोड़ शुरू हुई थी । कई बड़े कांग्रेस नेताओं का नाम उछल रहा था । इनमें लाल बहादुर शास्त्री, मोरारजी देसाई और जेपी नारायण के नाम प्रमुख थे । तब कुलदीप नैय्यर समाचार एजेंसी यूएनआई में थे । उस नाजुक घड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री पद के लिए मोरारजी देसाई की दावेदारी की एक सनसनीखेज खबर जारी कर दी। इससे पार्टी और बाहर के लोगों में मोरारजी के प्रति नाराजगी पैदा हो गई और लोग उन्हें महत्वाकांक्षी मानने लगे । मोरारजी समर्थकों के मुताबिक इस खबर से उन्हें सौ वोटों का घाटा हो गया ।

नैयर अपनी आत्मकथा में लिखते हैं– खबर के बाद के. कामराज ने संसद भवन में मुलाकात के दौरान उन्हें थैंक्यू कहा था । वहीं जब शास्त्री पार्टी नेता चुने गए तो उन्होंने सबके सामने संसद भवन की सीढ़ियों पर उन्हें गले लगा लिया।

पत्रकारिता के स्तंभ कुलदीप नैयर का देहावसान एक बहुत बड़ी क्षति है ।

राफेल विवादः अनिल अंबानी ने नेशनल हेराल्ड पर किया 5000 करोड़ का मानहानि केस

द रीव टाइम्स ब्यूरो

कारोबारी अनिल अंबानी ने कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड पर 5,000 करोड़ रुपये के मानहानि का केस किया है । अखबार में राफेल सौदे के बारे में छपे एक लेख को रिलायंस एडीएजी समूह ने अपमानजनक और मानहानिकारक बताया है रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (ADAG) के प्रमुख अनिल अंबानी ने कांग्रेस के स्वामित्व वाले अखबार नेशनल हेराल्ड पर 5,000 करोड़ रुपये के मानहानि का केस किया है । अनिल अंबानी ने दावा किया है कि राफेल लड़ाकू विमान के बारे में अखबार में छपा एक लेख उनके लिए 'अपमानजनक और मानहानिकारक' है ।

इसके अलावा अनिल अंबानी ने गुजरात कांग्रेस के नेता शक्ति सिंह गोहिल के खिलाफ भी 5,000 करोड़ रुपये के मानहानि का एक और केस दर्ज किया है । ये दोनों मामले अनिल अंबानी की तरफ से उनकी कंपनियों रिलायंस डिफेंस, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर ने दर्ज कराए हैं ।

पेपर "लीक" होने से रोकेगा डिजिटल प्रश्न पत्र, माइक्रोसॉफ्ट ने बनाया सॉफ्टवेयर

द रीव टाइम्स ब्यूरो

परीक्षाओं के दौरान पेपर लीक होने की घटनाएं रोकने के लिए माइक्रोसॉफ्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इसके तहत छात्रों को डिजिटल प्रश्न पत्र दिए जाएंगे।

जुलाई 2018 में हुई कंपार्टमेंट परीक्षा के दौरान 10वीं के 487 केंद्रों में इसका सफल परीक्षण भी किया गया, जिसमें चार हजार परीक्षार्थी बैठे थे। नई प्रक्रिया के तहत सीबीएसई प्रशासन परीक्षा केंद्रों में ई–मेल के जरिए वन ड्राइव का एक लिंक भेजेंगे। इस लिंक में ही प्रश्न–पत्र होगा, जो परीक्षा केंद्रों पर डाउनलोड किया जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, नया सॉफ्टवेयर परीक्षा नियंत्रक को विंडोज 10 और माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस 365 के माध्यम से पूरी प्रणाली को ट्रैक करने की अनुमति देगा। पूरी प्रक्रिया इनक्रिप्टेड रहेगी और दो तरह के प्रमाणीकरण के बाद ही प्रश्न पत्र खुल सकेगा।

हिमाचली लेखकों की स्वरचित एवं शोध आधारित रचनाएं सादर आमंत्रित हैं। यदि आप द रीव टाइम्स से बतौर लेखक जुड़ना चाहते हैं और समसामयिक घटनाओं एवं अन्य विषयों पर लिखने के इच्छुक हैं तो आप स्वरचित रचनाएं हमें प्रेषित करें। रचनाओं को हमारी मेल आईडी पर भी भेजा जा सकता है । वास्तविक एवं चयनित रचनाओं को द रीव टाइम्स में प्रकाशन का अवसर दिया जाएगा । अस्वीकृत रचनाएं वापिस नहीं की जाएगी।
IIRD Complex Shimla, Bye pass Road, Shanan, shimla H.P. 171006 therievtime@iirdshimla.org

टॉप कैबिनेट मंजूरी: अगस्त 2018 केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सनदी लेखा संस्थानों में सहयोग पर भारत और कनाडा के बीच एमओयू को मंजूरी दी ।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इंस्टीटयूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) और चार्टर्ड प्रोफेशनल अकाउंटेंट्स ऑफ कनाडा (सीपीए कनाडा) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर को मंजूरी दे दी है।

मंत्रिमंडल ने यह मंजूरी 2011 में हस्ताक्षरित एमओयू की पूर्वव्यापी मंजूरी के संदर्भ में और भारत के आईसीएआई एवं कनाडा के सीपीए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर के लिए दी है ।

इस एमओयू के तहत पारस्परिक सदस्यता के लिए व्यवस्था की परिकल्पना की गई है जो विशिष्ट मानदंडों के साथ दोनों संस्थानों के संबंधित सदस्यों पर लागू होगी ।

इसका उद्देश्य आईसीएआई के सदस्यों, छात्रों एवं उनके संस्थानों के व्यापक हित में पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध विकसित करना है ।

मंत्रिमंडल ने नए मेडिकल कॉलेज के गठन के लिए करमा, झारखण्ड के केन्द्रीय अस्पताल के स्थानांतरण को मंजूरी दी ।

मंत्रिमंडल समिति ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन करमा, झारखण्ड के केन्द्रीय अस्पताल को उसकी जमीन और इमारत सहित निःशुल्क झारखण्ड सरकार को स्थानांतरित करने को मंजूरी दे दी है।

इसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों की स्थापना संबंधी केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना (सीएसएस) के तहत एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है ।

यह मौजूदा जनपदीयध्रेफरल अस्पतालों से जुड़ा होगा और क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करेगा ।

इस प्रस्ताव से देश में प्रतिवर्ष प्रशिक्षित किए जाने वाले डॉक्टरों की संख्या में इजाफा होगा. इससे क्षेत्र में आम लोगों को उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सेवाओं तथा स्वास्थ्य सेवा संरचना में सुधार करने में सहायता मिलेगी ।

मंत्रिमंडल ने विदेश मंत्रालय के द्विभाषिया संवर्ग हेतु संयुक्त सचिव स्तर के दो पदों के सृजन को मंजूरी दी

मंत्रिमंडल समिति ने विदेश मंत्रालय के द्विभाषिया संवर्ग के लिए संयुक्त सचिव स्तर के दो पदों के सृजन को मंजूरी दे दी है ।

इस निर्णय से द्विभाषिया संवर्ग की विशेषज्ञता को बढ़ाने में मदद मिलेगी और द्विभाषिया प्रशिक्षण की आवश्यकताएं पूरी होंगी ।

पूरे विश्व में भारत सरकार का द्विपक्षीय और बहुपक्षीय आदान–प्रदान तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद इत्यादि की आवश्यकताओं में भी तेजी आ रही है । इस उपाय से इन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी

मंत्रिमंडल ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी।

इस एमओयू पर मई 2018 को नई दिल्ली में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने और मई 2018 में जकार्ता में इंडोनेशिया की ओर से वहां के अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एवं उच्च शिक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर ने हस्ताक्षर किए थे ।

इस एमओयू पर हस्ताक्षर होने से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध के लिए एक नया अध्याय खुलेगा । इससे दोनों पक्षों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारस्परिक हितों को साधने के लिए पूरक ताकत मिलेगी ।

इस एमओयू का उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समानता एवं पारस्परिक लाभ का आधार पर भारत और इंडोनेशिया के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है ।

इसके हितधारकों में भारत और इंडोनेशिया के वैज्ञानिक संगठनों के शोधकर्ता, शिक्षा, आरएण्डडी प्रयोगशाला एवं कंपनियां शामिल हैं ।

मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार अतिरिक्त बटालियन बनाने को मंजूरी दी

मंत्रिमंडल समिति ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार अतिरिक्त बटालियन बनाने को मंजूरी दे दी है ताकि भारत में आपदा मोचन को मजबूती प्रदान की जा सके । इसकी अनुमानित लागत 637 करोड़ रुपए है ।

चार अतिरिक्त बटालियनों को बनाने का उद्देश्य देश के विशाल भौगोलिक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए आपदा मोचन के समय में कटौती करना है ।

इन चार बटालियनों को शुरूआत में भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में दो बटालियनों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) तथा असम राइफल्स (एआर) में एक–एक बटालियन के रूप में तैयार किया जाएगा ।

मंत्रिमंडल ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच डाक टिकट को संयुक्त रूप से जारी करने को मंजूरी दी।

मंत्रिमंडल को भारत–दक्षिण अफ्रीका के बीच डाक टिकट को संयुक्त रूप से जारी करने के विषय में अवगत कराया गया ।

इसकी विषय–वस्तु 'भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रणनीतिक साझेदारी के बीस वर्ष' है । संयुक्त टिकट को जून 2018 में जारी किया गया था ।

भारत–दक्षिण अफ्रीका के संयुक्त स्मारक डाक टिकट पर दीनदयाल उपाध्याय और दक्षिण अफ्रीका के ऑलिवर रेगिनॉर्ड टेम्बो के चित्र बने हैं । इस संबंध में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मई 2018 में एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

मंत्रिमंडल ने भारत और कोरिया के बीच कारोबार निदान सहयोग के लिए समझौता-ज्ञपन को मंजूरी दी

मंत्रिमंडल ने भारत और कोरिया के बीच कारोबार निदान सहयोग के लिए समझौता–ज्ञापन को मंजूरी दे दी है । कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान जुलाई 2018 में समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे ।

इस समझौता–ज्ञापन से दोनों देशों के बीच एंटी–डम्पिंग, सब्सिडी, सम्वर्ती तथा सुरक्षा उपायों जैसे कारोबारी निदानों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा इन उपायों से द्विपक्षीय व्यापार संबंध बढ़ेंगे ।

मंत्रिमंडल ने भारत और इंडोनेशिया के बीच स्वास्थ्य सहयोग के लिए समझौता-ज्ञपन को मंजूरी दे दी है।

समझौता–ज्ञापन में सहयोग में अनुसंधान एवं विकास, सक्रिय औषधि–विज्ञान घटक (एपीआई) और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित मेडिकल उपकरण, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य सेवाएं और पारस्परिक रूप से स्वीकृत अन्य क्षेत्र को शामिल किया गया है ।

सहयोग के विवरणों तथा समझौता–ज्ञापन के कार्यान्वयन की देख–रेख करने के लिए एक कार्य–समूह का गठन किया जाएगा.

मंत्रिमंडल ने केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्गों के उप-वर्ग निर्धारण के विषय की पड़ताल करने के लिए आयोग की अवधि को नवंबर 2018 तक विस्तार देने की मंजूरी दे दी है।

आयोग ने हितधारकों के साथ गहन चर्चा की, जिनमें राज्य सरकार, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, विभिन्न समुदायिक संगठन और विभिन्न पिछड़ा वर्ग से संबंधित आम लोग इत्यादि शामिल थे ।

आयोग ने दस्तावेज, उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिल होने वाले अन्य पिछड़ा वर्गों का जातिवार विवरण तथा केंद्र सरकार के विभागों, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों में जातिवार भर्ती का रिकॉर्ड भी तलब किया ।

मंत्रिमंडल ने बिहार के फुलौत में कोसी नदी पर 4-लेन के एक नये पुल के निर्माण को मंजूरी दी।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बिहार के फुलौत में 6.930 किलोमीटर लंबे 4–लेन वाले पुल के निर्माण के लिए परियोजना को मंजूरी दी है ।

सीसीईए ने बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग–106 के मौजूदा बीरपुर–बिहपुर खंड पर 106 किलोमीटर से 136 किलोमीटर तक 'पेव्ड शोल्डर के साथ 2–लेन' के उन्नयन एवं पुनर्वास के लिए 1478.40 करोड़ रुपये की लागत से डेक को भी मंजूरी दी है ।

इस परियोजना के लिए निर्माण अवधि 3 वर्ष है और इसे जून 2022 तक पूरी होने की उम्मीद है ।

राष्ट्रीय राजमार्ग 106 पर फुलौत और बिहपुर के बीच 10 किलोमीटर लंबा लिंक नादारद है और वह कोसी नदी के कटाव क्षेत्र में आता है

मंत्रिमंडल ने 'भारत में अध्ययन करने वाले ओबीसी छात्रों के लिए मैट्रिक के बाद छात्रवृत्ति' में संशोधन एवं उसे जारी रखने को मंजूरी दी

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजना 'भारत में अध्ययन करने वाले ओबीसी छात्रों के लिए मैट्रिक के बाद छात्रवृत्ति' (पीएमएस-ओबीसी) में संशोधन एवं उसे जारी रखने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन एवं बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए पीएमएस–ओबीसी योजना में संशोधन किया गया है ।

माता–पिता की वार्षिक आय को एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये किया जाएगा। 30 प्रतिशत आवंटित रकम छात्राओं के लिए रखी जाएगी जबकि 5 प्रतिशत रकम दिव्यांग छात्रों के लिए होगी ।

यह योजना वित्त से संबंधित है, इसलिए केन्द्रीय सहायता राष्ट्रीय आवंटन के अनुसार जारी की जाएगी। रकम जारी करने के लिए राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों पर दायित्व की अवधारणा लागू नहीं होगी ।

टॉप10 साप्ताहिक करेंट अफेयर्स घटनाक्रम: 18 अगस्त 2018

द रीव टाइम्स ब्यूरो

इमरान खान ने पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली।

- पाकिस्तान के राष्ट्रपति ममनून हुसैन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इमरान खान ने उर्दू में शपथ ली
- इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी और पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू भी मौजूद रहे ।
- प्रधानमंत्री पद के लए इमरान खान और पाकिस्तान मुस्लिम लीग– नवाज (पीएमएल– एन) के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ के बीच चुनावी मुकाबला हुआ था
- 342 सदस्यों वाले पाकिस्तान के निचले सदन (नेशनल असेंबली) में इमरान खान को सरकार के गठन और प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने के लिए 172 वोटों की जरूरत थी । इस चुनाव में इमरान खान के पक्ष में 176 वोट पड़े जबकि शाहबाज शरीफ को 96 वोट ही मिल सके ।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का निधन: सात दिन का राजकीय शोक।

- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का 16 अगस्त 2018 को दिल्ली के एम्स में शाम 05 बजकर 05 मिनट पर निधन हो गया ।
- अटल बिहारी वाजपेयी को गुर्दा (किडनी) की नली में संक्रमण, छाती में जकड़न, मूत्रनली में संक्रमण आदि के बाद 11 जून 2018 को एम्स में भर्ती कराया गया था ।
- एम्सआ से उनका पार्थिव शरीर उनके निवास कृष्णप मेनन मार्ग पर लाया गया । यहां पर पूर्व प्रधानमंत्री का शव उनके निवास स्थारन पर तिरंगे में लपेटा गया । यहां पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया ।
- भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी 17 अगस्त 2018 को पंचतत्व में विलीन हो गए । दिल्ली के स्मृति स्थल पर राष्ट्र ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी

भारत के चिड़ियाघर में पहले हम्बोल्ट पेंगुइन का जन्म हुआ।

- मुंबई स्थित भायखला चिड़ियाघर में 15 अगस्त 2018 को देश के पहले पेंगुइन का जन्म हुआ. हम्बोल्ट प्रजाति के इस पेंगुइन का जन्म वन्यजीव विशेषज्ञों की देखरेख में हुआ ।
- वर्ष 2017 में दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल से आठ हम्बोल्ट पेंगुइन को मुंबई के भायखला चिड़ियाघर में लाया गया था
- इनमे से साढ़े चार साल की मादा हम्बोल्ट पेंगुइन फ्लीपर ने मोल्ट के साथ मिलकर पांच जुलाई को एक अंडा दिया था जिससे इस पेंगुइन का जन्म हुआ ।
- पेंगुइन आम तौर पर साढ़े तीन साल की उम्र में अंडे देते है, लेकिन फ्लीपर साढ़े चार साल की मादा हम्बोल्ट है और 21 जुलाई को मोल्ट तीन साल का हो जाएगा

नीति आयोग ने 'पिच टू मूव' प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा की

- नीति आयोग ने 14 अगस्त 2018 को देश के उभरते उद्यमियों के लिए 'पिच टू मूव' नाम से एक प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा की है ।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक गतिशीलता शिखर सम्मेमलन के अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कोर देंगे
- इसका उद्देश्यक स्टार्ट–अप को कारोबार से जुड़े नये विचार निर्णायक मंडल (जूरी) के सामने पेश करने का मौका देना है ।
- इसके तहत निवेश आकर्षित करने के लिए मोबिलिटी के विभिन्नश क्षेत्रों में काम करने वाले स्टार्टर्ट–अप्सक उद्योगपतियों और उपक्रम पूंजी उपलब्धे कराने वालों के समक्ष अपने विचार रख सकते हैं ।

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान अजीत वाडेकर का निधन

- भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तथा पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत वाडेकर का 15 अगस्त 2018 को निधन हो गया । वे 77 वर्ष के थे ।
- वाडेकर लंबे समय से बीमार चल रहे थे उन्होंने मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली ।
- अजीत वाडेकर विदेशी धरती पर सीरीज जीतने वाले पहले भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान थे ।
- वाडेकर अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में शामिल थे । उन्होंने भारत के लिए 37 टेस्ट मैच और 2 वनडे मैच खेले थे ।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में वाहनों पर स्टीकर कोड को मंजूरी प्रदान की

- दिल्ली–एनसीआर में गाड़ियों पर अलग–अलग रंग के स्टीकर लगाए जाने को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी प्रदान की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वाहन डीजल, पेट्रोल या फिर सीएनजी में से किस ईंधन से चलता है ।
- इस योजना के अनुसार, पेट्रोल और सीएनजी से चलने वाले वाहनों पर नीले रंग के तथा डीजल से चलने वाले वाहनों पर संतरी रंग के स्टीकर लगाने होंगे ।
- केंद्र सरकार के परिवहन मंत्रालय द्वारा यह सुझाव दिया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम बी लोकुर की अगुआई वाली बेंच ने स्वीकार किया है.
- दिल्ली–एनसीआर में पेट्रोल–सीएनजी वाहनों के लिए हल्का नीला स्टिकर प्रयुक्त किया जाएगा । डीजल से चलने वाले वाहनों के लिए संतरी रंग के स्टीकर लगाए जायेंगे ।

केंद्र सरकार ने इलाहाबाद बैंक की पूर्व एमडी उषा अनंतसुब्रमण्यम को बर्खास्त किया

- उनकी बर्खास्तगी ठीक उसी दिन हुई जिस दिन वह रिटायर होने वालीं थी । सरकार ने अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी ।
- बतौर रिपोर्ट्स, सरकार ने सीबीआई को उषा अनंतसुब्रमण्यम पर मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है ।
- इससे पहले मई 2018 में पीएनबी मामले में सीबीआई की चार्जशीट में नाम आने के बाद अनंतसुब्रमण्यम के सभी अधिकार तत्काल प्रभाव से वापस ले लिए गए थे ।

छत्तीसगढ़ के गवर्नर बलराम दास टंडन का निधन

- छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलराम दास टंडन का 14 अगस्त 2018 को निधन हो गया ।
- उन्होंने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में अंतिम सांस ली । वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे । जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे टंडन ने 18 जुलाई 2014 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल का पद संभाला था । उनका अंतिम संस्कार पंजाब में उनके पैतृक गांव में किया जाएगा । बलराम दास टंडन का जन्म 1 नवंबर 1927 को अमृतसर पंजाब में हुआ. उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी ।

मध्य प्रदेश में शहीद सम्मान दिवस मनाया गया

- मध्य प्रदेश के सभी जिलों में 14 अगस्त को 'शहीद सम्मान दिवस' मनाया गया । इस दिन शहीदों के गांवों में शहीद सम्मान दिवस मनाया गया । इसके आलावा शहीदों के परिवारों का सम्मान भी किया गया ।

ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स 2018 जारी: पुणे पहले स्थान पर

- केंद्रीय आवास व शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 13 अगस्त 2018 को ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स (जीवन सुगमता सूचकांक) 2018 जारी किया ।
- शहरों को रैंकिंग देने के लिए देश के 111 शहरों में सर्वेक्षण कराए गए थे । इसके बाद इसकी घोषणा की गई ।
- भारत में रहने के लिहाज से सबसे बेहतर शहर पुणे है । पुणे को घोषित ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स में पहले स्थान पर रखा गया है । नवी मुंबई को दूसरा स्थान हासिल हुआ है । पुणे के अलावा महाराष्ट्र के तीन और शहरों के नाम भी इस लिस्ट में हैं जिनके नाम ठाणे, नवी मुंबई और ग्रेटर मुंबई हैं ।
- एशियाई खेल 2018: बजरंग पूनिया ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया
- भारत के प्रसिद्ध कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पूनिया ने एशियाई खेलों में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया है. 18वें एशियाई खेलों के पहले दिन 19 अगस्त 2018 को पहलवान बजरंग पूनिया ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया ।
- बजरंग पूनिया ने अपना यह स्वर्ण पदक पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित किया । इसके साथ ही वे एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले भारत के 9वें पहलवान बन गये । भारत ने एशियाई खेलों में अब तक कुल 10 गोल्ड मेडल जीते हैं । करतार सिंह भारत के एकमात्र पहलवान हैं, जो दो एशियाई खेलों (1978 बैंकाक और 1986 सियोल) में स्वर्ण पदक जीते चुके हैं ।

आर्कटिक बर्फ पिघलने से भारतीय मानसून प्रभावित हो सकता है: अध्ययन

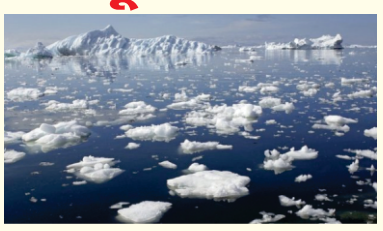

द रीव टाइम्स ब्यूरो

राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीएओआर) के वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध के अनुसार आर्कटिक की बर्फ के तेजी से पिघलने का भारतीय मानसून पर बुरा असर हो सकता है । इस संबंध में राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीएओआर) गोवा, के अनुसंधान पत्र में रिपोर्ट प्रकाशित की गई है ।

शोधकर्ताओं द्वारा किये गये इस अध्ययन में पाया गया कि इस क्षेत्र में वैश्विक आंकड़ों की तुलना में कहीं अधिक जलवायु परिवर्तन हो रहा है । इसका असर भारतीय मॉनसून पर भी पड़ रहा है ।

प्रमुख तथ्य

- वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन के लिए पिछली दो शताब्दियों में आर्कटिक क्षेत्र में हुए ऊष्मा बदलावों को दोबारा संगठित किया ।
- वैज्ञानिकों के शोधानुसार ध्रुवीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन वैश्विक औसत से दोगुना हो रहा है ।
- वैज्ञानिकों ने पाया कि पिछले दो शताब्दियों में जलवायु परिवर्तन द्वारा संचालित ग्लेशियर पिघलने में वृद्धि हुई है ।
- आर्कटिक क्षेत्र में इन भौगोलिक परिवर्तनों के कारण राज्य और पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के संतुलन को महत्वपूर्ण रूप से बदलने का अनुमान जताया गया है ।
- वैज्ञानिकों ने ऑर्गनिक कार्बन और अन्य पदार्थों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए आर्कटिक क्षेत्र की तलछटी का अध्ययन किया ।
- आर्कटिक में बढ़ते हिमनद से प्रकाश की उपलब्धता में कमी आई है और इस प्रकार उत्पादकता में कमी आई है जिसके परिणामस्वरूप जैविक कार्बन की कम उपस्थिति होती जा रही है ।
- शोध के परिणामस्वरूप यह पाया गया कि आर्कटिक क्षेत्र में 1840 एवं 1900 को छोड़कर प्रत्येक वर्ष बर्फ पिघलने में बढ़ोतरी जारी रहा है ।
- आर्कटिक क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन में 1840 के बाद से बर्फ पिघलना आरंभ हुआ तथा इसमें 1970 के बाद से सबसे अधिक तेजी देखी गई ।
- शोधकर्ताओं के अनुसार, बर्फ पिघलने से समुद्र के जल स्तर में हो रहे बदलावों से भारत के मॉनसून में भी बदलाव हो देखे गये हैं, विशेषकर दक्षिण पश्चिम भारत के मॉनसून में इसका अधिक असर देखा गया है ।

ब्रिटेन ने भारतीय मूल के लोगों में अंग प्रत्यारोपण की समस्याओं से निपटने के लिए नया कानून बनाया

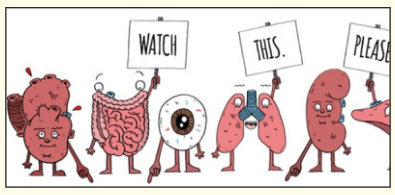

द रीव टाइम्स ब्यूरो

ब्रिटेन सरकार ने 05 अगस्त 2018 को देश में भारतीय मूल के लोगों में प्रत्यारोपण के लिए अंगों की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए अंग और ऊतक दान देने संबंधी कानून में परिवर्तन की नई योजनाओं की घोषणा की हैं । इसका मुख्य लक्ष्य भारतीय मूल के अपने नागरिकों की जरूरतें पूरी करना है । अंग और ऊतक दान करने में सहमति से जुड़ी नई प्रणाली के इंग्लैंड में 2020 से प्रभावी होने की संभावना है । इसे अश्वेत, एशियाई और अल्पसंख्यक जातीय लोगों की सहायता के लिए एक अभियान के हिस्से के रूप में घोषित किया गया है, जो लंबे समय से जीवन बचाव के लिए अंग प्रत्योरोपण का इंतजार कर रहे हैं ।

द रीव टाइम्स
vkidh vkokt ghg
gekjh vkokt

भारत ने नेपाल के तराई क्षेत्र में सड़क निर्माण हेतु 470 मिलियन रुपये की सहायता राशि जारी की

द रीव टाइम्स ब्यूरो

भारत सरकार ने नेपाल में तराई सड़कों परियोजना के लिए 470 मिलियन नेपाली रुपये अनुदान जारी किया है । नेपाल में भारतीय राजदूत मनजीव सिंह पुरी ने नेपाल के भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्रालय, सचिव मधुसूदन अधिकारी को नेपाल में काठमांडू में चेक प्रदान किया ।

इसे पोस्टल राजमार्ग एवं हुलाकी राजमार्ग भी कहा जाता है। इस परियोजना के तहत 14 सड़क पैकेजों के चालू निर्माण के लिए फंड तरलता बनाए रखने के लिए राशि जारी की गई है। इस भुगतान के साथ, पोस्टल राजमार्ग परियोजना के तहत 14 पैकेज लागू करने के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए 8 अरब नेपाली रुपये की कुल अनुदान सहायता से 2.35 अरब नेपाली रुपये जारी किए गए हैं

अमेरिका ने परमाणु संधि से अलग होने के बाद ईरान एक्शन ग्रुप बनाया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने 16 अगस्त 2018 को ईरान के साथ अपने संबंधों को सुधारने हेतु ईरान एक्शन ग्रुप (आईएजी) की स्थापना करने की घोषणा की । यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान परमाणु समझौते से स्वयं को अलग किये जाने की घोषणा के बाद की गई ।

पोम्पियो ने देश के योजना विकास विभाग के निदेशक ब्रायन हुक को इस ग्रुप का प्रमुख बनाया है ।

द रीव टाइम्स ब्यूरो

माथे की झुर्रियां केवल बढ़ती उम्र का संकेत नहीं, इस भयंकर बीमारी की भी चेतावनी

माथे की झुर्रियों का बढ़ना केवल बढ़ती उम्र का संकेत नहीं, बल्कि हृदय रोग के खतरे की चेतावनी भी हो सकता है। एक शोध में सामने आया है कि झुर्रियों का सामान्य से अधिक बढ़ना और एथेरोसिलेरोसिस नामक हृदय रोग आपस में संबंधित हैं। इस बीमारी में धमनियां सख्त हो जाती है जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

इंसानी गतिविधियों से बढ़ा भूस्खलन, भारत सबसे ज्यादा प्रभावित

भूस्खलन के कारण वर्ष 2004 से 2016 के दौरान 50 हजार से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है। यह बात ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड के शोधकर्ताओं के अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ताओं की टीम ने अध्ययन के लिए इन वर्षों के दौरान 4,800 से अधिक भयंकर भूस्खलन के डाटा को एकत्र किया। इस अध्ययन में पहली बार यह सामने आया कि इंसानी गतिविधियों के कारण भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

बच्चों की दर्दभरी 'खामोशी', तीन साल में चाइल्ड हेल्पलाइन पर आए 1.36 करोड़ 'साइलेंटकॉल'

चाइल्ड हेल्पलाइन पर लगातार 'साइलेंट कॉल' बढ़ रही हैं। इसी से आप अंदाजा लगा सकते है कि बाल शोषण व बाल अपराध का ग्राफ किस तेजी से बढ़ रहा है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर यह गंभीर स्थिति का परिचायक है। पिछले तीन सालों में 1098 नंबर (चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर) पर मदद के लिए तीन करोड़ से भी ज्यादा कॉल्स आई हैं, जिसमें से 1.36 करोड़ 'साइलेंट कॉल्स' थीं ।

जरूरत पड़ने पर बुजुर्गो के लिए व्हीलचेयर बन कर मदद करेगा खास रोबोट

सऊदी अरब में 42 पाकिस्तानी हज यात्रियों की मौत

पूरे देश में छोटे अपराधों पर मिल सकती है ऑनलाइन एफआईआर दर्ज की अनुमति, कवायद तेज

London Police ने भारत को लौटायी बुद्ध की 12वीं सदी की कांस्य मूर्ति

द रीव टाइम्स ब्यूरो

बिहार में नालंदा के एक संग्रहालय से करीब 60 साल पहले चुरायी गयी बुद्ध की 12वीं सदी की एक कांस्य मूर्ति भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान बुधवार को लंदन मेट्रोपोलिटन पुलिस ने भारत को लौटा दी । चांदी की कलमकारी वाली यह कांस्य मूर्ति 1961 में नालंदा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान के एक संग्रहालय से चुरायी गयी 14 मूर्तियों में एक है । लंदन में नीलामी के लिए सामने लाये जाने से पहले यह बरसों तक विभिन्न हाथों से गुजरी ।

मेट्रोपोलिटन पुलिस के अनुसार, डीलर और मालिक को इस मूर्ति के बारे में बताया गया कि यह वही मूर्ति है, जो भारत से चुरायी गयी थी । तब उन्होंने पुलिस की कला एवं पुरावशेष इकाई के साथ सहयोग किया तथा वे इसे भारत को लौटाये जाने पर राजी हो गये । इस साल मार्च में एक व्यापार मेले में एसोसिएशन फोर रिसर्च इंटू क्राइम्स एगेंस्ट की लिंडा अल्बर्टसन और इंडिया प्राइड प्रोजेक्ट के विजय कुमार की इस प्रतिमा पर नजर पड़ी और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी ।

स्कॉटलैंड यार्ड ने बुधवार को यहां इंडिया हाऊस में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में यह प्रतिमा ब्रिटेन में भारत के राजदूत वाई के सिन्हा को सौंपी । सिन्हा ने 'अनमोल बुद्ध' की मूर्ति लौटाये जाने को एक अच्छा कदम बताया । ब्रिटेन के कला, धरोहर एवं पर्यटन मंत्री माइकल एलीस ने कला एवं पुरावशेष इकाई की सराहना की।

करेंट अफेयर्स क्विज:

द रीव टाइम्स अपने पाठकों के लिए साप्ताहिक करेंट अफेयर्स प्रश्न उपलब्ध करा रहा है । इसमें पूरे सप्ताह के करेंट अफेयर्स से संबंधित परीक्षोपयोगी प्रश्नों का संकलन है

प्रश्न

1. केंद्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित केरल के लिए कितने करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का फैसला किया है?
अ. 100 करोड़ रुपये इ. 200 करोड़ रुपये
ब. 300 करोड़ रुपये क. 400 करोड़ रुपये

2. साहित्य के लिए वर्ष 2001 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले किस भारतीय मूल के मशहूर लेखक का लंदन स्थित अपने घर में 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया ?
1. नजीब महफूज इ. वी.एस. नायपॉल
ब. सुली प्रुधोम क. सेमस हेनी

3. किस पूर्व लोकसभा अध्यक्ष का 13 अगस्त 2018 को कोलकाता में 89 साल की उम्र में निधन हो गया ?
अ. मनोहर जोशी इ. शिवराज पाटिल
ब. मीरा कुमार क. सोमनाथ चटर्जी

4. किस देश में एशियाई खेल 2018 आयोजित किया जाएगा?
अ. इंडोनेशिया इ. नेपाल
ब. चीन क. जापान

5. केरल बाढ़ से निपटने हेतु दक्षिणी नौसेना कमान द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन का नाम क्या है?
अ. ऑपरेशन हिम्मत इ. ऑपरेशन मदद
ब. ऑपरेशन पानी क. इनमें से कोई नहीं

6. किस राज्य सरकार ने हाल ही में ऋण माफी योजना का दायरा बढ़ा दिया है?
अ. महाराष्ट्र सरकार इ. बिहार सरकार
ब. पंजाब सरकार क. कर्नाटक सरकार

7. भारतीय नौसेना का कौन सा जहाज 13 से 16 अगस्त तक फिजी की यात्रा पर रवाना हुआ ?
अ. आईएनएस सहयाद्रि इ. आईएनएस तारिणी
ब. आईएनएस श्रेष्ठ क. आईएनएस विक्रांत

8. हाल ही में किस राज्य के गवर्नर का पद पर रहते हुए निधन हो गया ?
अ. राजस्थान इ. छत्तीसगढ़
ब. बिहार क. केरल

9. विश्व के किस शहर में हिन्दू देवी लक्ष्मी के नाम पर शहर का नाम रखा गया ?
अ. किचीजोजी (टोक्यो) इ. गोंगजू (चीन)
ब. तेल अवीव (इजराइल)क. वॉरसॉ (पोलैंड)

10. एक सर्वेक्षण के तहत निम्नलिखित में से किसे भारत की सबसे अमीर महिला घोषित किया गया है?
अ. नीता अंबानी इ. अर्पिता मुंजाल
ब. स्मिता कृष्णा गोदरेज क. किरण नादर

11. निम्नलिखित में से किसे हाल ही में छत्तीसगढ़ का अतिरिक्त राज्यपाल बनाया गया है ?
अ. आनंदीबेन पटेल इ. विश्वास राव
ब. उर्जित पटेल क. के एस जयराम

12. भारतीय टीम को पहली बार विदेशी धरती पर सीरीज जिताने वाले उस पूर्व क्रिकेट कप्तान का क्या नाम है जिनका हाल ही में निधन हो गया ?
अ. मोहम्मद अजरुद्दीन इ. अजीत वाडेकर
ब. रवि शास्त्री क. कपिल देव

13. इकॉनमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट रैंकिंग्स द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार विश्व का कौन सा शहर रहने के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ है?
अ. पेरिस इ. लंदन
ब. वियना क. मुंबई

14. इकॉनमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट रैंकिंग्स द्वारा किये गये सर्वेक्षण के अनुसार विश्व का कौन सा शहर रहने के लिहाज से सबसे बदतर स्थिति में है ?
अ. दमिश्क इ. बनारस
ब. कराची क. डकार

15. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस भाषण में भारत द्वारा 2022 में अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले किस अंतरिक्ष यान के बारे में जिक्र किया?
अ. अन्तरिक्ष यात्रा वाहन इ. मेघयान
ब. वायुवेग यान क. गगनयान

उत्तर:

1 100 करोड़ रुपये
विवरण: केरल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि केंद्र सरकार ने राज्य के लिए 100 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का फैसला किया है ।

2. इ. वी.एस. नायपॉल
विवरण: साहित्य के लिए वर्ष 2001 में नोबेल पुरस्कार पाने वाले भारतीय मूल के मशहूर लेखक वी.एस. नायपॉल को लंदन स्थित अपने घर में 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया

3.क. सोमनाथ चटर्जी
विवरण: पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का 13 अगस्त 2018 को कोलकाता में निधन हो गया. वे 89 वर्ष के थे । पिछले काफी दिनों में सोमनाथ चटर्जी बीमार चल रहे थे ।

4 इंडोनेशिया
विवरण: खेल मंत्रालय ने एशियाई खेलों के लिये 804–सदस्यीय दल को मंजूरी दे दी है । एशियन गेम्स 18 अगस्त से इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता और पेलाम्बंग में आयोजित हो रहे हैं ।

5.इ. ऑपरेशन मदद
विवरण: केरल में पिछले तीन दिन से भारी बाढ़–बारिश का लोगों को सामना करना पड़ रहा है । नेवी द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन मदद' के जरिए केरल के पहाड़ी इलाकों से अब तक 55 लोगों को बचाया जा चुका है ।

6 महाराष्ट्र सरकार
विवरण: महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में ऋण माफी योजना का दायरा बढ़ा दिया है । अब किसान के परिवार के सदस्यों का अलग–अलग ऋण खाता होने की स्थिति में भी सभी को इस योजना का लाभ मिलेगा ।

7.आईएनएस सहयाद्रि
विवरण: फिजी के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सहयाद्रि सद्भावना यात्रा पर सुवा बंदरगाह पहुंचा है ।

8. इ. छत्तीसगढ़
विवरण: छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलरामदास टंडन का 14 अगस्त को आंबेडकर अस्पताल में निधन हो गया । वे पिछले कुछ दिनों से बीमार थे ।

9. किचीजोजी (टोक्यो)
विवरण: जापान के पास एक शहर है किचीजोजी. किचीजोजी का नाम हिन्दू देवी लक्ष्मी के नाम पर रखा गया है ।

10 ब. स्मिता कृष्णा गोदरेज
विवरण: एक सर्वेक्षण के तहत स्मिता कृष्णा गोदरेज को भारत की सबसे अमीर महिला घोषित किया गया है.

11 आनंदीबेन पटेल
विवरण: आनंदीबेन पटेल को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है

12. इ. अजीत वाडेकर
विवरण: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान तथा पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत वाडेकर का 15 अगस्त 2018 को निधन हो गया ।

13. ब. वियना (ऑस्ट्रिया)
विवरण: इकॉनमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट रैंकिंग्स द्वारा विश्व के 140 शहरों में किये गए सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप जारी आंकड़ों में वियना प्रथम स्थान पर शामिल रहा ।

14. दमिश्क (सीरिया)
विवरण: इकॉनमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट रैंकिंग्स द्वारा विश्व के 140 शहरों में किये गए सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप जारी आंकड़ों में दमिश्क इस सूची में अंतिम पायदान पर रहा

15. क. गगनयान
विवरण: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से दिए गए अपने संबोधन में घोषणा की कि वर्ष 2022 तक गगनयान लेकर कोई हिंदुस्तानी अंतरिक्ष में जाएगा ।

यूएन के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान का निधन

द रीव टाइम्स ब्यूरो

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के पूर्व महासचिव और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कोफी अन्नान का 18 अगस्त 2018 को निधन हो गया वे 80 वर्ष के थे यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र ने ट्विटर हैंडल के जरिए दी । कोफी अन्नान कुछ समय से बीमार थे ।

कोफी अन्नान को वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है । कोफी अन्नान यूएन के महासचिव बनने वाले पहले अश्वेत अफ्रीकी थे कोफी अन्नान बुतरस घाली के बाद संयुक्त राष्ट्र के सातवें महासचिव के रूप में अपना योगदान दिया था ।

प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल के लिए कामः

कोफी अन्नान युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाल करने और प्रवासियों को फिर से बसाने के लिए वैश्विक स्तर पर होने वाले कई प्रयासों की अगुआई कर चुके थे । हाल के दिनों में वह रोहिंग्या और सीरिया के शरणार्थी संकट के समाधान के लिए काम कर रहे थे । सीरिया में संकट के समाधान के लिए उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद से भी मुलाकात की थी ।

नोबेल शांति पुरस्कारः

कोफी अन्नान को उनके मानवीय कार्यों के लिए वर्ष 2001 में नोबेल शांति पुरस्कार भी मिला था ।

कोफी अन्नानः

- कोफी अन्नान का जन्म 8 अप्रैल 1938 को गोल्ड कोस्ट (वर्तमान देश घाना) के कुमसी नामक शहर में हुआ था ।
- वे वर्ष 1962 से वर्ष 1974 तक और वर्ष 1974 से वर्ष 2006 तक संयुक्त राष्ट्र में कार्यरत रहे ।
- 1 जनवरी 1997 से 31 दिसम्बर 2006 तक दो कार्यकालों के लिये संयुक्त राष्ट्र के महासचिव रहे ।
- कोफी अन्नान फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष थे, साथ ही नेल्सन मंडेला द्वारा स्थापित अंतरराष्ट्रीय संगठन 'द एल्डर' के अध्यक्ष थे ।
- कोफी अन्नान ने वर्ष 1954 से वर्ष 1957 तक मफिन्तिस्म स्कूल में शिक्षा ली । वे वर्ष 1957 में फोर्ड फाउंडेशन की दी छात्रावृत्ति पर अमेरिका गये थे ।
- उन्होंने अमेरिका में वर्ष 1958 से वर्ष 1961 तक मिनेसोटा राज्य के संत पॉल शहर में मैकैलेस्टर कॉलेज में अर्थशास्त्र की पढ़ाई की और वर्ष 1961 में उन्हें स्नातक की डिग्री हासिल की
- अंग्रेजी, फ्रेंच, क्रू, अकान की अन्य बोलियों और अन्य अफ्रीकी भाषाओं के जानकार थे ।
- कोफी अन्नान ने वर्ष 1962 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए एक बजट अधिकारी के रूप में काम शुरू कर दिया था । वे विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ 1965 तक रहे ।
- उन्होंने वर्ष 1965 से 1972 तक इथियोपिया की राजधानी अद्दीस अबाबा में संयुक्त राष्ट्र की इकॉनोमिक कमिशन फॉर अफ्रीका के लिए काम किया था ।
- इसके बाद कोफी अन्नान अगस्त 1972 से मई 1974 तक जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के लिये प्रशासनिक प्रबंधन अधिकारी के तौर पर रहे ।
- वे मई 1974 से नवंबर 1974 तक मिस्र में शांति अभियान में संयुक्त राष्ट्र द्वारा कार्यरत असैनिक कर्मचारियों के मुख्य अधिकारी (चीफ पर्सोनेल ऑफिसर) के पद पर कार्यरत रहे ।
- वे वर्ष 1974 से 1976 तक घाना में पर्यटन के निदेशक के रूप में भी कार्य किए ।
- वे वर्ष 1980 में संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी उच्चायोग के उप–निदेशक नियुक्त हुए 1984 में वे संयुक्त राष्ट्र के बजट विभाग के अध्यक्ष के रूप में न्यूयॉर्क वापिस आये
- उन्हें वर्ष 1987 में संयुक्त राष्ट्र के मानव संसाधन विभाग और वर्ष 1990 में बजट एवं योजना विभाग का सहायक महासचिव नियुक्त किया गया था । वे मार्च 1992 से फरवरी 1993 तक शांति अभियानों के सहायक महासचिव रहे थे
- उन्हें मार्च 1993 में संयुक्त राष्ट्र का अवर महासचिव नियुक्त किया गया था और वे दिसंबर 1996 तक इस पद पर कार्यरत रहे ।
- उन्होंने वर्ष 1997 में संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों में सामंजस्य बढ़ाने के लिये संयुक्त राष्ट्र विकास समूह की स्थापना की ।
- उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधार किए, जिसमें सचिवालय का बड़ा प्रशासनिक पुनर्गठन भी शामिल था।

महात्मा गांधी को सम्मान देने के लिए कानून पेश किया जाएगा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

महात्मा गांधी को मिल सकता है अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, कानून पेश करने की तैयारी। अमेरिका की एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि वह महात्मा गांधी को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'कांग्रेसनल स्वर्ण पदक' दिए जाने के लिए एक ऐतिहासिक कानून पेश करेंगी । दुनिया भर में नागरिक अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन चलाने की प्रेरणा देने के लिए गांधी को यह सम्मान दिए जाने का प्रस्ताव रखा जाएगा । न्यूयॉर्क से कांग्रेस सांसद कैरोलिन मालोनी ने 38वें भारत दिवस परेड में यह घोषणा की । भारत के स्वतंत्रता दिवस का वार्षिक जश्न मनाने के लिए इस दिन का आयोजन कल हुआ था । मालोनी ने परेड के दौरान बताया कि, 'गांधी ने कई लोगों को प्रभावित किया जिन्हें न्याय के लिए उनके गैर हिंसक नेतृत्व के आधार पर पहले ही यह पदक मिल चुका है जैसे मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला को । यह सब कुछ महात्मा गांधी की शिक्षा पर आधारित था' ।

भारत अमेरिका से एसटीए-1 रैंकिंग हासिल करने वाला तीसरा एशियाई देश बना

द रीव टाइम्स ब्यूरो

भारत को अमेरिका से सामरिक महत्व की उच्च प्रौद्योगिकी वाली वस्तुओं की खरीद की छूट दी गई है, यह अधिकार प्राप्त करने वाला भारत एशिया का तीसरा देश बन गया है ।

अब तक अमेरिका द्वारा एशिया में जापान और दक्षिण कोरिया को यह छूट दी गई थी । अमेरिका की संघीय सरकार ने भारत को ''रणनीतिक व्यापार अधिकार–पत्र 1'' (एसटीए1) की सुविधा देने की अधिसूचना जारी कर दी है

घोषणा के मुख्य तथ्य

अमेरिका द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार भारत अमेरिका की एसटीए–1 सुविधा हासिल करने वाला 37वां देश है ।

ट्रम्प सरकार ने इस मामले में भारत को एक विशिष्ट देश माना है क्योंकि भारत अभी परमाणु प्रौद्योगिकी की आपूर्ति करने वाले देशों के समूह (एनएसजी) का सदस्य नहीं है

इससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत को असैन्य क्षेत्र में उपयोग होने वाली अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा रक्षा क्षेत्र से संबंधित उच्च प्रौद्योगिकी के उत्पादों की बिक्री करना आसान हो जाएगा ।

चीन ने अरुणाचल-तिब्बत बॉर्डर के नजदीक मानवरहित मौसम अवलोकन केंद्र स्थापित किया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

चीन ने अरुणाचल प्रदेश सीमा के निकट तिब्बत में मानवरहित स्वचालित मौसम अवलोकन केंद्र की स्थापना की है ।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन ने क्षेत्रीय संघर्ष की स्थिति में देश की सेना, विमानों और मिसाइलों के संचालन में मौसम संबंधी मदद के लिए इस रटेशन की स्थापना की है ।

तिब्बत के शाननान परिक्षेत्र के अंतर्गत ल्हुंजे के युमई में इस केंद्र की स्थापना की गई है । क्षेत्रीय मौसम युद्ध के दौरान एयरक्राफ्ट्स की लैंडिंग और टेक–ऑफ और मिसाइल के लॉन्च के लिए काफी अहम माना जाता है । ऐसे में छोटे मौसम केंद्र काफी मददगार साबित हो सकते हैं ।

समुद्र के जलस्तर में थोड़ी सी वृद्धि से भी पूरी दुनिया में सुनामी का खतरा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र के जलस्तर में थोड़ी सी वृद्धि दुनिया पर सुनामी से होने वाली तबाही का खतरा बढ़ा सकती है । एक अध्ययन में यह चेतावनी दी गई है । तटीय शहरों में समुद्र का जल स्तर बढ़ने के खतरे के बारे में सभी को जानकारी है, लेकिन इस नए अध्ययन से पता चला है कि भूंकप के बाद आई सुनामी से तटीय शहरों के अलावा दूर–दूर बसे शहरों और बसावटों को भी खतरा पैदा हो सकता है ।

उदाहरण के लिए 2011 के बाद तोहोकु–ओकी में भूकंप के बाद आई सुनामी से उत्तरी जापान का हिस्सा तबाह हो गया था और इससे एक परमाणु संयंत्र को भी भयानक क्षति पहुंची और रेडियोधर्मी प्रदूषण हुआ ।

अमेरिका के वर्जिनिया टेक के एक सहायक प्रोफेसर रॉबर्ट वेस ने कहा, 'हमारा अध्ययन बताता है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से सुनामी के खतरे काफी बढ़ गए हैं, जिसका मतलब है कि भविष्य में छोटी सुनामी का भी बड़ा भयानक प्रभाव हो सकता है ।' यह अध्ययन साइंस एडवांसेस जर्नल में प्रकाशित हुआ है ।

नये पीएम इमरान खान के भाषण के बाद पाकिस्तान में लालू प्रसाद यादव की चर्चा

द रीव टाइम्स ब्यूरो

पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के बाद इमरान खान की ओर से दिये पहले भाषण से आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का नाम जोड़ दिया गया है । पाकिस्तान के पीपुल्स पार्टी के नेता सैयद खुर्शीद शाह ने कहा कि इमरान खान का भाषण सुनकर ऐसा लगता है कि भारत के लालू प्रसाद यादव उनके सलाहकार हैं । शाह ने कहा कि ऐसा नहीं लगता है कि देश का प्रधानमंत्री बोल रहा है । यह भाषण देश के पीएम के स्तर का बिलकुल नहीं था ।

दुनिया न्यूज में छपी खबर के मुताबिक शाह ने कहा, 'इमरान खान के भाषण से ऐसा लगता है कि भारत के लालू यादव उनके सलाहकार हैं । आपको बता दें कि प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद इमरान खान नेशनल असेंबली में भाषण के दौरान उस समय नाराज हो गये थे जब विपक्ष के कुछ नेता शोरगुल करने लगे और संसद में धरने पर बैठ गये । इस दौरान इमरान खान ने भी तेज आवाज में भाषण दिया. इस पर सैयद खुर्शीद शाह ने कहा कि उनका रवैया गैर–जिम्मेदराना था । पीपीपी के नेता ने कहा कि अगर यही नया पाकिस्तान है तो ईश्वर हम पर दया करे ।

खूबसूरती को कैमरे में कैद करने वालों के लिए बेहद खास है 'वर्ल्ड फोटोग्राफी डे, इसलिए किया जाता है सेलिब्रेट

द रीव टाइम्स ब्यूरो

19 अगस्त को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे (World Photography Day 2018) था। दुनिया भर के फोटोग्राफरों ने इस दिन को सेलिब्रेट किया। हर साल 19 अगस्त को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। वर्ल्ड फोटोग्राफी डे उन सभी फोटोग्राफर्स को समर्पित है जिन्होंने अपनी कला से दुनिया की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया हैं । आज के समय में फोटोग्राफी के जरिए हम आसानी से अपनी जिंदगी के खूबसूरत पलों को कैमरे में कैद कर लेते हैं । लेकिन क्या आप जानते हैं कि फोटोग्राफी की शुरुआत किसने की थी ? और आखिर क्यों 19 अगस्त को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे (World Photography Day) मनाया जाता है?

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे का इतिहास

इतिहासकारों के मुताबिक आज से 179 साल पहले 9 जनवरी, 1839 को फोटोग्राफी की शुरुआत हुई थी । 9 जनवरी, 1839 को जोसेफ नाइसफोर और लुइस डॉगेर नाम के 2 वैज्ञानिकों ने डॉगोरोटाइप प्रक्रिया का आविष्कार किया था । डॉगोरोटाइप टेक्निक फोटोग्राफी की पहली प्रक्रिया था । इस आविष्कार की घोषणा 19 अगस्त 1839 को फ्रांस की सरकार ने की थी । इसी की याद में दुनिया भर में 19 अगस्त का World Photography Day मनाया जाता है । आपको बता दें कि वर्ल्ड फोटोग्राफी की लोकप्रियता साल 2010 से बढ़ना शुरू हुई थी ।

साल 2010 में ऑस्ट्रलिया के एक फोटोग्राफर ने इस दिन के बारे में दुनिया भर में जागरुकता फैलानी शुरु की । उन्होंने अपने सभी साथियों की मदद से दुनिया भर में इस दिन का प्रचार प्रसार किया । उन्होंने 270 साथी फोटोग्राफरों के साथ मिलकर उनकी तस्वीरें ऑनलाइन गैलरी के जरिए लोगों के

सामने पेश की ।

इस ऑनलाइन गैलरी को लोगों ने खूब पसंद किया जिसके बाद से इसका ट्रेंड बन गया और हर साल फोटोग्राफी डे के दिन ऐसी ही ऑनलाइन गैलरी बनने लगी ।

विश्व का पहला थर्मल बैटरी संयंत्र आंध्र प्रदेश में आरंभ किया गया

द रीव टाइम्स ब्यूरो

भारत स्टोरेज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित विश्व का पहला थर्मल बैटरी संयंत्र आंध्र प्रदेश स्थित अमरावती में आरंभ किया गया ।

इस संयंत्र का उद्देश्य नवीन ऊर्जा भंडारण व्यवस्थाओं का निर्माण करना है, जिसमें वाणिज्यिक अनुप्रयोग होने की उम्मीद है । इसका एक अन्य उद्देश्य कम कार्बन उत्सर्जन करना तथा हर मौसम में काम करने की क्षमता इसकी विशेषताएं हैं ।

विशेषताएं

- यह संयंत्र मई 2019 से काम करना आरंभ कर देगा । भारत स्टोरेज टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड संयंत्र के लिए 1000 मेगावाट की बैटरी तैयार करने का सोच कर रहा है ।
- वर्ष 2025 तक संयंत्र की क्षमता 10 गीगावाट होने का अनुमान है ।
- थर्मल बैटरी ऊर्जा उत्पादन के वैकल्पिक स्रोतों पर आधारित है, और इसकी उपस्थिति से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है ।
- यह संयंत्र विद्युत ग्रिड, परिवहन और दूरसंचार सेवाओं के लिए ऊर्जा समाधान प्रदान करने में सक्षम है ।

द रीव टाइम्स संस्थापकः डॉ. एल.सी. शर्मा, द रीव टाइम्स पब्लिकेशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक श्री प्रदीप कुमार जरेट द्वारा एसोसिएट प्रैस सायबू निवास समीप सेक्टर -2, बस स्टैंड मिडल मार्केट न्यू शिमला-9, हि.प्र. से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रधान सम्पादकः डा. एल.सी. शर्मा, प्रबन्ध सम्पादकः आनन्द नायर
फोन न. 0177 2640761, मेलः editor@themissionriev.com RNI Reference No. 1328500

Advertisement

मिशन रीव में 'रीव को-ऑर्डिनेटर' के पदों की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

पद का नाम :	रीव को-ऑर्डिनेटर
पदों की संख्या :	प्रति ग्राम पंचायत अधिकतम दो
शैक्षणिक योग्यता :	स्नातक अथवा दस जमा दो के बाद डिप्लोमा या समकक्ष योग्यता
अनुभव :	फील्ड में कार्य करने का अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता
आवेदन की तिथि :	1 सितंबर 2018
आवेदन की अंतिम तिथि :	30 सितंबर 2018
आयु सीमा :	20 से 40 वर्ष के मध्य
आवेदन शुल्क :	600/रुपये (केवल ऑनलाइन जमा होंगे)

1. रीव को-ऑर्डिनेटर को क्या करना है :

1. युटीलिटी एवं ऑनलाइन सेवा प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
सरकारी योजनाएं एवं कार्यक्रम	समस्त सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी एवं सेवाएं आम लोगों तक घर पर ही उपलब्ध करवाना	150 लोग प्रतिमाह
लाईसेंस पंजीकरण,अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि	समस्त ऑनलाईन सेवाऐं जैसे कि लाईसेंस पंजीकरण एवं निर्माण, सभी वर्गों में इंश्योरेंस, समस्त प्रमाण पत्रों के लिए सहयोग, अनापत्ति प्रमाण पत्र, ऑनलाईन दस्तावेज़ी सेवाऐं आदि लोगों को उपलब्ध करवाना	50 लोग प्रतिमाह
ऑनलाइन सेवाएं	लोगों को नशामुक्त अभियान, प्रत्येक क्षेत्र में काउंसलिंग, बुजुर्गों एवं अन्यों के लिए चारधाम यात्रा का प्रबंध, खेल काउंसिल पंजीकरण, वास्तुकारी में सहयोग, विधवा पुर्नविवाह आदि समस्त सेवाओं को लोगों तक पहुंचाना	100 लोग प्रतिमाह
सदस्यता पंजीकरण एवं आवश्यकता आकलन आदि	1. आवश्यकता आकलन के आधार पर समस्याओं के प्राथमिकीकरण के बाद घरद्वार तक सेवाएं 2. भिन्न वर्गों में विभाजन कर आनलाइन प्रश्नों के आधार पर आवश्यकता आकलन होगा। 3. मैम्बरशिप ले चुके लोगों की ज़रूरतों का आकलन एवं पंजीकरण कर सेवा शैड्यूल बनाना पंजीकृत शैड्यूल की गई सेवाओं को सदस्य तक पहुंचाना	5 लोग प्रति माह 5 लोग प्रति माह 5 लोग प्रति माह

2. स्वास्थ्य सेवा प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
स्वास्थ्य स्लेट कार्यक्रम	अपनी पंचायत मे 2 स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित करना	60 लोग प्रति माह
मोबाईल लैब	अपनी पंचायत मे 1 कार्यक्रम आयोजित करना	50 लोग प्रति माह
जनौषधि वितरण	अपनी पंचायत के मरीजों को मिशन रीव के जनौषधि केन्द्रों से जोड़ कर घरद्वार पर जन औषधि की सस्ती दवाईयाँ उपलब्ध करवाना	150 परिवार प्रतिमाह
टेलीमेडिसिन	अपनी पंचायत के मरीजों को टेलीमेडिसिन से जोड़ कर इलाज करवाना	150 परिवार प्रतिमाह

3. कृषि प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
जैविक खाद	अपनी पंचायत के लोगों को रीव जैविक खाद बनाने के लिए सहायता एवं प्रेरित करना।	15 टन प्रतिमाह
जैविक अपशिष्ट अपघटक	अपनी पंचायत के लोगों को बायो डिकम्पोजर बनाने के लिए सहायता एवं प्रेरित करना।	1000 लीटर प्रतिमाह
मृदाजांच	1. कम लागत, कम समय, कम स्थान में अधिक पैदावार करने के उद्देश्य से मृदा जांच को आधार बनाकर रीव जैविक खाद तैयार करना 2. वर्टीकल खेती एवं एलगे उर्वरक का उपयोग करना	150 किसान परिवार
दुधारू पशु कैटल फीड सप्लिमेंट	अपनी पंचायत के लोगों को दुधारू पशुओं को कैटल फीड सप्लिमेंट देने में सहायता एवं प्रेरित करना।	150 किसान परिवार
मशरूम खेती	अपनी पंचायत के लोगों को मशरूम की खेती करने के लिए सहायता देना एवं प्रेरित करना।	50 किसान परिवार
सूक्ष्म योजना	सम्पूर्ण कृषि तकनीक आधारित नियोजनः बीज, मृदा जांच, कृषि उपकरण, आधुनिक तकनीक से कृषि में सहयोग व सहायता उपलब्ध करवाना।	100 किसान परिवार

4. मुद्रण एवं प्रकाशन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
द रीव टाइम्स वितरण	अपनी पंचायत के लोगों तक द रीव टाइम्स पहुंचाना	150 परिवार प्रतिमाह
रिपोर्टिंग	अपनी पंचायत से जुड़ी हुई घटनाओं एवं समाचारों को एकत्रित कर द रीव टाइम्स मे प्रकाशन के लिए भेजना	2 समाचार/लेख प्रतिमाह
विज्ञापन	द रीव टाइम्स के लिए विभिन्न संस्थानों से विज्ञापन लेना	1 विज्ञापन प्रतिमाह

5. संपत्ति प्रबंधन

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
जमीन जायदाद संबंधी कार्य	संपत्ति की पहचान कर उसका पंजीकरण, खरीद, बेचना, इंतकाल, रजिस्ट्री आदि समस्त दस्तावेजी औपचारिकताएं मिशन रीव के अन्तर्गत लोगों को दी जाएगी	आवश्यकतानुसार

6. उद्यमिता व्यवसाय प्रबंधन प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
उद्यमिता विकास	अपनी पंचायत के लोगों को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना एवं सम्पूर्ण सहयोग सहायता देना, नए उद्यमियों को अपना कारोबार शुरू करने के लिए प्रेरित करना तथा समस्त औपचारिकताओं जैसेः लोन दिलवाना, साधन–संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कारोबार को स्थायित्व प्रदान करने में सहयोग करना	एक उद्यमी को प्रतिमाह सेवा

7. ग्रामीण उत्पाद क्रय- विक्रय प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
ग्रामीण उत्पादों/वस्तुओं का क्रय–विक्रय	गांव में ही उत्पादों की पहचान कर उसको खरीदना तथा बाजार में बेचने तक की सेवाएं देना दैनिक उपयोग के उत्पादो को बाजार से भी सस्ते दामों पर घर–घर तक उपलब्ध करवाना	ऋतुकाल अनुसार सूचित किया जाता रहेगा

8. शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रभाग

सेवाएँ	कार्यकलाप	लक्ष्य (टार्गेट)
करियर काउंसलिंग	शिक्षा के साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण और तकनीकि सहयोग विभिन्न जटिल विषयों पर शिक्षण एवं ई–लर्निंग करियर काउंसलिंग के माध्यम से बच्चों को शिक्षा	10 बच्चे प्रतिमाह

2. आवेदन प्रक्रिया :-

प्रार्थी बताए गए पदों के लिए केवल ऑनलाईन ही आवेदन कर सकता है।

ऑफ लाईन प्रक्रिया का विकल्प नहीं है।

3. ऑनलाईन आवेदन कैसे करें :

ऑनलाईन आवेदन के लिए मिशन रीव की वेबसाइट (missionriev.in/recruitment) पर लिंक एवं पोर्टल 1 सितंबर से सबके लिए खुला है। आवेदन करने के बाद आवेदक को लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड मिलेगा और उसके तीन दिनों के अंदर ही आवेदक को ऑनलाईन भर्ती प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

4. सेवाओं में सहयोग :

- रीव को–ऑर्डिनेटर को क्या, कैसे एवं किस प्रकार फील्ड में कार्य करना है इसका समय–समय पर वांछित प्रशिक्षण दिया जाएगा
- गांव से लेकर हर कस्बे व शहर तक मिशन रीव आवश्यकता आधारित तकनीक/सॉफ्टवेयर प्रदान करेगा
- वांछित उपकरणों जैसे वित्तीय प्रबंधन/क्रियाकलाप हेतु पीओएस (POS) मशीन, ब्लॉक कार्यालय में कप्युटर, इंटरनेट, विडियो कॉनफ्रैंसिंग तथा फील्ड मूवमेंट ट्रैकिंग टूल आदि की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी ।

5. साक्षात्कार कब और कैसे :

- प्रार्थी ऑनलाईन प्रक्रिया के तीन चरणों के बाद ही उत्तीर्ण होगा जिसमें प्रथम दो चरणों में ऑनलाइन प्रारुप के आधार पर प्रक्रिया पूरी करनी होगी तथा तीसरे चरण में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तहत एक संक्षिप्त साक्षात्कार होगा । उसमें उत्तीर्ण होने के बाद अनुबंधित किया जाएगा ।

6. काम कैसे करना है

- रीव को–ऑर्डिनेटर को संबन्धित पंचायत में लोगों से नियमित संपर्क कर उन्हें आवश्यकतानुसार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सेवाऐं प्रदान करनी होगी ।

नोट :प्रार्थी आवेदन करने से पूर्व वेबसाइट पर आवश्यक दिशा–निर्देशों को ध्यान से पढ़ें । प्रार्थी के पास अपना वैब कैमरा युक्त लैपटॉप होना चाहिए अथवा साक्षात्कार हेतु इसका प्रबंध कर लें।

7. ऑन लाइन पोर्टल

ऑनलाइन कंप्यूटरीकृत भर्ती प्रक्रिया

विज्ञापन	रीव टाइम्स, सोशल मीडिया, दैनिक समाचारपत्रों के माध्यम से
कंप्युटर के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन	आवेदन संबंधी दिशा निर्देश → IIRD मिशन रीव के बारे मे संक्षिप्त परिचय विडियो एवं बुनियादी जानकारी
रेफरेंस चेक	आवेदक को 3 गणमान्य व्यक्तियों ने नाम देने होंगे जो आवेदक का अनुमोदन कर सकें
प्रलेखन/ Documentation	आवेदक को अपने शिक्षा एवं कार्यानुभव के सभी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे
लिखित परीक्षा/ Written Test	वेब केमरा युक्त कमप्यूटर पर ऑनलाइन MCQ संबन्धित एवं व्याख्यात्मक लिखित परीक्षा देनी होगी
दृश्य–श्रव्य साक्षात्कार का पहला पड़ाव Audio Visual (Interview)	ऑनलाइन साक्षात्कार होगा जहां कुछ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे
मिशन रीव मे कार्य तथा सेवाओं को देने बारे गहन समझ के लिए/ In depth understanding of Role	ई लर्निंग आधार पर ऑनलाइन अध्ययन सामग्री वीडियो–ओडियो तथा टेक्स्ट अध्ययन
आवेदक के अपने कार्य संबंधी समझ का आकलन Assessment on role understanding विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आधारित ऑनलाइन इंटरव्यू का अंतिम पड़ाव/ Video Conferencing by HOD/ Senior Person	ऑनलाइन इंटरव्यू के अंतिम पड़ाव मे मिशन हैड क्वार्टर से सीधे विडियो कॉन्फ्रेंसिंग होगी जहां किसी उच्च अधिकारी अथवा अधिकारियों के पेनल से साक्षात्कार होगा जिसमे कार्य को समझने संबंधी क्षमता का ऑनलाइन आकलन होगा
नियुक्ति प्रस्ताव/Offer Letter	नियुक्ति प्रस्ताव पत्र लेने के लिए अभ्यर्थी को मिशन हैड ऑफिस बुलाया जाएगा जहां 1 घंटे का आरंभिक परिचय व जानकारी दी जाएगी
NSDC से प्रमाणित 30 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम	ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के पश्चात 30 दिन के व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान NSDC से प्रमाणित प्रशिक्षण दिया जाएगा

8. नियुक्ति प्रक्रिया : साक्षातकार उर्तीण करने के बाद प्रार्थी को ऑफर लैटर दिया जाएगा। इसके बाद 30 दिन के प्रशिक्षण के बाद ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। नियुक्ति के लिए प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है।

9. मानदेय* : वांछित प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद प्रार्थी की नियुक्ति फील्ड में की जाएगी । समस्त नियम–शर्तों एवं औपचारिकताओं के बाद अधिकतम रुपये 10,000/–प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा । इसके अलावा टी.ए. डी.ए. एवं वार्षिक प्रोत्साहन राशि का भी प्रावधान है ।

★ **नियम और शर्तें लागु।**

10. भविष्य में क्या

- अपने गांव–पंचायत में ही स्थाई रोजगार प्राप्त करने का सुअवसर
- अपने गांव एवं क्षेत्र के अपने ही लोगों की सेवा करने का सुनहरा मौका
- सम्मानजनक रोजगार के प्रति आश्वस्त
- कार्यानुसार एवं दक्षतानुसार समय–समय पर पदोन्नति
- व्यक्तिगत एवं सामाजिक आधार पर आर्थिक विकास की अपार संभावनाऐं

यह ग्रामीण परिवेश में लोगों को विभिन्न सेवाऐं कम कीमत में उपलब्ध करवाकर आमदनी उत्पन्न करके रोजगार के अवसर पैदा करने वाला नूतन मॉडल है । इससे जुड़ें सभी कार्यकर्ताओं को मासिक निश्चित न्यूनतम सेवाओं को प्रदान कर अपने निर्धारित मानदेय को सुनिश्चित करना होगा । तय सीमा से अधिक सेवाओं के प्रदान करने पर कार्यकर्ताओं को हर तिमाही को इंसेंटिव का भी प्रावधान होगा ।

हिमाचल के युवाओं से अनुरोध है कि वह आईआईआरडी के 'नशामुक्त हिमाचल अभियान' से जुड़ने के लिए प्रदेशव्यापी कार्यक्रम में स्वेच्छिक सहयोग दें, लॉगइन करें: www.missionriev.in/sambhal.aspx

IIRD हम जानते हैं गाँव को बेहतर

रोजगार के लिए आवेदन तथा रिक्तियों संबंधी जानकारी लेने के लिए निम्नलिखित फोन नम्बर तथा ईमेल पर संपर्क करें :–

0177-2640761, 2844073, 2843528 mail id: riev@iirdshimla.org, www.missionriev.in